जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 24 जून, 2023

जयपुर में कोठी

वो भी 3000 की रेट से !

2000 Sq Ft वाली BIG कोठी सिर्फ 60 लाख में !

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

FIXED PRICE

एम.आई. रोड़ से एक LEFT पर !

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

2 BHK WALK-UP अपार्टमेंट	1350 SF	45 लाख
3 BHK WALK-UP अपार्टमेंट	1900 SF	50 लाख
3 BHK BIG कोठी	2000 SF	60 लाख
4 BHK BIGGER कोठी	2325 SF	70 लाख
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 SF	1 करोड़

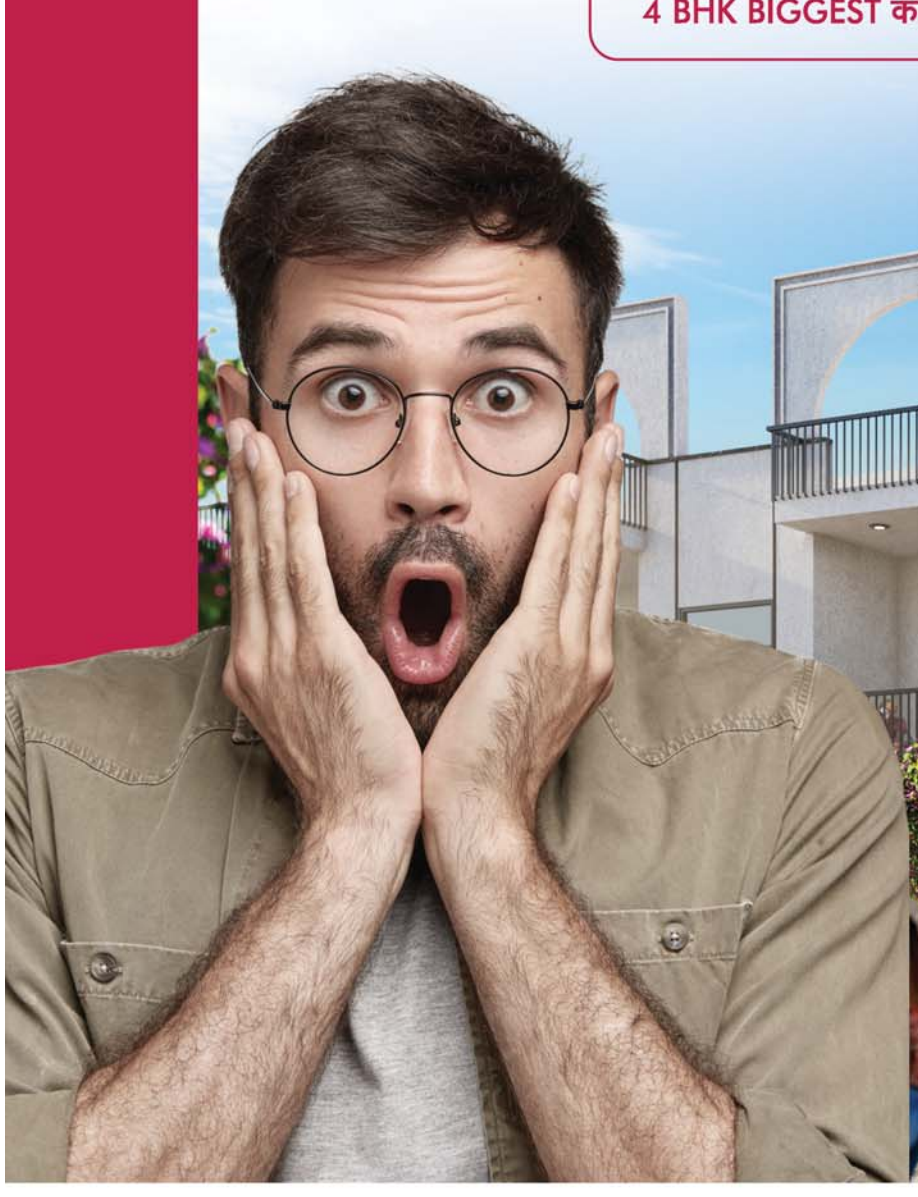

KEDIA

1800 120 2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

LOCATION QR CODE

ROUTE MAP

SITE TOUR 360 DEGREE

विचार बिन्दु

असत्य फूस के ढेर की तरह है। सत्य की एक चिनगारी भी उसे भस्म कर देती है। –हरिभाऊ उपाध्याय

तेल पर सरकारी मुनाफे का खेल

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पिछले महीनों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का फायदा आम जनता तक नहीं पहुंच रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी गई है। इस दौरान ब्रेंट क्रूड ऑयल के प्राइस गिरकर 75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए हैं। इसके बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है।

आम जनता पूछ रही है–देश के लोगों को अच्छे दिन कब देखने को मिलेंगे। कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद मार्च, 2022 में 139 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। अब ये कीमतें 75 डॉलर तक आ चुकी हैं और जनता सस्ते तेल का इंतज़ार कर रही है। हालाँकि पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कमी आने के कई बार संकेत दिए हैं। हरदीप सिंह पुरी का कहना है कि तेल कंपनियों के घाटे की भरपाई हो रही है। जिसके बाद तेल कंपनियों की ओर से पेट्रोल और डीजल के दाम घटाने पर विचार किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम स्थिर बने रहें तो पेट्रोल-डीजल की कीमत देश में कम हो सकती है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल मार्केटिंग कंपनियों का घाटा पूरा हो चुका है, इसलिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी की उम्मीद की जा सकती है। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से जल्द ही ईंधन के दाम में कमी करने की संभावना है। सरकार को भी उम्मीद है कि वह कच्चे तेल में कटौती का फायदा पेट्रोल-डीजल के दाम में कमी करके आम लोगों को जल्द दे सकती है। विश्लेषकों का कहना है तेल की कीमतों में खेल करके सरकार ने लाखों-करोड़ों तो कमाए हैं, साथ में तेल कंपनियों का मुनाफा भी पिछले कुछ समय में 20 गुना बढ़ गया है। लेकिन इन सबकी कीमत जनता को ही चुकानी पड़ी है। आज देश के चौक चौराहों और गांव गुवाड़ में लोग यह चर्चा करते मिल जायेंगे की मोदी तेल कब सस्ता करेगा।

कुछ समय से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी गई है। जनवरी–मार्च 2023 के दौरान तेल 80 डॉलर के स्तर पर था वह मई 2023 में कम होकर 75 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया। वहीं भारतीय कच्चे तेल की कीमत जून 2022 में 116 डॉलर प्रति बैरल पर थी। इसका मतलब है कि कच्चे तेल की कमी का फायदा दिया जाता है तो ईंधन की कीमतों में बड़ी कमी हो सकती है। सरकार की दलील है कि तीनों तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पिछली तिमाही में अच्छा मुनाफा कमाया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन का कुल शुद्ध मुनाफा पिछले साल की समान अवधि से 52 फीसदी बढ़कर 10,841.23 करोड़ रुपये हो गया। भारत पेट्रोलियम का शुद्ध मुनाफा 168 फीसदी बढ़कर 6,780 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान पेट्रोलियम का मुनाफा 79 फीसदी बढ़कर 3,608 करोड़ रुपये रहा।

सरकार को भी उम्मीद है कि वह कच्चे तेल में कटौती का फायदा पेट्रोल-डीजल के दाम में कमी करके आम लोगों को जल्द दे सकती है। विश्लेषकों का कहना है तेल की कीमतों में खेल करके सरकार ने लाखों-करोड़ों तो कमाए हैं, साथ में तेल कंपनियों का मुनाफा भी पिछले कुछ समय में 20 गुना बढ़ गया है। लेकिन इन सबकी कीमत जनता को ही चुकानी पड़ी है।

कच्चे तेल की कीमतों में हो रही गिरावट का असर भारत पर देखने को नहीं मिल रहा है। काफी समय से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सितंबर 2022 तक रूस अपने तेल को ब्रेंट क्रूड के मुकाबले 20 डॉलर प्रति बैरल सस्ता बेच रहा था। भारत सस्ते रूसी तेल का बड़ा खरीदार बनकर उभर रहा है। लेकिन 60 डॉलर के प्राइस कैप लगने के बाद भारत को आने वाले दिनों में नुकसान उठाना पकड़ सकता है। फिलहाल भारत को रूस की ओर से तेल छूट पर मिल रही है। हालांकि, भारत के लिए फिलहाल किसी तरह की मुश्किल बढ़ती हुई नजर नहीं आ रही है। क्योंकि मौजूदा समय में 60 से 70 डॉलर प्रति बैरल की दर से ही रूस से ही रूस से तेल खरीद रहा है। कच्चे तेल की कीमतें जुलाई, 2008 के बाद इस साल मार्च में 140 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई थीं। उसके बाद से 46 फीसदी गिरावट के साथ यह इस साल सबसे निचले स्तर 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है। कच्चे तेल को लीटर और रुपये के हिसाब से अनुमान लगाएं तो कीमत 9 महीने में 33 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा घटनी चाहिए। इसके बाद भी देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट देखने को नहीं मिली है। लेकिन अब पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर हो रहे फायदे का कुछ हिस्सा जनता को देने की चर्चा हो रही है। पेट्रोल का भाव देश के कई स्थानों पर 113 रूपये प्रति लीटर को पार कर गया है। आईसीआरए के उपाध्यक्ष प्रशांत वशिष्ठ ने कहा कि फिलहाल ईंधन की कीमतों में कटौती हो सकती है, क्योंकि कच्चे तेल में गिरावट और एमएस और एचएसडी दोनों के क्रैक स्प्रेड में कमी के कारण मार्केटिंग में अच्छा मुनाफा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि डीजल में कम से कम 2-3 रुपये और पेट्रोल में 5-6 रुपये प्रति लीटर की कटौती की संभावना है। इससे पूर्व पेट्रोलियम मंत्री भी दामों में कमी की बात कह चुके है।

हालांकि इससे देश की अर्थव्यवस्था में व्यापक सुधार के लक्षण परिलक्षित हुए हैं। आज की स्थिति की निष्पक्ष होकर समीक्षा करें तो सरकार मालामाल हो रही है और जनता कंगाल। आम उपभोक्ता आज भी महंगाई की बेरहम मार से पीड़ित होकर कराहने पर मजबूर है। सब्जी से लेकर दाल तक के भाव आसमान पर हैं और जनता धरती पर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए यह अवधि सुकून भरी है। पैट्रोल-डीजल की कीमतें हाहाकार की स्थिति से नीचे आकर धीरे-धीरे आम आदमी की पकड़ में आने लगी हैं। मगर कीमतों में गिरावट का पूरा फायदा सरकार आम जनता को नहीं दे रही है। इसमें सरकार के अपने तर्क वाजिब हो सकते हैं मगर जनता अपने अच्छे दिनों का इन्तजार कर रही है। जनता चाहती है कि तेल के भावों में गिरावट का उसे पूरा फायदा मिलना ही चाहिये।

इस समय विश्व की अर्थव्यवस्था की मजबूत धुरी तेल ही है। विभिन्न देशों की सरकारों की राजस्व प्राप्ति का एक बड़ा हिस्सा पैट्रोलियम पदार्थों से हासिल होता है। सरकार का कहना है कि जब तेल की कीमतें आसमान को छूने लगती हैं तब जनता को राहत प्रदान करने के लिए सरकार पर्याप्त मात्रा में अनुदान देती है जिसका फायदा जनता तक पहुंचता है। आज जब कीमतें गिर रही हैं तो सरकार को उत्पाद कर वसूलने का पूरा अधिकार है। सरकार का यह कथन पूरी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता लोकतांत्रिक व्यवस्था में पहला हित जनता का संरक्षित होना है। सरकार का यह दायित्व है कि वह अपनी जनता को विभिन्न रियायतें उपलब्ध कराकर लाभान्वित करे।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

विरासत की धरोहर–आमेर किला

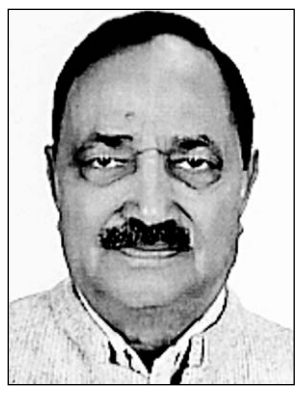

देवीसिंह नरूका

जयपुर के जन्तर मन्तर के बाद राजपूत राजाओं द्वारा निर्मित राजस्थान के छह: किलो को भी यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर की सूची में सम्मिलित किया गया हैं। यह है आमेर का किला, रणथंभोर दुर्ग, चितौडगढ दुर्ग, कुम्भलगढ दुर्ग, गागरोन दुर्ग और जैसलमेर का किला। वस्तुत: जब युद्धो में गोला, बारूद, तोपों का उपयोग किया जाने लगा तब किलों का महत्व अधिक बढ गया। किलों में ही पर्याप्त अस्त्र-शस्त्र, गोला बारूद, मुख्य स्थानों पर तोपों की स्थापना, सेना के रहने और उनके लिए खाद्य सामग्री व पानी की व्यवस्था भी की जाती थी। किलों में ही राजपरिवार व सेना के रहने के लिए अलग भवनों का निर्माण कराया जाता था।

जयपुर के ढूंढाड़ क्षेत्र में लगभग एक हजार वर्ष तक कच्छवाह राजपूत राजवंश का शासन रहा। इससे पूर्व यह क्षेत्र मीणो के अधीन था। 967 ई. में आमेर नगर के अस्तित्व का उल्लेख मिलता हैं। 1037 ई. में कच्छवाह राजपूतों ने इस पर कब्जा किया तथा 1727 ई. में जयपुर नगर की स्थापना व इस के निर्माण तक आमेर इस क्षेत्र की राजधानी रहा। यहां के शासको ने अनेक भवन, मन्दिर आदि बनवाये। आमेर के इतिहास प्रसिद्ध राजाओं में पंजवन राय (1161-1191 ई.) भी थे जो अंतिम हिन्दू सम्राट पृथ्वीराज चौहान के मुख्य सेनापति थे। जब पृथ्वीराज संयोगिता का अपहरण कर लाये तब संयोगिता के पिता कन्नौज के राजा जयचन्द की सेना को रोकते हुए वह वीर गति को प्राप्त हो गये थे। कविवर चन्द्रबरदाई के शब्दों में तब सम्राट पृथ्वीराज ने अपना शोक प्रकट करते हुए कहा था–

''आज रांड ढिल्लड़ी, आज ढूंढाड़ अनाथइ।
आज अदिन पृथीराज, आज सांवत बिन माथइ॥
आज पर दल दल जोर, आज निज दल भ्रम भग्गे।
आज मही बिन कसम, आज मुरजाद उलंघे॥
हिन्दवाण आज टूटी ढिली, अब तुरकाणी उच्छटिय।
कूरम पंजू मरता थकां, मनहु चाप गुणटुट्टिय॥''

अर्थात्–आज दिल्ली रांड (विधवा) हो गई है और ढूंढाड (आमेर) अनाथ हो गया है। आज का दिन सम्राट पृथ्वीराज के लिए शुभ नहीं है क्योंकि सामंतो का सिरमौर (पंजवनराय) नहीं रहा।

आज विपक्षी सेना प्रबल हो गई है तथा हमारी सेना भ्रमित है। आज राजा पंजवनराय के न होने से, व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गई है। आज हिन्दुओं का प्रभुत्व उतार पर है तथा तुर्क शक्ति प्रबल हो रही है। कच्छवाह राजा पंजवनराय के निधन से तो जैसे मेरे (पृथ्वीराज) धनुष की डोरी (प्रत्यंचा) ही टूट गई है।

कलान्तर में राजा भगवंतदास (1574-1590 ई.) मिर्जा राजा जयसिंह (1621-1647 ई.) रामसिंह प्रथम (1667-1689 ई.) और राजा मानसिंह प्रथम (1589-1614 ई.) तथा महाराजा सवाई जय सिंह ने करीब 125 वर्ष की अवधि में आमेर के किले में अनेक महल व भवन बनवाये। किले में प्रवेश से पूर्व मावठा तालाब और हरा भरा दिलाराम का बाग आगन्तुकों का स्वागत करते हैं। वर्ष भर ही आमेर का किला ओर महल देखने के लिए पर्यटकों का तांता लगा रहता है। जब देशी-विदेशी पर्यटक हाथी पर बैठकर सिंह पोल होते हुए जलेब चौक पहुंचते है तो अपने आपको किसी महाराजा-महारानी से कम नहीं समझतें। किले के विशाल चौक में है भव्य दीवान ए-आम, कभी यही विराजमान होकर राजा अपनी प्रजा के दु:ख-दर्द की सुनवाई और सामंतो से सलाह मशविरा करते थे। इन सब क्रिया कलापों को रानियां महल के गणेश पोल के ऊपर जालीदार झरोखों में बैठकर देखा करती थी। किले में चार बाग, सुख निवास व जल मन्दिर तथा भोजन शाला की छवि देखते ही बनती है इनके निर्माण में राजपूत व मुगल कला का सुन्दर सामंजस्य दिखाई देता है। यहां के शीश महल में बहुत से शीशे जडे हुए है जिनमें आगन्तुकों के असंख्य चेहरे दिखाई देते है।

इस शीश महल के संबंध में हीं मिर्जाराजा जयसिंह के दरबारी कवि बिहारी ने कहा था–

''प्रतिबिंबित जयशाह द्युति, दीपित दर्पण धाम।
जनु जगजीतन को कियो, कोटि रूप मनु काम॥

अर्थात– इस शीश महल में मिर्जा राजा जयसिंह का प्रतिबिंब इस प्रकार से दिखाई देता है मानों विश्व विजय के लिए कामदेव ने करोडों रूप धारण कर लिये है। आमेर किले में ही राजा मानसिंह प्रथम का साधारण सा भवन है और इसके नीचे की ओर राजा मानसिंह की रानियों के अपार्टमेंट बने हुए है। सन् 1962 में जयपुर आगमन पर अमेरिका की प्रथम महिला जेकलीन केनेडी यह महल देखने आई। राज्य के पुरातत्व विभाग के तत्कालीन डायरेक्टर डा. सत्य प्रकाश ने उनको महल दिखाते हुए बताया कि यह राज मानसिंह की दस रानियो के अपार्टमेंट है। तब श्रीमती कनेडी ने उत्सुकता वश पूछा–'व्हाई द महाराजा हैड सो मेनी महारानीज' अर्थात– महाराजा इतनी महारानियां क्यों रखते थे?

डॉ. सत्य प्रकाश ने थोड़ा सोचा ओर कहा कि उस समय की राजनीतिक परिस्थितियों के कारण राजा कई शादियां करते थे। आमेर के मुख्य किले व महल के पास ही शिला माता का मंदिर है। माता की यह मूर्ति राजा मानसिंह प्रथम जसोर (बांगलादेश) से लाये थे। मुगल साम्राज्य में उस समय वह बंगाल के गवर्नर थे। इसीलिये कहा जाता है–

''सांगानेर को सांगो बाबो, जयपुर को हणमान।
आमेर की शिला देवी, लायो राजा मान॥''

आमेर के अन्य दर्शनीय स्थलों में जगत शिरोमणि मन्दिर, नरसिंह जी का मन्दिर और पन्ना बावडी आदि मुख्य है। आमेर की मिठाई गुंजी और मोटी नमकीन सेव भी प्रसिद्ध हैं।

– देवीसिंह नरूका,
(वरिष्ठ लेखक व साहित्यकार)

रेलवे आवास निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग, अधिकारी खानापूर्ति में जुटे

- डीडवाना स्टेशन पर रेल विद्युतीकरण कार्मिकों के लिए बनाए जा रहे हैं आवास
- शिकायत के बावजूद रेलवे अधिकारी कर रहे मात्र खानापूर्ति

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना में रेलवे विद्युतीकरण योजना के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए आवास निर्माण में अनियमितता और घटिया निर्माण सामग्री की शिकायतों के बावजूद रेलवे के अधिकारी मौन है। दिखावटी तौर पर रेलवे अधिकारी और टाटा-इस्कॉन के अधिकारी यहां जांच पड़ताल करने पहुंचे, मगर जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति करने में जुटे हैं, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार डीडवाना से होकर गुजरने वाले जोधपुर-दिल्ली रेलमार्ग के डेगाना-डीडवाना-रतनगढ़ खंड का विद्युतीकरण किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत डीडवाना में विद्युतीकरण योजना के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण कार्य चल रहा है। जानकारी के अनुसार विद्युतीकरण कार्य का टेंडर टाटा इस्कॉन को मिला है और वहां से अन्य ठेकेदारों को सबलेट कर दिया गया है।

डीडवाना में रेलवे विद्युतीकरण योजना के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए आवास निर्माण कराया जा रहा है।

जिसके कारण ठेकेदार निर्माण कार्य की शर्तों का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं और निर्माण में गुणवत्ता से समझौता कर रहे हैं। इस अनियमितता की डीडवाना के जागरूक लोगों द्वारा रेलवे अधिकारियों को जानकारी दी गई, जिस पर जोधपुर मंडल से अधिकारी पहुंचे, जो केवल खानापूर्ति में लगे हैं। इन अधिकारियों ने निर्माण सामठी की जांच करना तो दूर, उल्टे इस मामले को रफा दफा कर खानापूर्ति करने में जुटे हैं। वहीं टाटा के अधिकारी भी शिकायत के बावजूद मौन धारण कर बैठे हैं।

कार्रवाई नहीं होने से जारी है अनियमितता : निर्माणाधीन रेलवे क्वार्टरो के कमरों के फाउंडेशन में कम मिट्टी भरी जा रही है, वहीं चिनाई में भी नदी की बजरी की बजाय क्रेशर की बजरी काम में ली जा रही है, जिसमे बजरी के दानों की बजाय मिट्टी और धूल की मात्रा अधिक है। इसके अलावा भवन के पिलर की मोटाई भी नियमानुसार नहीं है, जिसे गत दिवस वापस तोड़ा गया था। इसके अलावा भवनों में घटिया क्वालिटी की सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है। हालत यह है कि भवन फाउंडेशन के लिए बनाए जा रहे बीम अभी से ही टूटने लगे हैं।

अजमेर शहर की कई कॉलोनियों में बारिश का पानी भरा होने से आक्रोश

- बिपरजॉय तूफान अजमेर में दस्तक देकर भले ही चला गया हो, लेकिन आज भी जख्म हरे हैं
- वार्ड 54 के लोगों ने लगाया सड़क पर जाम, पुलिस ने खदेड़ दिया
- प्रशासन इस बार भी बारिश से हुये प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर आश्वासन देने के सिवा कुछ नहीं कर रहा

अजमेर, (कासं)। राजस्थान में बिपरजॉय तूफान भले ही यहां दस्तक देकर चला गया हो, लेकिन आज भी तूफान अपने जख्मों की छाप कई शहर व कस्बों में छोड गया, इन जख्मों से आहत हुये अजमेर शहर के वार्ड नम्बर 54 के वाशिंदें व सहित शहर की कई कॉलोनियों व गलियों में आज भी बरसाती पानी भरा हुआ है। क्षेत्रवासी अपने घरों में बैठे है और प्रशासन अपनी आंखें बंद कर बैठा हुआ है। प्रशासन हमेशा की तरह इस बार भी केवल बारिश से हुये प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर आश्वासन देने के सिवा कुछ नहीं कर रहा है, जिससे गुस्साये क्षेत्रवासियों ने शुक्रवार को श्रीनगर रोड, एसबीआई बैंक के बाहर सड़क पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन करते हुये जिला प्रशासन का ध्यान वार्ड की समस्याओं के प्रति आकर्षित करवा पाते इससे पहले ही जाम लगा रहे क्षेत्रवासियों को पुलिस ने वहां से खदेड दिया। प्रशासन द्वारा एक पंप ओर भिजवाने के बाद ही क्षेत्रवासी शांत हुये।

आक्रोशित लोगों ने वार्ड की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया।

स्थानीय पार्षद सुनिल धानका का कहना है कि मेरे वार्ड में बारिश के दिनों में भरने वाले पानी की निकासी के लिये नाला बनवाना ही मेरी पहली प्राथमिकता है। वहीं दूसरी ओर सुनिल धानका ने यह भी आरोप लगाया कि जिला प्रशासन के अधिकारी जब इस वार्ड का दौरे करके गये, उस समय तो बड़े बडे वादे कर गये, लेकिन बारिश को रूके हुये करीब एक सप्ताह बीत जाने बावजूद एक भी वादा पूरा नही किया और न ही दोबारा इस क्षेत्र की ओर आकर देखा कि यहां की जनता के क्या हाल हैं, जिला प्रशासन की लापरवाही के चलते आज मजबूर होकर क्षेत्रवासियो को सड़क पर उतरना पड़ा। वैसे भी इस वार्ड का दुर्भाग्य है कि यह वार्ड भले ही नगर निगम में आता है, लेकिन इसका विधानसभा क्षेत्र पुष्कर है और विधायक भी भाजपा से और नगर निगम में भी भाजपा का बोर्ड से महापौर बने हुये है। वार्ड 54 का पार्षद कांग्रेस पार्टी से होने के कारण इसके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। कांग्रेस की प्रदेश में सरकार होते हुये भी आज कांग्रेसी पार्षद को अपने क्षेत्र की जनता के साथ प्रदर्शन करना पडा। निगम की होने वाली साधारण सभा में भी क्षेत्रीय पार्षद को नहीं बुलाया जाता है, जिसके कारण यह वार्ड विकास कार्यो में पिछड़ रहा है। हमेशा की तरह यहां के क्षेत्रवासी प्रशासन द्वारा किये गये वादों पर ही भरोसा करके एक साल निकाल देता ओर फिर वापस बारिश का मौसम आ जाता है और फिर वहीं समस्या इनके सामने खड़ी हो जाती है जिसके चलते लोगों के घरों में आज भी पानी भरा हुआ है उनके लिये कोई व्यवस्था प्रशासन नहीं कर रहा है, जिसके कारण लोग अपने बच्चों को लेकर इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं।

रेलवे ने विशेष अभियान में 1359 बिना टिकट यात्री पकड़े

- सात लाख रुपए का राजस्व वसूल किया
- उत्तर-पश्चिम रेलवे जोन पर एक साथ चला टिकट जांच अभियान

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे पर गुरुवार को चलाए गए मेघा टिकट जांच अभियान के अंतर्गत जोधपुर मंडल में टिकट चेकिंग स्टाफ ने 24 घंटों में बिना टिकट और अनियमित यात्रा के 1359 मामले पकड़ कर लगभग 7 लाख रुपए का उल्लेखनीय राजस्व वसूल किया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास खेड़ा ने बताया कि उत्तर-पश्चिम रेलवे जोन के सभी चार मंडलों में गुरुवार को टिकट चेकिंग का एक दिन का विशेष अभियान चलाया गया जिसमें जोधपुर मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ ने उत्साहपूर्वक उल्लेखनीय कार्य किया। उन्होंने बताया कि डीआरएम पंकज कुमार सिंह के नेतृत्व में संचालित विशेष टिकट जांच अभियान के तहत जोधपुर मंडल के सभी रेल खंडों पर सघन व पूर्ण क्षमता से टिकट चेकिंग की गई जिसमें 1186 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए जिनसे 3 लाख 32 हजार 990 रुपए किराया व 2 लाख 97 हजार 760 रुपए जुर्माना वसूल किया गया। इसी प्रकार पकड़े गए अनियमित यात्रा के 94 मामलों में 22 हजार 710 रुपए किराया व 24 हजार 630 रुपए जुर्माना राशि वसूल की गई।

अभियान के दौरान 24 घंटों में ट्रेनों व प्लेटफॉर्म पर गंदगी फैलाते पकड़े गए 76 यात्रियों से 8 हजार 600 रुपए तथा धूम्रपान करने वाले 3 यात्रियों से छह सौ रुपए वसूल किए गए।

राशिफल शनिवार 24 जून, 2023

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, मघा नक्षत्र प्रात: 7:18 तक, सिद्धि योग रविवार प्रात: 5:26 तक, कौलव करण प्रात: 9:06 तक, चन्द्रमा सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग प्रात: 7:18 से है। बुध मिथुन राशि में दिन 12:41 से प्रवेश करेगा। आज कुमार षष्ठि व्रत, कसुम्बा षष्ठी, कर्दम षष्ठि है और श्री महावीर स्वामी मर्म कल्याणक है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:21 से 9:04 तक, चर 12:29 से 2:12 तक, लाभ-अमृत 2:12 से 5:37 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:20

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

वृष
परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से व्यावसायिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मन प्रसन्न होगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। धन हानि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला
व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आय के नवीन स्त्रोत सामने आ सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में अनावश्यक धार्मिक आयोजन हो सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा। मानसिक तनाव बना रहेगा।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 322 प्रभात जयपुर, शनिवार 24 जून , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

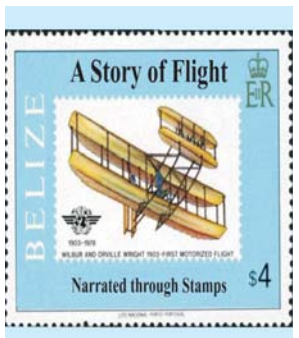

Charles Lindbergh 1902-1974

Charles Lindbergh was an American aviator who is famous for making the first non-stop flight from New York City to Paris in his airplane the Spirit of St. Louis in 1927.

Transatlantic Flight, Kidnapping and Death | Lindbergh's infant child was kidnapped and murdered

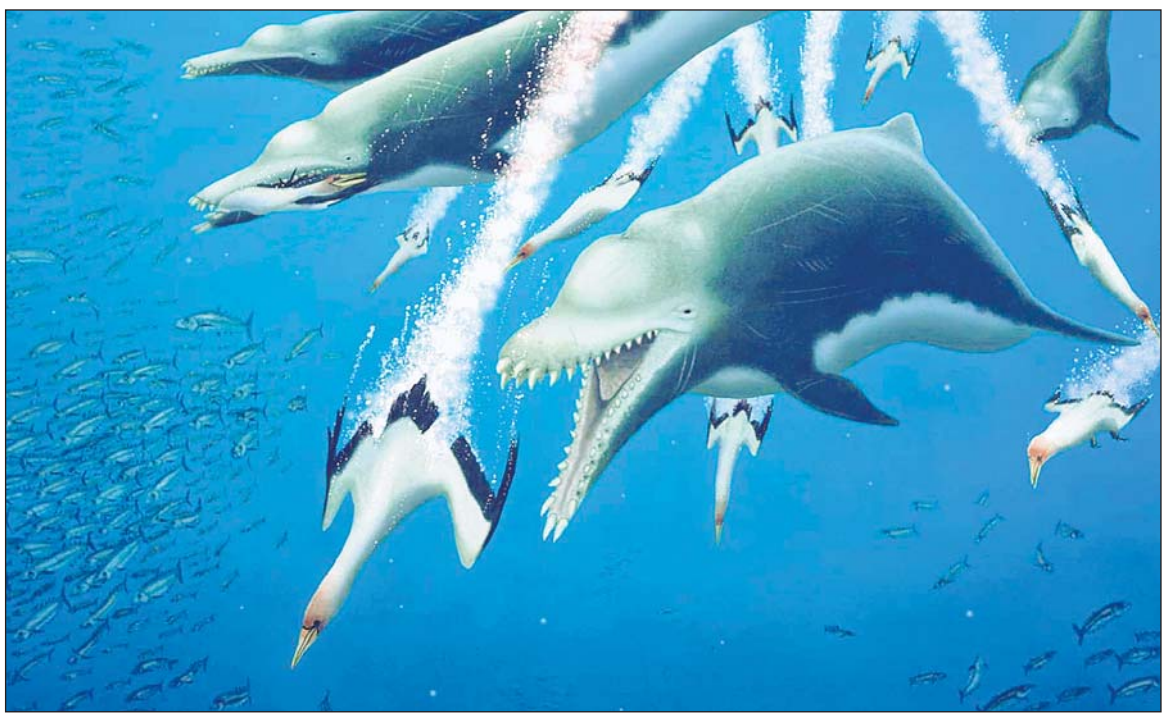

वैज्ञानिकों ने प्रागैतिहासिक काल की ऐसी डॉलफिन प्रजाति खोजी है जिसके ''टस्क'' (हाथी जैसे नुकीले दांत) हुआ करते थे, जो आज तक जीवित सटेशन्स (व्हेल, डॉल्फिन या पॉरपिस) में नहीं देखे गए हैं। आधुनिक डॉलफिन, जिनके मुँह के अंदर सीधे खड़े छोटे और तिकोने दांत होते हैं, के विपरीत इनकी खोपड़ी में कई लम्बे दांत होते थे जो उनके थूथन से बाहर निकले होते थे। अजीब से दिखने वाले ये जीव ढाई करोड़ साल पहले न्यूज़ीलैण्ड तट के पास पानी में रहते थे। युनिवर्सिटी ऑफ ओटागो (न्यूज़ीलैंड) की मरीन बायॉलजिस्ट, एम्बर कोस्टे ने कहा, ''मैं समझ नहीं पा रही थी कि ऐसे दांतों की क्या आवश्यकता हो सकती है।'' लेकिन अन्ततोगत्वा टीम एक सोच पर पहुंची कि, ''हो सकता है डॉल्फिन ने इन दांतों का प्रयोग करने के लिए भोजन करने के एक नए तरीके का अभ्यास किया, जिसका समुद्री स्तनपायी जीवों के संबंध में पूर्व में कोई उल्लेख नहीं मिलता है। हमारा सुझाव है कि, ये तेजी से अपना सिर हिलाकर शिकार को जख्मी कर देती होंगी जिससे उसे खाना आसान हो जाए।'' यह खोपड़ी 1998 में सदर्न न्यूज़ीलैंड की अवामोको घाटी में मिली थी और कई वर्षों तक युनिवर्सिटी ऑफ ओटागो जिओलॉजी म्यूज़ियम संग्रह में रखी रही। फिर वैज्ञानिकों ने इस पर रिसर्च की, जो प्रोसिडिंग्स ऑफ रॉयल सोसायटी बी में प्रकाशित हुई है। वैज्ञानिकों ने इस डॉलफिन को ''नीहोहाए माटाकॉय'' नाम दिया। माओरी भाषा के शब्द नीहो और हाए का अर्थ है, क्रमशः दांत और काटना। वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि, नीहोहाए के दांत वास्तव में टस्क नहीं हैं, क्योंकि असली टस्क निरंतर बढ़ने वाले आगे के दांत होते हैं जिनकी कोई जड़ नहीं होती। पर नीहोहाए के दांतों की जड़ें भी हैं और ये बढ़ते नहीं रहते हैं। इस समय टस्क वाले एकमात्र जीवित सटेशन्स नारवाल ही हैं। उनका जो सींग है वह लगातार बढ़ने वाला दांत है। छः फीट लम्बी नीहोहाए की गर्दन मौजूदा डॉलफिन की तुलना में लम्बी है तथा आगे वाले फिन्स पैंडल जैसे।

गुरूवार देर रात को गहलोत ने वेणु गोपाल से जाकर मुलाकात की!

क्या राजस्थान कांग्रेस की गुत्थी, पायलट-गहलोत संघर्ष, के शीघ्र सुलझने की संभावना बनी?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। राजस्थान कांग्रेस संकट तेजी से समाधान की दिशा में आगे बढ़ रहा लगता है। ए.आई.सी.सी. के संगठन महासचिव प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल ने जयपुर के एक फाइव स्टार होटल में राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की।

सूत्रों का कहना है कि वेणुगोपाल ने दो टूक बात की और उन्होंने गहलोत को राहुल गांधी की राय साफ-साफ समझा दी है। सूत्रों का कहना है कि उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में राहुल गांधी राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को दिल्ली बुलाएंगे और उन्हें लाइन पर आने और सचिन पायलट की तीन मांगों पर कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहेंगे। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि गहलोत मुख्यमंत्री बने रहना चाहते हैं और इसके लिए वे पायलट द्वारा की गई किसी भी मांग पर सहमति नहीं देंगे। वे ऐसा कर ही नहीं सकते हैं।

- राहुल गांधी राजस्थान के विधानसभा चुनाव में जीत किसी भी कीमत पर चाहते हैं। इसी संदर्भ में वेणु गोपाल की गुरूवार को पायलट व गहलोत से मुलाकात को शुभ माना जा रहा है।
- प्राप्त जानकारी के अनुसार वेणु गोपाल ने गहलोत से बातचीत में काफी कड़ा रूख रखा तथा यह माना जा रहा है कि, एक-दो दिन में ही राहुल गांधी, गहलोत को दिल्ली बुलायेंगे तथा हाई कमान की सोच के अनुरूप कार्य करने की हिदायत देंगे।
- गहलोत चाहते हैं कि वो मु.मंत्री बने रहें, पर उन्हें पायलट की तीनों शर्तों को मानना न पड़े। पर, अब यह संभव नहीं लगता।
- राहुल के विदेश से लौटने के बाद से, राजस्थान से संबंधित घटनाक्रम काफी जोरों से आगे बढ़ने लगा है।
- हाई कमान पायलट को ''एडजस्ट'' करने में ज्यादा गंभीर इसलिये भी हुआ है कि, मध्य प्रदेश, हरियाणा आदि, उत्तर भारत के अन्य क्षेत्रों में पायलट की काफी जरूरत रहेगी, चुनाव प्रचार के लिये।

महत्वपूर्ण बात है कि राहुल गांधी अब चाहते हैं कि कोई कसर न छोड़ी जाए, वे चाहते हैं कि राजस्थान में कांग्रेस पार्टी जीते और अगर राजस्थान कांग्रेस के ये दोनों बड़े नेता लड़ते रहे तो यह कदापि नहीं हो सकता। अब राहुल भारत लौट आए है तो राजस्थान के मामले पर शीघ्र कार्यवाही होने की उम्मीद है।

नेताओं का यह कहना है कि हालात किसी हद तक बदल सकते हैं। मध्य प्रदेश, हरियाणा व अन्य उत्तर भारतीय राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस को पायलट की जरूरत है और इसलिए राजस्थान में शांति स्थापना के लिए पार्टी अतिरिक्त प्रयास कर सकती है।

'टाईटैनिक की खोज में गयी ''सबमरीन'' 13000 फीट पानी के दबाव से नष्ट हुई'

विशेषज्ञों का कहना है, यह एक कार के टायर के ''प्रेशर'' से दो सौ गुना ज्यादा होता है

-अंजन राय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। अब इस बात की पुष्टि हो गई है कि समुद्र की 13,000 फीट गहराई में टाइटैनिक के मलबे को देखने गई पनडुब्बी पूरी तरह नष्ट हो गई है और उसमें सवार सभी 5 लोग भी खत्म हो गए है, उनका कोई अवशेष तक नहीं मिला है।

अभी तक यही पता चला है कि यह कैप्स्यूल पनडुब्बी पानी का दबाव नहीं सह पाई और इसमें विस्फोट हो गया। समुद्र की इतनी गहराई में प्रैशर सतह ही तुलना में 200 गुना अधिक होता है।

विशेषज्ञों ने कहा कि पनडुब्बी पलक झपकने से पहले ही नष्ट हो गई। यह ऐसा विस्फोट था कि पनडुब्बी में सवार लोग यह जान भी नहीं पाए कि क्या हुआ और उनकी मौत हो गई।

इस विनाश की घोषणा यू.एस. कोस्टगार्ड ने की और जो लोग इस बारे में जानते है वे अब अपनी राय दे रहे हैं। टाइटैनिक फिल्म के निर्माता जेम्स कैमरून ने साफ कहा कि इस यान के ढाँचे के लिए जो सामग्री इस्तेमाल की गई व इसके लिए उपयुक्त नहीं थी। इसमें मिली जुली सामग्री कार्बन फाइबर्स और कई अन्य पदार्थ प्रयुक्त किए गए थे।

यह सामग्री स्पेस क्राफ्ट निर्माण में प्रयुक्त होती है और उसमें फायदेमंद होती है, पर महासागर की गहराई में भारी दबाव में सामग्री अपनी जगह छोड़ने लगी। हो सकता है कि यह वाहन शुरुआती टैस्टिंग डाइव्स में दबाव सह गया हो पर तब भी यह अंदर से नष्ट होने लगा था।

उन्होंने बताया कि दबाव की वजह से मिश्रित सामग्री बिखरने लगी क्योंकि दो पदार्थ एक दूसरे के एकदम पास थे। यह स्थिति आंतरिक दबाव में तो कारगर हो सकती है, पर बाहरी दबाव में नहीं। यह स्थिति शुरु में डिटैक्ट नहीं हुई होगी, पर बार-बार इस्तेमाल करने से यह अंदर ही अंदर यह कमजोर हो गया था।

विस्फोट में वाहन का पुर्जा-पुर्जा बिखर गया और इसके अवशेष टाइटैनिक से 1600 फीट दूर समुद्र की तलहटी में मिले हैं। वाहन का एक पार्ट जो कि दबाव ढाँचे का हिस्सा नहीं था सबमर्सिबल के अन्य भागों से कुछ दूर मिला है।

इस तरह की दुर्घटना नई नहीं हैं। बीस साल पहले वैज्ञानिक और ए.बी.सी. न्यूज़ के साईन्स संवाददाता डॉ. माइकल गुलियन एक पनडुब्बी में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि, जो ''कम्पोज़िट मटीरियल'' सबमरीन को बनाने में काम में लिया गया था, वह उपयुक्त नहीं था। दो ''मटीरियल'' एक दूसरे पर भारी दबाव से थोप कर ''कम्पोज़िट मटीरियल'' तैयार किया जाता है, पर, लगातार भारी दबाव पड़ने से ये दोनों ''मटीरियल'' अलग हो जाते हैं और बिना किसी संकेत के ''सबमरीन'' नष्ट हो जाती है।
- ''सबमरीन'' इस प्रक्रिया से एक मिलि सैकिण्ड से कम समय में, पलक झपकने से कम समय में, अचानक नष्ट हो जाती है।

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

आदिपुरूष फिल्म के खिलाफ जनहित याचिका दायर

जयपुर, 23 जून (का.सं.)। आदिपुरुष फिल्म के संवादों और दृश्यों को लेकर चल रहा विवाद राजस्थान हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। राजस्थान हाईकोर्ट में शुक्रवार को फिल्म के खिलाफ जनहित याचिका पेश की गई है। याचिकाकर्ता बालमुकुंदाचार्य की ओर से पेश इस जनहित याचिका पर हाईकोर्ट की खंडपीठ आगामी दिनों में सुनवाई करेगी।

जनहित याचिका में अधिवक्ता अमितोश पारीक ने कहा है कि प्रभास, कृति सेनन और सैफ अली खान अभिनीत इस फिल्म में कई विवादित संवाद हैं, जिससे हिंदुओं की धार्मिक आस्था को आघात पहुंचा है। फिल्म में कई दृश्य ऐसे भी हैं, जिनका रामायण से कोई वास्ता ही नहीं है। याचिका में कहा गया कि संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी को भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राजस्थान हाई कोर्ट में दायर अपनी जनहित याचिका में बालमुकुंदाचार्य ने हिन्दुओं की धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया है।

काफी रोचक है विपक्ष व भाजपा के बीच चला ''पोस्टर वॉर''

इस युद्ध से यह तो स्पष्ट हुआ कि, हालांकि, भाजपा ऊपर से दिखा रही है कि विपक्ष का सम्मेलन एक मजाक है, पर वास्तव में वो काफी विचलित सी है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। पटना में हुई 17 विपक्षी दलों की मीटिंग सफल रही या फ्लॉप? इस प्रश्न का जवाब विपक्षी दलों और भाजपा के बीच हुये पोस्टर-युद्ध से मिल सकता है। विपक्षी नेताओं की इस विशाल मीटिंग की घोषणा कर रहे होर्डिंग, पोस्टर, बैनर्स तथा बन्टिग्स हर तरफ दिखाई दे रहे थे तथा इनके साथ ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी के स्वागत में उनके बड़े-बड़े कट-आउट भी लगाये गये थे। जहाँ तक भाजपा का संबंध है, उसने भी ''अवसरवादी विपक्षी नेताओं'' की मीटिंग की निन्दा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। भाजपा ने इन नेताओं को ''लोकतंत्र के हत्यारे'' तथा ''हिन्दुस्तान के ठग'' की संज्ञाएं दी थीं। भाजपा के पोस्टरों में इस मीटिंग को ''गले तक भ्रष्टाचार में डूबी परिवारवादी पार्टियों'' का जमघट बताया। भगवा दल द्वारा लगाये गये एक पोस्टर में आर.एल.डी. प्रमुख लालू प्रसाद के बारे में नीतीश कुमार के पुराने आलोचनापूर्ण बयान बड़े-बड़े अक्षरों में दिखाये गये थे। महत्वपूर्ण बिन्दु यह है: भाजपा भले ही पटना की इस मीटिंग को एक मामूली घटना बता रही है, लेकिन वह इस मीटिंग से परेशान एवं हतोत्साहित नज़र आ रही है तथा जवाबी रणनीतियों पर काम कर रही है। अभी हाल ही में, भाजपा एन.डी.ए. में नये प्राण फूँकने के मिशन में जुट गई है तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- एक जवाबी रणनीति के तहत भाजपा ने नीतीश की, लालू यादव के बारे में की गयी टिप्पणियाँ व लालू द्वारा नीतीश का मजाक बनाते हुए कसे व्यंग्य बाणों को प्रमुखता से होर्डिंग के मार्फत दर्शाया है।
- एक होर्डिंग में एक घोड़े की पीठ पर एक कुर्सी रखी दिखायी गयी है तथा घोड़ा कह रहा है, बारात तो तैयार है, दूल्हा कहाँ है?
- एक हर्डिंग में राहुल गांधी को देवदास के रूप में दिखाया गया है, जिसने बंगाल ममता के लिये, यू.पी. अखिलेश के लिये, बिहार नीतीश व लालू के लिये, तमिलनाडू स्टालिन के लिये छोड़ दिया और ये सब मिलकर कह रहे हैं, राहुल राजनीति छोड़ दें।

9 साल में पहली बार पत्रकारों के सामने आए प्र.मंत्री मोदी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। गुरुवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वाइट हाउस पर 21 बंदूकों की सलामी के साथ स्वागत किया गया। वॉशिंगटन में एक न्यूज़ कॉन्फ्रैंस में उन्होंने प्रश्नों के जवाब दिए, जो कि, संभवत: नौ वर्षों के उनके प्रधानमंत्री काल में पहली बार हुआ है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति बाइडन के बगल में खड़े मोदी ने, मतभेद जताने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई तथा अल्पसंख्यकों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ संयुक्त प्रैस कॉन्फ्रैंस में प्रधानमंत्री मोदी ने अल्पसंख्यकों पर हमले के सवालों को नज़रअंदाज़ कर दिया।

17 गैर एन.डी.ए. पार्टियों ने लोकसभा चुनाव ''एक रह कर'' लड़ने का निर्णय लिया पटना में

चार घंटे की बैठक के बाद आयोजित प्रैस कॉन्फ्रैंस में डी.एम.के.के स्टालिन व आप के केजरीवाल उपस्थित नहीं थे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। एक ऐतिहासिक महत्व के घटनाक्रम, जिससे देश के राजनैतिक इतिहास का निर्णायक रूप से प्रभावित होना संभावित हो सकता है, के अंतर्गत, आज 17 गैर एन.डी.ए. पार्टियाँ मिलकर चुनाव लड़ने के लिये सहमत हो गई, लेकिन विभिन्न बिन्दुओं को विस्तृत एवं अंतिम रूप देने के लिये अगले महीने हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में एक और मीटिंग होगी।

पटना में यह जोरदार और स्पष्ट संदेश गया है कि विपक्ष भाजपा के खिलाफ मिलकर लड़ेगा।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो 17 विपक्षी दलों की इस बड़ी और महत्वपूर्ण मीटिंग के मेजबान थे, ने चार घंटे चली इस मीटिंग के शीघ्र बाद ही कहा कि हमने भाजपा से लड़ने के लिये संगठित होने का निर्णय ले लिया है।

आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविन्द केजरीवाल एवं तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन इस संयुक्त प्रैस कॉन्फ्रैंस में उपस्थित नहीं थे। इस संबंध में, बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इसलिये चले गये क्योंकि उन्हें वापसी की फ्लाइट पकड़नी थी।

मीटिंग में आप और कांग्रेस के बीच के मतभेदों के बावजूद, यह सब संभव हो गया। मीटिंग में आप ने यह साफ तौर पर कह दिया कि अगर कांग्रेस दिल्ली में केन्द्र के अध्यादेश की निन्दा नहीं करती है, तो उसके लिये किसी विपक्षी गठबंधन का हिस्सा होना ''बहुत मुश्किल'' हो जायेगा।

नीतीश कुमार ने संयुक्त प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा, ''विस्तृत विवरण, जिसमें सीट-शेयरिंग तथा पार्टी वार आवंटन शामिल होगा, को शिमला में अंतिम रूप दिया जायेगा।''

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अगली मीटिंग संभवत: 10 या 12 जुलाई को होगी, जिसमें सभी राज्यों के लिये रणनीति पर विचार-विमर्श होगा।

खड़गे ने कहा, ''हमें 2024 के चुनाव मिलकर लड़ने होंगे। हमने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- नीतीश कुमार ने स्पष्टीकरण दिया, दोनों को ''फ्लाइट'' पकड़नी थी अतः प्रैस कॉन्फ्रैंस में नहीं आ सके।
- अगली बैठक संभवतया 10-11 जुलाई को शिमला में होगी, जहां सीटों के बंटवारे आदि मुद्दों पर विस्तार से विचार विमर्श होगा।
- केजरीवाल की पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि, कांग्रेस का भाजपा से कुछ ''समझौता'' हो गया है, इसीलिये कांग्रेस दिल्ली के प्रशासन पर नियंत्रण करने के लिये, केन्द्र द्वारा लाये जा रहे अध्यादेश पर अपना सोच स्पष्ट नहीं कर रही है।
- खड़गे से प्रत्युत्तर में कहा, अध्यादेश राज्यसभा में रखा जायेगा और उस पर बहस संसद में होगी और अभी तो सत्र की तारीखें भी निश्चित नहीं हुई हैं। अतः संसद के बाहर अपना रूख स्पष्ट करने का कोई तुक नहीं है। संसद की बात संसद में होनी चाहिये, संसद के बाहर बात करने की कोई परम्परा नहीं है।

'मानसून सत्र से पहले होगा अध्यादेश पर फैसला'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। कांग्रेस ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के इस दावे को खारिज कर दिया कि, अगले लोकसभा चुनावों में भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए होने वाली विपक्ष की एकता को वो तोड़ देगी। कांग्रेस अध्यक्ष, मल्लिकार्जुन खड़गे ने, विपक्षी पार्टियों की सभा में शामिल होने के लिए पटना रवाना होने से पहले, कहा कि, ''हम जब एक साथ मिलकर भाजपा सरकार के विरूद्ध लड़ना चाहते हैं..... संसद के मानसून सत्र से पहले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली अध्यादेश पर कांग्रेस से रूख साफ करने की मांग कर रही आम आदमी पार्टी से दो टूक कहा।

सचिन पायलट मुद्दों पर अड़े रहे, तो राजस्थान मामले का पटाक्षेप मुश्किल!

गुरुवार को जयपुर आए केसी वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री गहलोत और प्रभारी रंधावा के साथ 1 घंटे तक चर्चा की

- वेणुगोपाल आए तो मंत्री की बेटी की शादी में थे, लेकिन असली मकसद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ चर्चा करने का ही था
- शुक्रवार को सचिन पायलट भी जयपुर आए और भजनलाल से मिलकर वापस लौट गए

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस को लेकर 29 मई को मलिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और अशोक गहलोत की लंबी बैठक के बाद सचिन पायलट को बुलाकर की गई वार्ता और फोटो सेशन हुआ था। उसके बाद में राजस्थान को लेकर बयान तो आए, लेकिन हुआ कुछ भी नहीं।

अब राहुल गांधी 21 जून को भारत वापसी के अगले दिन पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सचिन पायलट के साथ में दिल्ली में बात की। इसके बाद में वे जयपुर आकर मंत्री भजनलाल की पुत्री के विवाह समारोह में हिस्सा लेने के साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से चर्चा की है। हालांकि चर्चा का कोई भी ब्यौरा कांग्रेस के 29 मई की मीटिंग के बाद संभावित फार्मूले की तरह बाहर नहीं आया है। फिर भी कहा जा रहा है कि जल्दी ही राजस्थान के मामले का पटाक्षेप हो जाएगा। इस चर्चा के बीच सचिन पायलट शुक्रवार को जयपुर आए और मंत्री भजनलाल के घर जाकर वापस लौट गए।

यहां सवाल उठ रहा है कि यह पटाक्षेप किस फार्मूले पर होगा। फार्मूला तो जब सामने आएगा, तब आएगा, लेकिन सचिन पायलट ने जिस तरह से युवाओं के पैरों के छालों की कसम खाई थी और कहा था कि आरपीएससी भंग हो, नया सिस्टम लागू हो। छात्रों को आर्थिक मुआवजा मिले और वसुंधरा राजे सरकार के भ्रष्टाचार की जांच हो। इन तीनों मुद्दों को लेकर अब कोई बात नहीं हो सकती और ना यह मांगे फिलहाल मानी जा सकती हैं। इसका कारण यह है कि चुनाव आचार संहिता लगने में तीन-साढ़े महीने का समय बचा है। इतने कम समय और चुनाव से ठीक पहले ऐसा किया जाना संभव भी नहीं लगता। मुख्यमंत्री के तौर पर अशोक गहलोत इन तीनों मांगों को कई बार खारिज कर चुके हैं। अब यहां सवाल यह उठता है कि जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सचिन पायलट की तीनों मांगों को खारिज कर चुके हैं, तो फिर फार्मूला कैसे बनेगा।

ऐसे में फार्मूला एक ही तरीके से बन सकता है कि सचिन पायलट चुनाव तक अपनी तीनों मांगों को छोड़ें। यह आसान नहीं है, क्योंकि वे तीनों को छोड़ते हैं तो उनके आंदोलन पर सवाल खड़ा होगा। अब यदि मांगे नहीं छोड़ते हैं, तो फिर कांग्रेस में फार्मूला बनना संभव नहीं है। यही कारण है कि फिलहाल कांग्रेस में राजस्थान के मामले को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं है।

पायलट समर्थकों की ओर से बार-बर कहा तो यह भी जा रहा है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी चाहते हैं कि सचिन पायलट को सम्मान मिले, लेकिन क्या यह संभव है कि कांग्रेस में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी चाहे और सचिन पायलट को सम्मान नहीं मिले। इसलिए बहुत सारी उलझने कांग्रेस में अभी बनी हुई हैं और इनसे निकलना बहुत आसान भी नजर नहीं आ रहा है।

हालांकि 29 मई को दिल्ली में राहुल गांधी और मलिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद वेणुगोपाल का बयान आया था कि राजस्थान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस बात पर रजामंदी दे दी थी, कि वो साथ मिलकर राजस्थान में चुनाव लड़ेंगे। लेकिन दोनों नेताओं को एकसाथ लाने के लिए सुलह का क्या फार्मूला कांग्रेस आलाकमान की ओर से दिया गया, यह अब तक सामने नहीं आया है। इसी बीच 11 जून को राजेश पायलट की पुण्यतिथि कार्यक्रम से पहले यह बातें फैलने लगी कि पायलट अपनी पार्टी बना सकते हैं, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। राजस्थान कांग्रेस की समस्या यह भी है कि राजस्थान में अब चुनाव में 5 महीने से भी कम समय बचा है, ऐसे में पायलट को संगठन में अहम भूमिका देकर पहले से चल रही व्यवस्था को चुनाव से ठीक पहले कैसे अस्त-व्यस्त किया जाए। ऐसे में सचिन पायलट अपनी मांगों को छोड़कर भी हैं तो उन्हें कौन से पद पर एडजस्ट किया जाए।

सीडीएस जनरल ने मुख्यालय दक्षिण पश्चिमी कमान का दौरा किया

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सी.डी.एस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को जयपुर स्थित दक्षिण पश्चिमी कमान का दौरा किया। जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल बी.एस. राजू ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की। उन्होंने दक्षिण पश्चिमी कमान से संबंधित ऑपरेशनल पहलुओं पर भी चर्चा की। सीडीएस ने अपने संबोधन के दौरान सभी अधिकारियों को संयुक्त कौशल को मजबूत करने, संसाधन आवंटन को अनुकूलित करने और सशस्त्र बलों में तालमेल तथा सैन्य बलों में परिवर्तन के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए अनुकूल वातावरण को तैयार करने पर जोर दिया।

रेलवे द्वारा जयपुर के उपनगरीय स्टेशन गांधीनगर जयपुर का विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ विकास किया जा रहा है। स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य 212.48 करोड़ रूपये की लागत के साथ स्वीकृत किया गया है एवं वर्तमान में कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। निर्माण कार्य में स्टेशन पर स्थित रेल क्वार्टर्स, वेटिंग हॉल, आरपीएफ थाना आदि को गिरा कर भूमि समतल कर नींव का कार्य किया जा रहा है तथा निर्माण कार्य ग्राउण्ड लेवल तक आ गया है। स्टेशन पर सिगनल और दूरसंचार तथा विद्युत केबलों को अस्थाई तौर पर शिफ्ट किया गया हैं। गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर दो नई बिल्डिंग का निर्माण प्रस्तावित है।

चिरंजीवी योजना में राज्य के बाहर अंग प्रत्यारोपण का लाभ मिलेगा

- इस सम्बन्ध में राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेन्सी ने दिशा निर्देश जारी किये।
- मरीज व एक सहयोगी के लिये एक लाख रू. तक की हवाई यात्रा के पुनर्भरण का भी प्रावधान।

जयपुर। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के लाभार्थी परिवार राज्य के बाहर भी अंग प्रत्यारोपण की सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही मरीज एवं उसके साथ जाने वाले एक सहयोगी को राज्य के बाहर उपचार के लिए आने जाने के लिये एक लाख रुपए तक की हवाई यात्रा के व्यय का पुनर्भरण भी सरकार द्वारा किया जायेगा। इस सम्बन्ध में राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेन्सी ने दिशा निर्देश जारी किये है।

स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि इस योजना में लाभार्थी परिवारों को राज्य के बाहर सहित किसी भी अस्पताल में पैकेज की सीमा राशि तक अंग प्रत्यारोपण के 37 पैकेजेज पर व्यय राशि का पुनर्भरण किये जाने का प्रावधान है। यह इस साल 1 अप्रेल से प्रभावी है। इसके अन्तर्गत लीवर, किडनी, फैफडे, हार्ट, बोनमेरो तथा कॉकलियर इंप्लान्ट कवर है। उन्होंने बताया कि सम्बन्धित अंग प्रत्यारोपण के उपचार के लिए नेशनल, स्टेट आर्गन एण्ड टिश्यू ट्रान्सप्लान्ट ऑर्गेनाईजेशन द्वारा अधिकृत व मान्यता प्राप्त अस्पताल में उपचार के बिल ही मान्य होंगे।

गौरतलब है कि पॉलिसी वर्ष 2022-23 में 5 लाख से अधिक व्यय के 273 लाभार्थी एवं पॉलिसी वर्ष 2023-24 में अभी तक 5 लाख अधिक व्यय के 121 लाभार्थियों को कैशलेस उपचार का लाभ दिया गया है।

सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 से मुख्यमंत्री नि:शुल्क निरोगी राजस्थान योजना के तहत प्रदेशवासियों को राजकीय अस्पतालों में सभी प्रकार की ओ.पी.डी. एवं आई.पी.डी सेवायें पूर्णत: नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है। 25 लाख की राशि का प्रावधान एक पॉलिसी वर्ष के लिये किया जाता है। नया पॉलिसी वर्ष प्रारम्भ होने पर वॉलेट राशि पुन: 25 लाख रू. हो जाती है।

विश्व ओलंपिक दिवस पर प्रदेश के खिलाड़ियों को सम्मानित किया

- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने पद्मभूषण और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित, स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया के निवास पर सभी खिलाड़ियों से की मुलाकात

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने आज विश्व ओलंपिक दिवस पर पद्मभूषण और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित, स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया के निवास पर सभी खिलाड़ियों से मिलकर मोदी सरकार की खेलों को प्रोत्साहित करने की विभिन्न योजनाओं पर चर्चा करते हुए उपस्थित सभी खिलाड़ियों का सम्मान किया।

इस मौके पर जोशी ने कहा कि विश्व ओलंपिक दिवस पर मां भारती का गौरव पूरे विश्व में अपनी क्षमता, कार्यकुशलता के दम पर बढ़ाने वाले खिलाड़ियों से मिलना परम सौभाग्य है। इस मौके पर जब सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की प्रतीक मोदी सरकार के 9 वर्ष पूरे हुए हैं, प्रदेश और देश का सम्मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों से मिलना और उनका सम्मान करना आवश्यक है। केंद्र की मोदी सरकार ने खेलो इंडिया के बजट में इस वर्ष 400 करोड़ की वृद्धि कर 1000 करोड़ किया और खेल मंत्रालय को 3389 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। खिलाड़ियों के लिए एक हजार खेलो इंडिया सेंटर बन रहे हैं। स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के लिए 107 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। सभी खेलों को प्रोत्साहित करने की नीति बन रही है। इससे अनेक नए खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है। भविष्य की शिक्षा नीति में स्पोर्ट्स पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ी को इसमें और अधिक आगे बढ़ने का मौका मिल सके। खेलों में लगातार भारत का मान बढ़ रहा है।

खिलाड़ियों में द्रोणाचार्य सम्मान से सम्मानित आरडी सिंह और सागरमल धायल, अर्जुन अवार्ड से सम्मानित संदीप सिंह मान और सुंदर सिंह गुर्जर, राजू लाल चौधरी, सुमित्रा शर्मा, जितेंद्र सिंह, ओम प्रकाश, उमा वर्मा, लवमित कटारिया, मनप्रीत कौर, रेणु, नितिन कृष्णा, पुण्य प्रताप, जीती जगजीत, राजेंद्र विश्नोई, सुमन ढाका, स्वाति ढूढवाल, रिचा गौड़, महावीर सैनी, राम सिंह, हिम्मत सिंह गुर्जर, दीपक भारद्वाज, ओम प्रकाश चौधरी व सर्वेश पारीक उपस्थित रहे।

'धारीवाल पत्थर फेकेंगे तो याद रखें, छींटे उन पर भी आएंगे'

जयपुर के मंत्री-विधायकों के विवाद को लेकर प्रतापसिंह खाचरियावास ने दिया शांति धारीवाल को जवाब

- जयपुर के मंत्री-विधायक तो साथ में बैठते हैं, चर्चा करते हैं, धारीवाल तो कोटा में रामनारायण मीणा, भरत सिंह के साथ तक नहीं बैठते
- धारीवाल ने कोटा में ही विकास कराने की बात सोची, जयपुर के बारे में नहीं सोचा फिर भी जयपुर के मंत्री-विधायकों ने यहां बड़े प्रोजेक्ट के काम करवाएं

जयपुर, (का.प्र.)। एक दिन पहले ही उदयपुर में नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने कहा था कि जयपुर में 33 मंत्री और छह से विधायक हैं और यह आपस में एकमत नहीं होते इसलिए जयपुर में विकास नहीं हो पा रहा। इस बयान के बाद खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने धारीवाल पर पलटवार करते हुए उन पर झूठे बयान देने और जयपुर के विकास को रोकने के आरोप लगाए हैं।

धारीवाल की ओर से दिए गए बयान के बाद में मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि उनकी आदत है झूठे बयान देना, झूठे बयान देकर माहौल बनाने की कोशिश करना। जयपुर विकास में बहुत पीछे नहीं है। जयपुर विकास में नंबर वन है। खाचरियावास ने यह भी आरोप लगाया कि धारीवाल ने पूरा दम लगाया कि कोटा में ही विकास करूं, जयपुर में विकास ही नहीं करूं, लेकिन जयपुर के तीन मंत्री और छह विधायकों में दम है, जिसके कारण जयपुर में मेट्रो, टनल, पुलिया, अंडरपास जैसे प्रोजेक्ट आए। इसी के साथ जयपुर में बीसलपुर का पानी लाए। यह किसी एक मंत्री की मेहरबानी से नहीं हुआ, बल्कि यह सरकार में ताकत है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में हर मंत्री और विधायक को बराबर के अधिकार हैं।

खाचरियावास ने कहा कि धारीवाल को पार्टी ने बहुत कुछ दिया है। धारीवाल को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए जो पार्टी या सरकार के विरोध में जाते हैं। प्रताप सिंह बोले कि धारीवाल क्या करते हैं, वे हमेशा पत्थर फेंकते हैं। उनको याद रखना चाहिए कि जब आप पत्थर फेंकोगे तो आप मानकर चलिए छींटे उछलेंगे। आपको बेवजह के बयान से बचना चाहिए। यह सही नहीं है। इतने वरिष्ठ मंत्री को शोभा नहीं देता। वे कैसे कह सकते हैं, जयपुर के छह एमएलए और मंत्री लड़ते रहते हैं। धारीवालजी की खुद के कोटा में विधायक रामनारायण मीणा, भरत सिंह कुंदनपुर से बात ही नहीं होती। वे तो कोटा में खुद लड़ते रहते हैं। हमारे यहां जयपुर में विधायक-मंत्री तो साथ बैठते हैं। साथ में चर्चाएं करते हैं। जयपुर के दो टुकड़े करने की बात पर जिलाध्यक्ष के तौर पर जब मैंने स्टैंड लिया तो सबने साथ दिया। एक भी मंत्री-विधायक ने मेरे स्टैंड का विरोध नहीं किया। जयपुर में कोई टकराव नहीं है। हम सब जयपुर के मंत्री और विधायक एक हैं।

खाचरियावास ने कहा कि जयपुर के मंत्री-विधायकों को लेकर धारीवाल जो सर्टिफिकेट बांटते घूम रहे हैं, उनको अच्छा नहीं लगता। मैं तो कहता हूं वे पूरे राजस्थान के मंत्री हैं। वे यह बता दें जयपुर को स्पेशल मदद कब की। जिस दिन जयपुर की स्पेशल मदद बता देंगे, मैं मान जाऊंगा। उनका बयान पार्टी के हित में आना चाहिए। जब केसी वेणुगोपाल, प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा बैठे हैं, तब उनका यह बयान आना गलत है।

लगातार तीसरी बार अशोक गहलोत सरकार में शांति धारीवाल जयपुर के प्रभारी मंत्री हैं। इस बात पर खाचरियावास ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रभारी मंत्री के नाते धारीवाल ने एक भी मीटिंग नहीं ली। यह तो सच है। मुझे सच बोलने की आदत है, लेकिन जयपुर में काम हुए हैं। धारीवाल को जयपुर के काम का पता ही नहीं है। उनके पास डिपार्टमेंट है, इसका मतलब यह नहीं होता कि वह चाहे जैसे कर लेंगे। हमें काम कराना आता है। राजनीति में आए हैं तो काम करवाना आता है। सामने दीवार कितने खड़ी करते रहो। दीवार तोड़कर के भी जनता के काम करवाएंगे। जनता का काम करवाना हमें आता है। यही कारण है कि जयपुर आज भी राजस्थान की नंबर वन सिटी है। जयपुर का डेवलपमेंट देखते ही बनता है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

एक आर.ए.एस. निलंबित

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार ने आज एक आदेश जारी कर राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आर.ए.एस.) के एक अफसर जयपुर विकास प्राधिकरण की प्राधिकृत अधिकारी अनीता कुमारी खटीक को निलंबित किया गया है।

एक नया करोना संक्रमित मिला

जयपुर। दौसा में शुक्रवार को एक नया करोना संक्रमित मिला है। वहीं एक मरीज के रिकवर होने से फिलहाल राज्य में आठ एक्टिव केस मौजूद है।

राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति की अगवानी की

राज्यपाल कलराज मिश्र ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के सपत्नीक जयपुर पहुंचने पर शुक्रवार को सांगानेर एयरपोर्ट पर उनकी भावभीनी अगवानी की। राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति धनखड़ और उनकी धर्मपत्नी सुदेश धनखड़ का बुके भेंट कर स्वागत किया। शिक्षा मंत्री बी.डी. कल्ला, मुख्य सचिव उषा शर्मा, पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने भी उनका स्वागत किया। वहीं शाम को राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति को जयपुर एयरपोर्ट से विदाई दी।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्री सुखदेव सिंह पंवार व उनकी पत्नी रश्मि कंवर निवासी 7/349, विद्याधर नगर, जयपुर के हैं, मेरे अभिभाष्यगण की पुत्री हर्षिता कंवर उनके कहने में नहीं है तथा अपने हिसाब से जीवन जी रही है तथा मेरे अभिभाष्यगण की पुत्री का चाल चलन कहने में नहीं होने के कारण मेरे अभिभाष्यगण की पुत्री हर्षिता कंवर को चल अचल सम्पति से सम्पूर्ण रूप से बेदखल करते हैं, जिसका भविष्य में चल अचल सम्पति में कोई अधिकार नहीं रहेगा तथा ना ही कोई क्लेम की अधिकारी होगी।
जयपुर (प्रणव कानूनगो) एडवोकेट
दिनांक-22/6/23 मो.-9828590909

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य सुमित शाह पुत्र श्री रतन लाल शाह एवं सुलेमान खाँ पुत्र रज्जाक खाँ निवासी जयपुर ने प्लाट नम्बर 195, 196 एवं 211 आवासीय योजना पार्वती नगर बैनाड रोड जयपुर में तीन प्लाट जिनका कुल क्षेत्रफल 499.12 वर्गगज है को राजेश अग्रवाल पुत्र श्री रामावतार अग्रवाल से क्रय कर रहे हैं। उक्त प्लाटों से संबंधित यदि किसी व्यक्ति, दीगर संस्था को किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति व एतराज है तो उक्त आपत्ति व एतराज आज दिनांक से 15 दिन के अन्तर्गत दर्ज करावें। अन्यथा इसके पश्चात दर्ज की गई आपत्ति व एतराज अविधिक व शून्य माना जायेगा।
योगेश कुमार मीणा, एडवोकेट
रजि.नं.-आर/556/2005, मो.-9928276736

कार्यालय उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, जयपुर (शहर)
कमरा नं. 608, पांचवी मंजिल, मिनी सचिवालय, बनीपार्क, जयपुर
Email: drjpr.coop@gmail.com, Phone No. 0141-2200836
क्रमांक: 2264 -: सार्वजनिक नोटिस:- दिनांक: 22.6.2023
(अन्तर्गत राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम 2001 की धारा-9 (1)
संतोष क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि०, जयपुर (पंजीयन संख्या- COOP/ 2018 / JAIPUR /Cos/100049 दि. 12-10-2018 ने राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम 2001 की धारा-9 के तहत समिति के नाम में परिवर्तन करने हेतु दिनांक 16.10. 2022 को समिति की वार्षिक आमसभा का आयोजन कर समिति का नाम संतोष क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि० जयपुर पता- 2806, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी रोड़, गणेश मंदिर के पास, जयपुर- 302004 के स्थान पर "महाप्रज्ञ क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि०, जयपुर" पता:- 'अंशु' भवन' पीतल फैक्ट्री क्रोसिंग, तांबी पेट्रोल पम्प के सामने, झोटवाड़ा रोड जयपुर-302016 करने का निर्णय लिया जाकर इस कार्यालय को आवेदन किया है। अतः इस नोटिस के जरिये सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यदि इस समिति के नाम व पते में परिवर्तन से किसी को कोई आपत्ति हो तो एक माह के भीतर-भीतर उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, जयपुर (शहर) के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। एक माह के पश्चात किसी प्रकार की आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सहकारी सोसायटियों के रजिस्टर में पूर्ववर्ती नाम के स्थान पर नया नाम प्रविष्ट कर रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र व पंजीकृत उपनियमों को तदनुसार संशोधित कर दिया जायेगा। सूचित रहे।
(देशराज यादव),
उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, जयपुर (शहर)

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 15/23
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम (1) श्री शकुन्तला गुप्ता पत्नी स्व.श्री हरीश नारायण गुप्ता जाति गुप्ता, (2) कपिल गुप्ता पुत्र स्व.श्री हरीश नारायण गुप्ता जाति गुप्ता, निवासी-बी-437-ए, मालवीय नगर, जयपुर, (3) श्री कुमुद गुप्ता पत्नी श्री सुधीर गुप्ता पुत्री स्व.श्री हरीश नारायण गुप्ता, निवासी-प्लाट नं.1, स्कीम नं.-2, मिलिट्री गेट के पास, मगलानसर रोड, अलवर-301001
मृतक स्व.श्री हरीश नारायण गुप्ता पुत्र स्व.श्री प्रभूदयाल गुप्ता की सम्पत्ति के विषय में
पेशी दिनांक- 13/7/23
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व.श्री हरीश नारायण गुप्ता पुत्र स्व.श्री प्रभूदयाल गुप्ता जाति गुप्ता निवासी बी-437-ए, मालवीय नगर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावे।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 13 माह 07 सन् 23 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 3 माह 6 सन् 23 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 10, जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर

खोया पाया

मेरे मकान संख्या 42/3/3 स्वर्ण पथ, मानसरोवर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें। सुमित्रा 9530145128

मेरे प्लाट संख्या 14, सर्वानंद कॉलोनी, नायला रोड, आगरा रोड जयपुर के बाबा आर. एन. गौड गृह निर्माण सहकारी समिति द्वारा जारी मूल आवंटन पत्र, रसीद, साईट प्लान कहीं खो गए हैं मिलने पर सूचित करे मूली देवी पत्नी श्री हरी सिंह

श्री गणेश हाऊसिंग को ऑपरेटिव सोसायटी लि. की योजना गणेश नगर के प्लॉट नं. 53 के सोसायटी के मूल साइट प्लान एवम रसीद खो गए है। सूचित करें- प्रतीक गुप्ता 8058911511

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम श्रवण कुमारी से बदलकर श्रवणीका शेखावत रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी ए-506, अर्मत कलश, कमल एण्ड कम्पनी के पास, टोंक रोड, जयपुर

मैंने अपना नाम योगेंद्र चौधरी से बदलकर योगेंद्र कुमार चौधरी कर लिया है भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए ए-4, जैन विहार, कैंवर का बाग, सांगानेर, जयपुर।

मैं आर्मी न. 15340817A हवलदार धीरज कुमार, 60, अभियन्ता सैन्य दल में सेवारत हूँ। मेरे आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरे पिता का नाम राजवीर सिंह दर्ज है। जो की गलत है। मैं अपने सर्विस रिकार्ड में पिता का सही नाम राजवीर दर्ज कराना चाहता हूँ। जिनकी जन्मतिथी 30/10/1952 है।

मैं आर्मी न. 15342514K लास हवलदार गुरमीत, 60, अभियन्ता सैन्य दल में सेवारत हूँ। मेरे आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरे पिता का नाम दर्शन सिंह व जन्मतिथी 01/05/1956 दर्ज है। जो की गलत है। मैं अपने सर्विस रिकार्ड में पिता का सही नाम दर्शन सिंह चहल व जन्मतिथी 01/02/1955 दर्ज कराना चाहता हूँ।

मैं आर्मी न. 15342514K लास हवलदार गुरमीत, 60, अभियन्ता सैन्य दल में सेवारत हूँ। मेरे आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरे माता का नाम चरणजीत कौर व जन्मतिथी 10/03/1961 दर्ज है। जो की गलत है। मैं अपने सर्विस रिकार्ड में माता का सही नाम चरणजीत कौर चहल व जन्मतिथी 20/04/1958 दर्ज कराना चाहता हूँ।

मैं वीणा कचोलिया पत्नी श्री. राजेन्द्र माहेश्वरी, निवासी प्लॉट नंबरः बी-147 बी, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर एतद्द्वारा घोषणा करती हूं कि आधार कार्ड में मेरा नाम वीणा कचोलिया है, लेकिन पासपोर्ट में वीणा माहेश्वरी अंकित है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति यानी मेरे है। शपथ पत्र दिनांकः 22-06-2023 के अनुसार

मैंने अपना नाम राकेश महला से बदलकर डॉ.राकेश महला पुत्र विद्याधर महला रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी डी-48, 4 डी स्कीम, मुरलीपुरा, जयपुर

I have changed my name from Sunil Kumar Sharma to Sunil Sharma S/o Shyam Sundar Sharma R/o Plot 1, Mangodi Walo Ki Bagichi, Brahmpuri Jaipur for all future purposes

ग्रेटर निगम की बोर्ड मीटिंग में गंदगी, रोड लाइट्स व विकास कार्यों का मुद्दा गूंजेगा

आयुक्त ने 27 जून को प्रस्तावित साधारण सभा के लिए जारी किया एजेण्डा

जयपुर (कासं)। ग्रेटर नगर निगम की साधारण सभा (बोर्ड बैठक) की पांचवीं बैठक 27 जून को होगी। बैठक के लिए विकास कार्यों पर चर्चा के लिए एक एजेंडा जारी किया गया है। बैठक निगम मुख्यालय के स्वामी विवेकानंद सभासद भवन में सुबह 11 बजे से होगी। बैठक में शहर के विकास कार्यों को लेकर महापौर सौम्या गुर्जर व निगम प्रशासन पार्षदों के निशाने पर रहेंगे। आयुक्त महेंद्र सोनी ने बैठक से संबंधित एजेंडा जारी कर दिया है।

सूत्रों की मानें तो महापौर सौम्या गुर्जर की अध्यक्षता में होने वाली बोर्ड बैठक के प्रस्ताव के अनुसार वार्डों के विकास कार्य, सड़कों के लिए बजट राशि में वृद्धि करने से लेकर उद्यानों के विकास कार्य और नई स्ट्रीट लाइट लगवाने

- **गत माह हुई बोर्ड मीटिंग में पार्षदों के हंगामे के कारण नहीं हो सकी थी विकास कार्यों पर चर्चा**

पर चर्चा होगी। इसके अलावा राजस्व बढ़ोतरी पर भी पार्षदों के सुझाव लिए जाएंगे। ऐसे में विकास कार्यों के साथ रेवन्यू वसूली को लेकर मेयर और निगम अफसर बीजेपी पार्षदों के साथ कांग्रेसी पार्षदों निशाने पर रहेंगे। इसके अलावा पार्षद अपने क्षेत्र में सड़क निर्माण, बरसाती नालों की सफाई, ओपन कचरा डिपो जैसे मुद्दों को उठाएंगे, वहीं विपक्ष इन्ही मुद्दों पर मेयर व अफसरों को घेरने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में बैठक हंगामेदार होने के आसार है।

ज्ञात रहे कि 25 मई को हुई साधारण सभा की चौथी बैठक में 18 प्रस्ताव रखे गए। इनमें नगर निगम में किराए पर लिए ट्रेक्टर मय हाईड्रोलिक ट्रोली के अलावा लोडर आपूर्ति कार्य की बकाया राशि के भुगतान के प्रस्ताव पर पार्षदों ने आपत्ति दर्ज करवाई। इसके चलते दो प्रस्तावों को डेफर कर दिया गया। जबकि सामुदायिक केंद्रों को अत्याधुनिक सुविधाओं के अनुरूप विकसित करने, शवदाह गृह व श्मशान घाट में निःशुल्क गोकाष्ठ उपलब्ध कराने, सर्किल, डिवाइडर, तिराहा, चौराहा आदि का विकास एवं संधारण कार्य विकास समितियों से कराने, निगम मुख्यालय कैंपस के गार्डन एरिया में बेसमेंट पार्किंग विकसित करने जैसे प्रस्ताव पारित किए गए। हालांकि विकास कार्यों का आखिरी प्रस्ताव था, जिस पर चर्चा नहीं हो पाई थी। ऐसे में इस पर चर्चा करने के लिए 27 जून को बोर्ड बैठक बुलाने का निर्णय किया गया।

उधर ग्रेटर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी का कहना है कि वार्डों में विकास की बात करेंगे। वैसे विकास कार्य हो नहीं रहे, दूसरे बजट में हर वार्ड में 75-75 लाख रुपए के विकास कार्यों की बात की गई, लेकिन अब जाकर सिर्फ 40-40 लाख रुपए के विकास कार्य हो रहे है, बारिश के बीच सड़क बनाने से पैसों की बर्बादी करना है। बरसाती नालों की सफाई के दावे हवा-हवाई है। ओपन कचरा डिपो से लोग परेशान हो रहे है। ग्रेटर निगम प्रशासन राजस्व वसूली में फिसड्डी साबित हो रहा है।

नाला सफाई में लापरवाही और खामियां देखकर नाराज हुई महापौर मुनेश गुर्जर

परकोटे में कहीं गंदगी से अटा नाला मिला तो कहीं फेरोकवर टूटे मिले

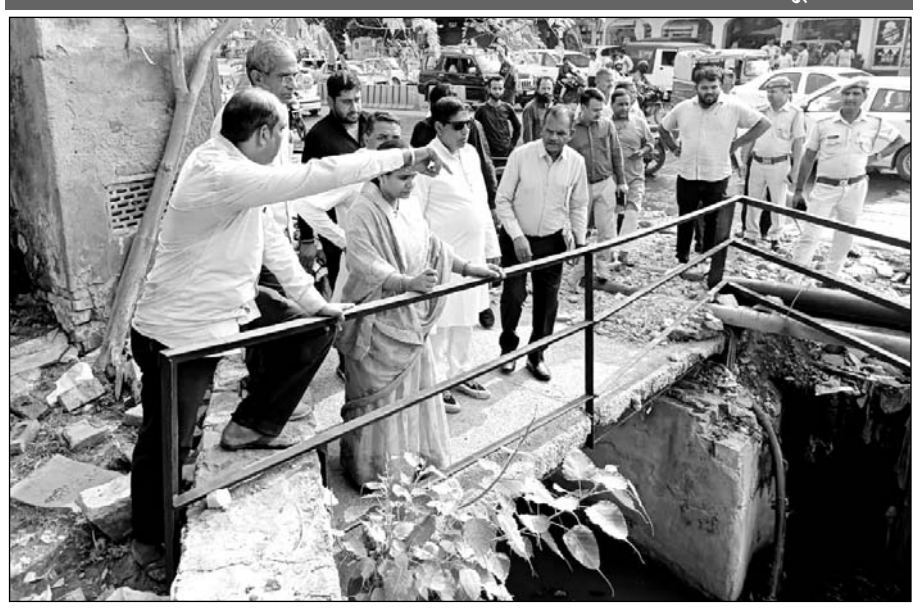

महापौर मनेश गर्जर ने पार्षदों व अधिकारियों के साथ शुक्रवार को परकोटे क्षेत्र में आमेर व हवामहल क्षेत्र में चल रही नाला सफाई का जायजा लिया।

जयपुर (कासं)। हैरिटेज नगर निगम सीमा क्षेत्र में नाला सफाई और मानसून से पहले की तैयारी को देखने महापौर मुनेश गुर्जर शुक्रवार को फील्ड में उतरीं। हवामहल-आमेर जोन में निरीक्षण के दौरान उन्हें कहीं पर नाले गंदगी से अटे हुए मिले तो कहीं फेरो कवर टूटे दिखे।

सिरह ड्योढ़ी स्थित नाले में सब्बल डालकर अतिरिक्त मुख्य अभियंता एस.के.वर्मा से स्थिति पूछी, जिस पर वर्मा ने कहा नाला ब्लॉक है। इस दौरान कई जगह पर फेरो कवर टूटे मिले तो कहीं-कहीं पर नाले पत्थरों से ढके मिले। जिस पर महापौर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि, अगर कोई व्यक्ति इसमें गिर गया तो जिम्मेदार कौन होगा? मानसून आने से पहले तमाम टूटे फेरोकवर बदलो, जहां पर नाले खुले पड़े हैं, वहां नए कवर लगाओ।

महापौर मुनेश गुर्जर ने कहा कि शहर के नाले साफ नहीं हो रहे हैं। अधिकारी कुर्सी पर बैठे हैं, लेकिन कोई राउंड लेने नहीं आता। सफाई व्यवस्था चौपट है। जयपुर का हैरिटेज क्षेत्र साफ-सुथरा दिखना चाहिए, हर जिम्मेदार पर कार्रवाई होगी। उपायुक्त और एक्सईएन पर आयुक्त कार्रवाई करेंगे और आयुक्त की बारी आई तो मैं सरकार को पत्र भेजूंगी। मेयर के साथ निरीक्षण के दौरान पार्षद सलमान मंसूरी, रोहित चांवरिया, सना वसीम, अंजलि ब्रह्मभट और अख्तर भाई मौजूद थे।

ब्रह्मपुरी के जगदीश कॉलोनी में नाले में गंदगी देखकर महापौर ने स्थानीय लोगों से बातचीत की। मेयर ने कहा कि अगर लोग सहयोग करें तो यहां पोकलेन मशीन के द्वारा नाला साफ किया जा सकता है, जिस पर लोगों ने मदद का आश्वासन दिया।

जेलकर्मियों ने कैंडल मार्च निकाल जताया विरोध

वेतन असमानता से नाराज जेलकर्मियों ने शुक्रवार को जयपुर में केन्द्रीय कारागार के मुख्य द्वार से सांगानेरी गेट स्थित हनुमान मंदिर तक कैंडल मार्च निकाला।

जयपुर (कासं)। राजस्थान में जेलकर्मी और पुलिसकर्मियों के बीच वेतन असमानता के कारण जेलकर्मियों में राज्य सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। शुक्रवार शाम को प्रदेश की सभी जेलों पर कैंडल मार्च किया गया। जयपुर में राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में केंद्रीय कारागार जयपुर के मुख्य द्वार से सांगानेरी गेट स्थित हनुमान मंदिर तक कैंडल मार्च निकालकर विरोध जताया गया।

गजेन्द्र सिंह ने कहा कि मैं भी राज्यसरकार का ध्यानाकर्षण करूंगा, क्योंकि जेलकर्मियों ने बीते 3 दिन से मैस बहिष्कार कर रखा है, इसके बावजूद उनके प्रति कोई सकारात्मक रूख नहीं अपनाया जा रहा है। इससे नाराज जेलकर्मी आगे क्या एक्शन लेते है, उसके बारे में फिलहाल कुछ कहा नहीं जा सकता।

उन्होंने बताया कि राजस्थान के पडौसी सभी राज्यों में जेल कर्मियों और पुलिस कर्मियों का वेतन बराबर है। यहां तक कि राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यह वेतन बराबर है, गृह सचिव ने भी विगत दिनों में इस बात की घोषणा की है कि राजस्थान जेल कर्मियों को दिल्ली मॉडल के अनुसार वेतन दिया जाएगा, तो फिर यह राशि क्यों नहीं दी जा रही है। आखिर क्यों एक जेल कर्मचारी के साथ बार-बार छलावा होता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वादे की पालना नहीं होने से राज्य की सभी जेलों के कर्मचारी नाराज है। प्रदेश की तमाम जेलों में जेल कार्मिकों का मैस बहिष्कार व अन्य त्याग कल ड्यूटी का निर्वहन का शुक्रवार को तीसरा दिन रहा। अजमेर, जयपुर सेंट्रल जेल के अतिरिक्त कई जिला व उप कारागृहों पर जेल कार्मिक बीमार पड़े, उन्हें हॉस्पिटल भर्ती कराया गया। कई जेलों पर सद्बुद्धि यज्ञ कराया गया, टोंक जेल सहित अन्य जेलों पर मेडिकल टीम पहुंची व कई जेल कार्मिकों ने अपने संभागीय आयुक्त व कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

रामकृपाल से दिल्ली में ई.डी. की पूछताछ जारी

- **सूत्रों की माने तो मीणा से अब तक की पूछताछ में कई नाम सामने आए हैं। फिलहाल ईडी उसके द्वारा बताए गए नामों के बारे में जानकारी जुटा रही है।**

जयपुर। रीट परीक्षा पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपी राम कृपाल मीणा से अब ईडी दिल्ली में पूछताछ कर रही है। सूत्रों की माने तो मीणा से अब तक की पूछताछ में कई नाम सामने आए हैं। फिलहाल ईडी रामकृपाल मीणा के द्वारा बताए गए नामों के बारे में जानकारी जुटा रही है। मीणा की रिमांड खत्म होने से पहले ईडी कुछ और लोगों की भी गिरफ्तार कर सकती हैं।

पेपर लीक करने वालों के खिलाफ ईडी की जांच शुरू होने के बाद ईडी ने सबसे पहले राम कृपाल को गिरफ्तार किया था। अब उसे दिल्ली ले जाकर पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के अनुसार ईडी की स्पेशल विंग राम कृपाल मीणा के द्वारा बताए गए नामों का भौतिक सत्यापन के साथ तकनीकी सत्यापन कर रही हैं। बताया जा रहा है कि ईडी मीणा की रिमांड अवधी खत्म होने से पहले पेपर लीक मामले में कुछ और लोगों की भी गिरफ्तार कर सकती हैं।

सूत्रों के अनुसार पूछताछ में शिक्षा विभाग, आरपीएससी के कुछ नाम सामने आए हैं। मीणा ने यह भी बताया कि कुछ लोग बाहर हैं, जो इस मामले में सीधे आरोपी थे। उन लोगों की गिरफ्तारी नहीं होने से सभी लोग शांत होकर बैठ गए थे और धीरे-धीरे सेटलमेंट करने में लगे थे।

दरअसल रामकृपाल पर रीट का पेपर जयपुर शिक्षा संकुल से लीक करने का आरोप है। इसमें एसओजी ने मास्टरमाइंड भजनलाल, उदाराम बिश्नोई निवासी जालौर और रामकृपाल मीणा निवासी जगन्नाथपुरी को गिरफ्तार किया था। जांच में पता लगा कि उदाराम को रामकृपाल मीणा ने जयपुर में पेपर दिया था। परीक्षा से पहले रीट पेपर जयपुर में शिक्षा संकुल के स्ट्रॉन्ग रूम में रखा हुआ था। वहां से पेपर को रामकृपाल मीणा ने लीक किया था। रामकृपाल मीणा जयपुर में शिवशक्ति पब्लिक स्कूल चलाता है।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा की मॉकड्रिल

जयपुर। सांगानेर एयरपोर्ट पर गुरुवार रात स्पेशल सिक्योरिटी ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। जिसमें कमांडोज और स्थानीय पुलिस के जवानों ने देर रात से अलसुबह तक एयरपोर्ट पर एयरक्राफ्ट एंटी हाईजैक एक्सरसाइज की। इस दौरान एयरपोर्ट पर एयरक्राफ्ट के हाईजैक होने की स्थिति में उसे आतंकियों से छुड़ाने, एयरपोर्ट के अंदर घुसे से आतंकियों को पकड़ने के साथ ही आम लोगों को सुरक्षित बाहर निकलने की एक्सरसाइज को पूरा किया गया। कमांडो ने बॉम ध्रेड और किसी भी अनहोनी से निपटने के दौरान बरती जाने वाली सावधानी को ध्यान में रखते हुए मॉक ड्रिल को पूरा किया।

नशे की ओवर डोज से युवक की मौत

जयपुर। मोती डूंगरी इलाके में नाले में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। घटना की जानकारी मिलने पर मोती डूंगरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मौत संदिग्ध दिखाई देने पर पुलिस ने मौके पर एफएसएल की टीम को भी बुलाया। एफएसएल की टीम ने शव के पास से कई सबूत एकत्रित किए। शव दो दिन पुराना बताया जा रहा हैं।

मोती डूंगरी थाना पुलिस ने बताया कि मौक पर पहुंची टीम ने शव की शिनाख्त करने के लिए आसपास फोटो जारी किए इस पर मृतक की पहचान विशाल तिवाड़ी के रूप में हुई। विशाल के परिजनों को घटना की जानकारी देकर मौके पर बुलाया गया। परिजनों ने शव की पहचान की जिसके बाद शव को एसएमएस मोर्चरी में रखवाया दिया गया हैं। जहां पर मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। इसके बाद मौत के मुख्य कारणों की जानकारी सामने आएगी। शव के पास से पुलिस को कुछ नशे की पुड़िया मिली वह मृतक के मुंह से खून भी निकल रहा था। इस पर पुलिस ने पूरे मामले को संदिग्ध रखते हुए जांच करना शुरू कर दिया हैं।

सार-समाचार

देवेन्द्र सोलंकी प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत

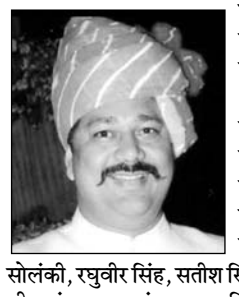

जयपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा सन (1897) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजा मानवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष महाराजा नागेंद्र सिंह पोकरणा ने देवेंद्र सिंह सोलंकी को प्रदेश कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। सोलंकी के प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर मनोनयन पर विजय सिंह सोनगरा, राष्ट्रीय सचिव चतुर सिंह, सोलंकी, रघुवीर सिंह, सतीश सिंह, नरेंद्र सिंह, भरत सिंह, महेंद्र पाल सिंह, सीमा कंवर, रतन कंवर, कान सिंह चौहान, प्रेम कुमार सोलंकी, रविंद्र पाल सिंह चौहान, सुरेंद्र पाल सिंह राघव, वंदना राघव, अंगद सिंह एवं रघुराज सिंह राजावत सहित अन्य समाज के लोगों ने महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। साथ ही नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष सोलंकी को बधाई दी है।

51.56 लाख रु. मुआवजा देने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। जिले के अतिरिक्त जिला न्यायालय ने जयपुर 11 हजार केवी की बिजली लाइन टूटने के हादसे में कांस्टेबल की मौत के मामले में जेवीवीएनएल को दोषी माना है। इसके साथ ही अदालत ने जेवीवीएनएल को निर्देश दिए हैं कि वह मृत कांस्टेबल के आश्रितों को 51 हजार 56 हजार रुपए की राशि ब्याज सहित अदा करे। अदालत ने यह आदेश मृतक की विधवा सीता देवी व अन्य आश्रितों की ओर से पेश दावे पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में माना कि जयनारायण की मृत्यु बिजली के करंट से हुई थी और जेवीवीएनएल की ओर से बिजली के तारों के मेंटेनेंस के संबंध में कोई साक्ष्य पेश नहीं किया है। ऐसे में जेवीवीएनएल के उत्तरदायित्व के निर्वहन में लापरवाही के चलते ही कांस्टेबल की मौत हुई है। इसलिए जेवीवीएनएल अपने उत्तरदायित्व से बच नहीं सकता है। दावे में बताया गया कि कांस्टेबल जयनारायण एक अन्य कांस्टेबल राजवीर के साथ 24 मई, 2017 को विभागीय मामले में जांच के लिए मोटर साइकिल से नैनवा से गुरजनिया गए थे। इस दौरान अचानक आंधी-बरसात आने पर वे रोड के किनारे बनी पक्की दुकान में रुक गए। इसी दौरान वहां से गुजर रही 11 केवी की बिजली की लाइन टूटने से धमाका हुआ और पांस के ट्रांसफार्मर में आग लग गई। इसके चलते वे दोनों और दुकानदार गंभीर रूप से झुलस गए। वहीं बाद में इलाज के दौरान जयनारायण की मौत हो गई। इस पर जयनारायण के आश्रितों ने जेवीवीएनएल के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाते हुए क्षतिपूर्ति दावा पेश किया। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने जेवीवीएनएल पर हर्जाना लगाया है।

फूड, ट्रैवल-वेडिंग का महाकुंभ जयपुर में

जयपुर, (कासं)। पर्यटन उद्योग के राजस्थान रत्नों द्वारा विश्व मंच पर किये गए कार्यों को पहचान और बढ़ावा देने के लिए अपनी तरह की एक अनूठी पहल में शुभ फूड, ट्रैवल एंड वेडिंग टूरिज्म एक्सपो, समिट एंड अवार्ड्स 2023 का आयोजन शुभ वेडिंग्स द्वारा 3 जुलाई को सीतापुरा स्थित होटल क्राउन प्लाजा में होने जा रहा है। यह जानकारी शुभ वेडिंग्स मैगजीन के निदेशक, राजन कायस्थ और आरती निर्वाण ने आज दी। इस अवसर पर प्रमुख सचिव, राजस्थान पर्यटन विभाग, गायत्री राठौड़ मुख्य अतिथि होंगी। एक एक्सपो भी आयोजित होगा जिसमें उद्योग विशेषज्ञों द्वारा स्टाल भी प्रदर्शित होंगे जो पैकेज, प्रोडक्ट्स और सेवाओं के लिए कलिनरि, ट्रेवल एंड वेडिंग टूरिज्म मार्किट में नए बैंचमार्क्स स्थापित करेंगी। कार्यक्रम की सलाहकार बोर्ड समिति में ऋतुराज खन्ना, मार्रेशा पारिख, महावीर शर्मा, रणधीर विक्रम सिंह, कुलदीप चंदेला, मोहन सिंह, ख़ालिद खान, महेंद्र सिंह, पीपी खन्ना, अमरेश तिवारी, नवीन मनचंदा, सुरेंद्र कालरा और कमलेश मीरचंदानी जैसे हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के दिग्गज लोग शामिल है।

रैकी कर सूने मकान में चोरी

जयपुर। शिप्रापथ इलाके के के जादौन नगर-ए में शातिर चोरों ने एक सूने मकान की रैकी करने के बाद चोरी की वारदात को अंजाम दिया। छत के रास्ते चोर घर के अंदर घुसे और लॉक तोड़कर अलमारी में रखी नकदी और कीमती सामान पार कर ले गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस चोरों की तलाश कर रही है। शिप्रापथ के जादौन नगर-ए में डॉ. यश गोयल के घर चोरी हुई। तबीयत खराब होने के कारण डॉ. यश गोयल का हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। हॉस्पिटल में उनकी पत्नी देख-रेख में लगी हुई है। पिछले कुछ दिनों से उनका मकान सूना पड़ा हुआ है। रैकी के बाद गुरुवार देर रात चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाया। दीवार फांदकर मकान में घुसे चोर छत के रास्ते अंदर घुसे। गेट की जाली काटकर लॉक तोड़ने के लिए घुसे चोरों ने पूरे घर की तलाश ली। अलमारी में रखे करीब 25 हजार रुपए और विदेशी सिक्के सहित अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। शुक्रवार सुबह पडौसियों ने घर में चोरी की सूचना दी। पत्नी को भेजकर घर संभलवाने पर चोरी गए सामान का पता चला। डॉ. गोयल ने पुलिस को चोरी की सूचना दी है।

पुष्कर घाट का होगा पुनर्रूद्धार

जयपुर। राज्य सरकार प्रदेश के धार्मिक स्थलों के संरक्षण तथा उनके विकास के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अजमेर स्थित पुष्कर घाट के पुनरूद्धार एवं विभिन्न विकास कार्यों के लिए 80 करोड़ रूपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

जबड़ा काटकर गर्दन में फंसी हुई बंदूक की गोली निकाली

एस.एम.एस. अस्पताल के डॉक्टर्स ने की सर्जरी

- **फिलहाल मरीज ठीक है, सर्जरी मुश्किल इसलिए थी, क्योंकि बायीं तरफ की खून सप्लाई करने वाली वर्टेब्रल आर्टरी को डैमेज होने से बचाना था। गोली इस आर्टरी के बिल्कुल पास आकर फंस गई थी। अगर यह आर्टरी डैमेज हो जाती तो मरीज की जान को खतरा था।**

जयपुर। राजधानी के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में डॉक्टर्स ने एक जटिल सर्जरी कर मरीज के गर्दन में फंसी बंदूक की गोली को जबड़ा काटकर बाहर निकालने में सफलता हासिल की है। मरीज अब बिल्कुल ठीक है। सर्जरी में सबसे मुश्किल बायीं तरफ की खून सप्लाई करने वाली वर्टेब्रल आर्टरी को डैमेज होने से बचाना था। गोली इस आर्टरी के बिल्कुल पास आकर फंस गई थी। अगर यह आर्टरी डैमेज हो जाती तो मरीज नहीं बच पाता।

एसएमएस हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि न्यूरोसर्जरी डिपार्टमेंट में इस माह की यह दूसरी सबसे जटिल सफल सर्जरी है। यह सर्जरी सीनियर प्रोफेसर डॉ. मनीष अग्रवाल के नेतृत्व में डॉ. रोहित बाबल, डॉ. अब्दुल रउफ गौरी, डॉ. संग्राम बल और डॉ. मोहित ने की। इस दौरान मरीज चार दिन हॉस्पिटल में ही भर्ती रहा। डॉक्टर्स के अनुसार मरीज केसरमल कोटपूतली का रहने वाला है। एक सप्ताह पहले उसे किसी व्यक्ति ने गोली मार दी थी। गोली कान और जबड़े के बीच से होकर गर्दन में जाकर रीढ़ की हड्डी और गर्दन को जोड़ने वाली जगह के पास पीछे की तरफ वर्टेब्रल आर्टरी के नजदीक फंस गई। गोली ऐसी जगह आकर फंसी थी कि उसे निकालना बहुत मुश्किल था।

डॉक्टर्स ने बताया कि काफी जांच और कंसल्टेशन के बाद प्लास्टिक सर्जरी डिपार्टमेंट के साथ सर्जरी शुरू की। गर्दन और जबड़े वाले हिस्से को काटकर माइक्रोस्कोप और फ्लोरोस्कोपी की मदद से 3 सेमी. लम्बी गोली बाहर निकाली गई। इस पूरी सर्जरी में करीब डेढ़ घंटे से ज्यादा का समय लगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान हमारी टीम का पूरा फोकस बायीं तरफ की वर्टेब्रल आर्टरी को डैमेज होने से बचाना था। सर्जरी पूरी होने के बाद प्लास्टिक सर्जरी डिपार्टमेंट के डॉक्टर आर.के. जैन और डॉ. रंजना ने ऑपरेशन से टूटे जबड़े को जोड़ दिया।

पत्नी पर कैंची से हमला

जयपुर। राजधानी जयपुर में एक युवक ने कैंची से हमला कर अपनी पत्नी को घायल कर दिया। लहूलुहान हालत में बालकनी से लटकाकर फेंकने की कोशिश की। दहेज मांग को लेकर टॉर्चर से परेशान विवाहिता ने महिला थाना (उत्तर) में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि जालूपुरा निवासी 19 साल की विवाहिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि सितम्बर 2022 में उसकी शादी आदर्श नगर निवासी युवक से हुई थी। परिवार ने हैसियत से अधिक दहेज देकर उसे खुशी-खुशी सुसराल भेजा था। शादी के 15-20 दिन बाद ही ससुराल वाले कम दहेज को लेकर ताने मारने लगे। आरोप है कि 20 मई को वह अपने कमरे में थी। कमरे में आए पति ने क्रेटा गाड़ी और 5 लाख रुपए मांगे, मना करने पर मारपीट की, फिर कैंची से गला काटने की कोशिश की।

राजस्थान में प्री-मानसून की बारिश 25 जून से शुरू होने की संभावना

'बिपरजॉय' चक्रवात के कारण हुई बारिश ने बढ़ाई गर्मी व उमस

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में आमजन को बेचैन कर रही गर्मी और उमस से 2 दिन बाद राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 25 जून से प्रदेश में प्री-मानसून की बारिश का दौर शुरू होने की उम्मीद है। ऐसे में अगले सप्ताह से प्रदेशभर में बारिश होने से गर्मी और उमस से राहत मिलना तय माना जा रहा है।

देखा जाए तो पिछले 24 घंटे में प्रदेश के अधिकांश जिलों में

- **राजधानी जयपुर में शुक्रवार शाम को भी कुछ इलाकों में हल्की बारिश हुई**
- **ग्रेटर-हैरिटेज निगम प्रशासन जोर-शोर से बाढ़ नियंत्रण की तैयारियों में जुटा**

बादलवाही जारी रही और छिटपुट बारिश हुई। हालांकि आधा दर्जन से ज्यादा जिलों में दिन और रात के तापमान में पारा सामान्य दर्ज हुआ, लेकिन हवा में आर्द्रता बढ़ने के कारण उमस और गर्मी से लोग परेशान रहे। शुक्रवार देर शाम को जयपुर शहर के कुछ इलाकों में में हल्की बारिश हुई, हालांकि अलसुबह से ही आसमां में काले बादलों ने डेरा डाल रखा था, ऐसे में लोग भी बारिश की आस लगाए बैठे थे।

मौसम केंद्र के अनुसार अगले 48 घंटे में प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधि शुरू होने के साथ फिर से बारिश का दौर शुरू होने वाला है। प्रदेश के कई जिलों में आगामी सप्ताहभर तक प्री मानसून बारिश होने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी वाली हवा के असर से अभी प्रदेश में आर्द्रता बढ़ने पर उमस महसूस हो रही है, लेकिन जल्द ही बारिश का दौर शुरू होने पर गर्मी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने आज राजधानी जयपुर समेत दौसा, अलवर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां, भीलवाड़ा, सवाईमाधोपुर और अजमेर जिले में मेघगर्जन के साथ बारिश होने व 30-40 किमी प्रतिघंटे की गति से हवा चलने की संभावना जताई है।

वहीं दूसरी ओर जयपुर ग्रेटर और हैरिटेज निगम प्रशासन द्वारा जोर-शोर से बाढ़ नियंत्रण की तैयारियां की जा रही है। शहर में अलग-अलग जगह पर बनाए गए बाढ़ नियंत्रण केन्द्रों पर मिट्टी के कट्टे भरे जा रहे हैं, ताकि तेज बारिश के कारण कहीं पर मिट्टी का कटाव या फिर सड़क धंस जाए तो तुरंत राहत पहुंचाई जा सके। हालांकि निगम प्रशासन ने यह कार्य 'बिपरजॉय' तूफान के कारण जयपुर में भारी बारिश की संभावनाओं को देखते हुए पहले ही शुरू कर दिया था।

बनीपार्क फायर स्टेशन के पास नगर निगम द्वारा तैयार बाढ़ नियंत्रण केन्द्र पर शुक्रवार को दिनभर मिट्टी के कट्टे भरने का कार्य चलता रहा। फोटो-राष्ट्रदूत

ARBiT
it happens here...

International Fairy Day

Whether you see them as small winged tenders of the deep natural places of the earth, or as tall stately figures with fair skin and hair, there's one thing for certain. The world has been absolutely captured by the Fairy Craze. These creatures appear on everything from mugs to t-shirts and have been the subject of children's fairy tales and even supernatural romances. International Fairy Day celebrates these incredible mythological creatures that have captured the imagination of people everywhere and their diverse history.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
24 June 2023
A-B

With this issue we are not concluding the series on the Story of Flight, only temporarily pausing it. We shall resume it once again at a more opportune moment. Meanwhile, we hope you enjoyed the new format that will continue to showcase the works of City artists and professionals.
Thank you.

-Editor

Concept and Design by Nihal Mathur
Computer Graphics by Bharat Kumawat

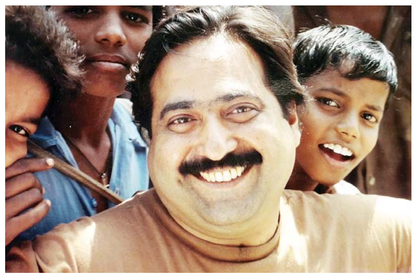

Nihal Mathur, *Filmmaker, Writer*

Nihal Mathur:
The compassionate Buddy

Dr Pavan Shorey
Vitreo retinal surgeon, author

Our friendship goes back to the school days, when we cycled down from school to our homes. We shared a common interest in music, literature and movies. In those growing years, Nihal was influenced by Bach and the Beatles. But for me, lyricists like Sahir and Neeraj held sway on my mindscape. In the last year at school, Nihal earned the nickname, AKB or Angrez ka bacca. He went to the Humanities stream while I took up medicine. His occasional visits to my hostel were like a whiff of fresh air unburdening me from the daily grind of the study of dreary tomes of medicine. He would update me on the latest in books, music and poetry. In a sense, he was my cultural Czar.

We grow old, health issues etc but the bond remains strong as ever.

My clinic is near Nihal's residence and I often stop by for an evening tete a tete (I am an Ophthalmologist).

On one such evening, I walked into his office and found him busy on the computer.

'I have no headspace for you, go inside and meet the family.' I was familiar with Nihal's blunt demeanour.

After half an hour, he called me, 'See, I have something for you, a collage of stamps representing the Legends in Ophthalmology.' He got it framed and it occupies a pride of place in my clinic. He also presented a montage of stamps on wild flowers to my late mom on her birthday.

Once someone gave me a beautiful Pierre Cardin pen, I already had one, so I decided to gift it to Nihal. He accepted it and in front of me passed it on to his assistant. I was taken aback!

'It was for you, Nihal!'

'You gave it to me, I accepted it but it is now for me to decide how best to use it.' Flustered, I decided never to give him a gift anymore. Years later, we were discussing our attachment to material things. Nihal brought up this incident and said that he was trying to break my attachment to the gift I gave him.

He is a compassionate person and he treats the people who serve with respect, calling them his assistants. We were on a trip to Uttarakhand mountains in a car, we stopped at a hotel for lunch. We were three, me, Nihal and our blue blooded Rajput friend. We sat on a table and the driver was looking for a place to sit.

Nihal called out, ' Rambabu, sit with us.' Our Rajput friend raised his eyebrows but did not say anything.

It is not for me to list out my friend's qualities, suffice to say that he is a person who treats others with kindness. Nothing matters in life -not your riches, not your position in society- what matters is how much at peace you are with yourself and everyone around you. It only comes when a guiding light enters your life, your Guru, the enlightened one. We both were fortunate enough to have a Guru in the time of a crisis in our lives. We are fellow travellers on this spiritual path.

Charles Lindbergh
1902 – 1974

Time Magazine Man of the Year 1927

Distinguished Flying Cross

French Legion of Honor

Medal of Honor

Transatlantic Flight, Kidnapping and Death

Charles Lindbergh was an American aviator who is famous for making the first non-stop flight from New York City to Paris, a distance of 5,800 kms, flying alone for more than 30 hours in his airplane the Spirit of St. Louis in 1927. Although it was not the first transatlantic flight, it was the first solo one which is known as one of the most consequential flights in history and ushered in a new era of air transportation between parts of the globe. For his landmark flight Lindbergh received the highest U.S. Military decoration - the Medal of Honor along with the Distinguished Flying Cross. He also earned the highest French order of merit, the Legion of Honor. Son of a US Congressman, Charles became an Army Air Service cadet in 1924 and the following year was commissioned to the rank of second lieutenant. He worked as a mail pilot for a year and then started preparing for his transatlantic flight in 1927. After his achievement he was not only promoted to the rank of colonel but was also on the cover of Time magazine as the first Man of the Year. In 1932, Lindbergh's infant child was kidnapped and murdered in what the American media called the 'Crime of the Century'. Press hysteria drove the family to Europe and it was only when the Second World War broke out in 1939 that the Lindberghs returned. Charles was openly opposed to US intervention in the war and resigned from Army Air Corps in 1941. Seen as a Nazi sympathizer, he was rejected for active duty. It was President Eisenhower who restored his commission and promoted him to brigadier general in the US Air Force Reserve. In later years he became a Pulitzer Prize winning author, an international explorer and an environmentalist who helped establish National Parks and protect endangered species. Lindbergh died of cancer in 1974 and was accorded status of a national hero.

नहाते समय पोखर में डूबे तीन बच्चे, एक की मौत

बुआ के यहां शादी में आए थे बच्चे, घर में मचा कोहराम

धौलपुर, (निसं)। सरमथुरा इलाके के रहरई गांव में शुक्रवार सुबह बुआ के घर शादी समारोह में शामिल होने आए तीन बच्चे गांव के पास एक पोखर में नहाने के लिए चले गए। जहां नहाते समय वे पोखर में डूब गए। जिनमें से दो बच्चों को तो ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाल दिया। लेकिन एक बच्चे की डूबने से मौत हो गई। घटना में 10 वर्षीय बालक विक्रमपुरी पुत्र मुकेश गोस्वामी की डूबने से मौत हुई है, जो बाड़ी कस्बे के गुमट मोहल्ले का निवासी है।

- दो बच्चों को ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया
- मृतक बालक विक्रम चौथी कक्षा का छात्र था जो बाड़ी कस्बे के निजी स्कूल में पढ़ता था। घटना के बाद परिजनों में शोक छाया हुआ है

मुकेश गोस्वामी ने बताया कि रहरई गांव में उनके बहनोई कैलाश पुरी की बेटी की शादी 22 जून की थी। जिसमें पूरा परिवार गया हुआ था। जिसमे उनके पुत्र विक्रम के साथ उसके बड़े भाई सुरेश के लड़के सनीपुरी और रमनपूरी भी गए थे। आज सुबह तीनों बालक बिना परिजनों को बताए गांव के पास पोखर में नहाने चले गए। जहां तीनों डूब गए।

इस दौरान मौके से गुजर रहे ग्रामीणों ने सनी पुरी और रमन पुरी को तो बचा लिया। लेकिन विक्रम पुरी गहरे पानी में चला गया। जिससे उसकी डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजन अचेत हुए बालक को बाड़ी अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि मृतक बालक विक्रम चौथी कक्षा का छात्र था जो बाड़ी कस्बे के निजी स्कूल में पढ़ता था। घटना के बाद परिजनों में शोक छाया हुआ है।

पानी की नाडी में नहाते चार बच्चों में से दो डूबे, एक की मौत

- ग्रामीणों ने बचाई एक बच्चे की जान

अजमेर, (कासं)। जिले के नसीराबाद में समीपस्थ ग्राम जाटिया में शुक्रवार को एक नाडी में नहाने गए चार बच्चों में से दो बच्चे गहरे पानी में जाने से डूब गए। जिसमें से एक बच्चें को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया लेकिन एक बालक की डूबने से मृत्यु हो गई।

जानकारी के अनुसार ग्राम जाटिया में सरकारी स्कूल के पास स्थित नाडी पर नाथ समाज के 4 बच्चे विक्रम, विजय, साबूं और सांवरा नहाने के लिए पंहुचे थे। चारों बच्चें नाड़ी में उतरकर नहा रहे थे। इसी दौरान दो बालक विक्रम और विजय नहाते-नहाते नाड़ी के बीच में गहरे पानी में चले गए। जिस पर दोनों बच्चें नाड़ी के बीच में गहरा पानी होने से पानी में डूब गए। जिस पर उनके साथ नहाने आए उनके साथी सांवरा और साबू जो कि किनारे पर नहा रहे थे अपने दोनों साथियों को डूबता देख चिल्लाने लगे। इस दौरान नाडी से कुछ ही दूरी पर खड़े कुलदीप सिंह पुत्र सेवासिंह रावत और दो अन्य युवक दौड़ कर नाडी के पास पंहुचे। जिनमें से केवल कुलदीप सिंह रावत ही तैरना जानता था।

युवक कुलदीप ने तुंरत नाड़ी में छलांग लगाते हुए पहले विजय को बाहर निकालकर किनारे पर लाया इसके बाद दूसरे बालक विक्रम की तलाश शुरू की। लेकिन काफी देर तलाश के बाद भी दूसरा बालक नहीं मिला। इसी दौरान गांव का ही भगवान सिंह जो कि तैरना जानता था वह भी नाडी पर पहुंच गया और नाडी में उतरकर काफी तलाश व मशक्कत के बाद दूसरे बालक को भी करीबन पौन घंटे बाद नाडी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस ने पंहुचकर मृतक विक्रम उम्र 10 साल पुत्र पटवारीनाथ का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया। घटना से समूचे गांव में शोक व्याप्त हो गया है। पुलिस ने क्षेत्रीय अधिकारियों ने गांव में परिवारों को बरसाती दिनों में पानी की नाड़ी से दूर रहने की हिदायत दी है। पुलिस आगे कार्यवाही कर रही है।

छात्रा के साथ गैंगरेप और हत्या को लेकर आक्रोश

जोधपुर, (कासं)। बीकानेर जिले के एक क्षेत्र में एक छात्रा के साथ गैंगरेप और उसे मौत के घाट उतार देने की घटना के विरोध में दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएमएम) के एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा।

- प्रकरण में सरकार की नाकामी पर मुख्यमंत्री से मांगा इस्तीफ़ा

दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएमएम) के प्रदेश संयोजक एडवोकेट किशन मेघवाल ने बताया कि इस अमानवीय घटना के अभियुक्त पुलिस के सिपाही होने के बावजूद राजस्थान सरकार इस प्रकरण को बहुत ही हल्के में लेकर अपनी नाकामी का परिचय दे रही हैं जो कि शर्मनाक हैं, अत: मुख्यमंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। मेघवाल ने बताया कि दलितों और महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने में राजस्थान की सरकार पूरी तरह से नाकाम रही हैं, कमजोर तबके का भरोसा सरकार से उठ चुका हैं अत: मुख्यमंत्री को अविलंब अपने पद से इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। जोधपुर में मांग पत्र सौंपने के दौरान एडवोकेट साइना बानो, एडवोकेट हेमलता, ओमाराम मेहरा, एडवोकेट निर्मल कुमार, एडवोकेट मनीष मेघवाल, एडवोकेट महबूब खान, एडवोकेट ओमाराम भील, मोहन लोहरा, पारसराम सेवाल, एडवोकेट सम्पत प्रजापत एवं एडवोकेट गणपत इंदलिया सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दुष्कर्म व हत्या के विरोध में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा

सादुलपुर, (निसं)। गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति द्वारा बिकानेर में हुई दलित बेटी के साथ बेहद शर्मनाक हरकत और हत्या के विरोध में शुक्रवार को डॉक्टर रामकुमार घोटड की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री के नाम तहसीलदार राजगढ़ को ज्ञापन सौंपा।

मंत्री इन्दु कुमार गोस्वामी ने बताया कि देश में आए दिन बेटियों के साथ दुराचार किया जा रहा है, अपहरण कर रहे हैं और हत्या कर देते हैं। इससे बेटी बचाओ बेटी पढाओ बेटियों को शसक्त बनाओ कार्यक्रम पर कुप्रभाव पड़ रहा है, इस लिए प्रधानमंत्री से निवेदन किया है कि ऐसे मामलों में कानून व्यवस्था में सुधार कर कडी से कडी सजा देने वाला प्रावधान किया जाना चाहिए, जिससे बेटियों को शसक्त और सुरक्षित रखा जा सके।

ज्ञापन में बताया कि हाल में बीकानेर जिले में हुई दलित बेटी के साथ बेहद शर्मनाक हरकत और हत्या ने पूरे तंत्र पर अविश्वास पैदा कर रक्षकों को ही भक्षक बनते हुए देख पूरा समाज आक्रोशित है और गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति ऐसे दरिंदों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग करती है। ज्ञापन देने वालों मे सेवानिवृत प्रधानाचार्य महावीर सिंह सिंघल, एडवोकेट गिरधारी लाल रैगर, रणजीत सिंह भाटी, जाफर खान, अंजू, लाजवंती घोटड, संतोष गोस्वामी, कुनाल गोस्वामी, प्रदीप, अशोक आदि उपस्थित थे।

तालाब में डूबने से यू.पी. निवासी युवक की मौत

युवक लम्बे समय से मालपुरा में मजदूरी का कार्य करता था

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा थाना क्षेत्र के सदरपुरा गांव के पास तालाब में नहाते समय गहरे पानी में डूब जाने से उतरप्रदेश निवासी एक युवक की मौत होगई। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा।

- पुलिस ने युवक की तलाश शुरू की लेकिन देर रात तक भी शव नहीं मिल पाया

थानाधिकारी बृजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि गुरूवार की देर शाम को तीन युवक सदरपुरा गांव के पास तालाब में नहा रहे थे। इसी दौरान एक युवक नहाते समय गहरे पानी में चले जाने से पानी में डूब गया। साथियों की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने तालाब में डूबे युवक की तलाश शुरू की लेकिन देर रात तक भी युवक का शव नहीं मिल पाया।

रातभर पुलिस के जवान व गौताखोर तालाब में रेस्क्यू करते रहे। शुक्रवार की सवेरे पुलिस को पानी में डूबे युवक का शव ढूंढने में सफलता मिली। शव को तालाब से निकाल मालपुरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। मृतक युवक की शिनाख्त उतरप्रदेश के फतेहपुर सीकरी निवासी फारूक पुत्र हारून उम्र 30 साल के रूप में की गई। सूचना मिलने पर दोपहर तक पहुंचे परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंपा गया। परिजनों ने बताया कि मृतक फारूक लम्बे समय से मालपुरा में मजदूरी का कार्य करता था।

मालपुरा सदरपुरा गांव के तालाब में डूबे युवक को बाहर निकाला।

सर्व समाज मुक्ति धाम को भूमि आवंटन करने की मांग

चूरू, (कासं)। सर्व समाज मुक्ति धाम को भूमि आवंटन करने की मांग को लेकर शुक्रवार को सर्व समाज के लोगों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि ज़िला स्टेडियम के पीछे पिछले तीस पैंतीस वर्ष से निरन्तर वन विभाग की ज़मीन पर दाह संस्कार हो रहे हैं। अभी वन विभाग द्वारा तारबंदी कर देने व यह ज़मीन एसटीपी हेतु नगर परिषद को आवंटित कर देने के कारण दाह संस्कार में बाधा उत्पन्न हो गयी है।

भूमि आवंटन करने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

सभी कॉलोनीवासियों के विरोध के कारण एस टी पी नहीं बन पायी। सैनिक बस्ती, वन विहार, नया बास, शान्ति नगर, शेखावत कॉलोनी, सिविल लाइन, आवासन मंडल कॉलोनी के निवासियों के लिए दाह संस्कार हेतु भगवान दास मुक्ति धाम एवं रेलवे मुक्ति धाम बाज़ार तथा रेलवे फाटक के कारण बहुत दूर एवं असुविधाजनक हैं। इसलिए आज सर्व समाज ने ज़िला कलेक्टर को ज्ञापन देकर इस सर्व समाज मुक्ति धाम को वैधानिक रूप देकर इसे स्वच्छ व हरे भरे रूप में विकसित करने की अनुमति दी जाने की मांग की। इस अवसर पर ज्ञापन देने वालों में सोहनलाल फगेडिया, भागीरथ शर्मा, प्रो देदाराम, प्रो. एल एन आर्य, सांवरमल बुडानिया, भगवान भाटी, हरफूल सिंह, कमल सोनी रणवीर सिंह कस्वां, रामरतन सिहाग, धर्मपाल सहारण, रामावतार भाम्भू, किसनाराम, माणक जाखड़, महेंद्र सिंह ओला, बैजूराम जांगिड, रामचन्द्र जांगिड, रामनिवास मोगा, जगदीश सिंह, प्रताप सिंह नाथावत सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

'भाजपाई चौधरी कुंभाराम आर्य की प्रतिमा लगाने का समर्थन करते हैं'

चूरू, (कासं)। जिला मुख्यालय पर शुक्रवार को भाजपा पार्षदों ने नगरपरिषद् सभापती द्वारा दिये गये बयान को झूठा बताया हैं और जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया। नगरपरिषद् नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल व पूर्व जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में भाजपा पार्षदो ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि गत गुरूवार को नगरपरिषद् की साधारण बैठक आहुत की गई थी।

चूरू नगरपरिषद् सभापती द्वारा दिये गये झूठे बयान के विरोध में नगरपरिषद् नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल व पूर्व जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में भाजपा पार्षदों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

जिसमें मुख्य रूप से ऐजेन्डा था कि चूरू मे चौधरी स्व. कुंभाराम आर्य व सुभाष चौक पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की मूर्ति लगाने का प्रस्ताव था जिसका सभी भाजपा पार्षदो ने सर्व सम्मती से स्वागत करते हुऐ अपनी सहमती प्रदान करते हुऐ सुझाव दिया कि इन महापुरूषो के साथ चूरू की स्थापना करने वाले चूहरूराम जाट की प्रतिमा भी चूरू में स्थापित की जाये परन्तु चूरू नगरपरिषद् की सभापती ने एक बयान जारी कर कहा कि भाजपा पार्षदो ने चौधरी कुंभाराम आर्य की प्रतिमा लगाने का विरोध किया है जो कि सरासर गलत बयानी है क्योंकि भाजपा हमेशा इन महापुरूषो के प्रति सम्मान का भाव रखती है। और इनको अपना आर्दश मानती है।

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि नगरपरिषद् कि साधारण सभा में केवल मात्र उपर के बिन्दुओ पर चर्चा करके बाकी के सभी एजेन्डो को बिना चर्चा के ही पास कर दिया। जिसपर भाजपा पार्षदो ने विरोध किया एवम् बिन्दु क्रमांक 10 व 11 का विरोध किया क्योंकि इसमें विभिन्न वित्तिय स्वीकृति का प्रस्ताव था जिसमें भ्रष्टाचार की बू आ रही है। उन्होने कहा कि नगरपरिषद् की सभापती का यह गलत बयानी करना निंदनीय है क्योंकि भाजपा के लिए यह दोनो ही महापुरूष आदरणीय है। भाजपा ने तो केवल इन महापुरूषो के साथ चूरू के संस्थापक रहे चूहरूराम जाट की प्रतिमा लगाने के लिए आग्रह किया था परन्तु सभापती अपनी औछी राजनीति से अपनी नाकामियों से आमजनता का ध्यान भटकाना चाहती है परन्तु चूरू की जनता सब कुछ जानती है कि चूरू नगरपरिषद् में क्या क्या हो रहा है।

इस दौरान नगर परिषद की प्रतिपक्ष नेता ने सभापति पायल सैंनी पर ओंछी राजनीति करने का भी आरोप लगाया है। जनचर्चा के अनुसार चूरू में नगर परिषद के कार्यकाल के लिए एक कहावत हमेशा चर्चा में रही हैं कि अगले से पिछला भला और हर बार यही होता आया हैं। वर्तमान में भाजपा पार्षद कांग्रेस का विरोध कर रहे हैं जो प्रतिपक्ष को करना ही चाहिए लेकिन भाजपा पार्षदो के कुछ वार्ड के लोगों ने बताया कि वह अनेक समस्याओ से ग्रस्त हैं चाहे सफाई हो या नालो की सफाई जब वह पार्षदों को कहते है तो वह कहते हैं कि कांग्रेस का बोर्ड हैं काम ही नहीं हो रहा लेकिन यह पार्षद नगर परिषद को समस्या तक लिख कर तक नहीं देते हैं।

सांप को रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

बिजयनगर, (निसं)। खाईलैंड मार्केट वार्ड नंबर 10 निवासी संदीप चौरडिया के घर पर सांप के छुपे होने की सूचना पर पुलिस मित्र टीम के सदस्य सुरेंद्र सिंह भाटी व सहयोगी राजेश पीपरवाल व आरिफ खान ने मौके पर पहुंचकर दूसरी मंजिल पर रसोई में फ्रिज के पास छिपे हुये करीब 3 फीट के ग्लौसी वैलिड रेसर सींप को रेस्क्यू करते हुए सुरक्षित जंगल में छोड़ा।

निस्वार्थ सेवा हेतु तैनात पुलिस मित्र की रेपिड रेस्पॉन्स यूनिट के सदस्य सुरेंद्र सिंह भाटी व सहयोगी राजेश पिपरवाल, आरिफ खान के त्वरित किए गए प्रयासों से चोरडिया परिवार ने राहत की सांस ली। वहीं जंगली जीव को अकाल मौत के शिकार होने से बचाया। सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि पुष्कर पुलिस मित्र टीम कई वर्षों से बेजुबान जीवों का जीवन बचाने के लिए जो काम कर रही है। उन्हीं की प्रेरणा से प्रेरित होकर बिजयनगर में आमजन समेत बेजुबान जानवरों को बचाने का अभियान चला रखा है व लगभग दस सर्पों को पकड़ कर सुरक्षित स्थान पर उन्हें छोड़ा गया।

'ई.आर.सी.पी. को लेकर केन्द्र अपना वादा निभाए'

भरतपुर (निस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार जनभावना के अनुरूप सभी वर्गों के विकास के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। राजस्थान चहुंमुखी विकास के कारण देशभर में मॉडल स्टेट बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि राज्य की अनूठी योजनाओं की देशभर में चर्चा है। उन्होंने कहा कि डीग को जिला बनाने से क्षेत्र में प्रशासनिक इकाइयां मजबूत होंगी और लोगों को अपने कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पडेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। यह परियोजना भरतपुर समेत 13 जिलों में पेयजल एवं सिंचाई जल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार को वादा निभाते हुए इसे राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देना चाहिए। इससे पूर्व मुख्यमंत्री के सैंत पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने डीग को नवीन जिला बनाने के लिए मुख्यमंत्री का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री ने कन्यादान योजना के तहत लाभार्थियों तथा स्वयं सहायता समूहों को चैक सौंपे एवं दिव्यांगजनों को मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना के तहत स्कूटी वितरित की।

मुख्यमंत्री ने मंडल प्रमुख राजेंद्र सिंह, अग्रणी जिला प्रबंधक भूपेंद्र जैन, आरसेटी निदेशक उपेंद्र कुमार श्रीवास्तव एवं टीम के साथ 9 स्वयं सहायता समूह को 54 लाख रुपए का चौक सौंपा। पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्तमान शासनकाल में भरतपुर जिले सहित पूर्वी क्षेत्र के लिए विकास की अनेक घोषणाऐं की हैं। कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री रमेशचन्द मीणा, तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना, पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री गोविंद सिंह डोटासरा एवं विधायक वाजिब अली सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

कुएं में मिली बुजुर्ग की लाश

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के बड़लियास थाना क्षेत्र के गेता पारोली गांव में एक बुजुर्ग का शव उसी के कुएं में मिला। शव की गर्दन व पैर उसी के साफे से बंधे मिले। परिजनों ने बुजुर्ग की हत्या की आशंका जताते हुए चार लोगों के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया है।

थाना प्रभारी शिवचरण ने बताया कि गेता पारोली गांव में एक कुएं में शव पड़ा होने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से निकलवाया। शव की शिनाख्त खेत मालिक भैरू (50) पुत्र रूपा गुर्जर निवासी गेता पारोली के रूप में हुई। शव की गर्दन और पैर उसी के साफे से बंधे मिले। सूचना देने पर अजमेर से एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए वहीं पुलिस ने शव को मुख्यालय स्थित एमजी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसका पोस्टमार्टम किया गया। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मृतक बुजुर्ग का पुत्र राधेश्याम अपने ही परिवार की एक महिला को करीब 20 दिन पहले भगाकर ले गया था, जिस पर महिला के परिजन उसे वापस लाने की कह रहे थे, लेकिन मृतक का पुत्र इस बात पर राजी नहीं था। मृतक के भाई शंकर ने सांवरा, राधेश्याम, शंकरलाल व रामेश्वर के खिलाफ हत्या कर शव को कुएं में फैंकने का आरोप लगाते हुए पुलिस को रिपोर्ट दी है।

हादसे में बाइक सवार की मौत

रतनगढ़, (निसं)। गुरुवार रात नेशनल हाइवे 11 पर ट्रोले की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार 25 वर्षीय अंकित जांगिड़ पुत्र भागीरथ जांगिड़ निवासी बछरारा जो राजलदेसर में विद्युत विभाग में संविदा पर कार्य कर रहा था। अंकित गुरुवार रात बाइक पर सवार होकर अपने गांव बछरारा जा रहा था, रात करीब 9 बजे नेशनल हाइवे 11 पर लुंछ फांटा के पास किसी ट्रोले से बाइक की टक्कर हो गई।

सर्पदंश से महिला की मौत

उदयपुर, (निसं)।कुराबड़ थाना क्षेत्र में खेत पर काम करते समय सर्पदंश से महिला किसान की मौत हो गई। इसी तरह खेत पर काम करते समय किसान की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुराबड़ थाना क्षेत्र पाडुन्द गांव निवासी हुरज पत्नी लालूराम मीणा की सर्पदंश से मौत हो गई। शुक्रवार सवेरे हूरज खेत पर काम कर रही थी। इस दौरान सांप के काटने से परिजनों ने उसे उपचार के लिए कुराबड़ चिकित्सालय पहुंचाया। जहां से रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत होगई। इसी तरह कुराबड़ थाना क्षेत्र झामरकोटड़ा गांव निवासी भगवानलाल (46) पुत्र टीलाराम मीणा शुक्रवार सवेरे मक्की की फसल बुवाई के लिए अपने खेत पर हर हांक रहा था। जहां अचानक निचे गिरने पर परिजन उसे कुराबड़ चिकितसालय ले गए। जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर हेडकांस्टैबल शांतिलाल ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

10 हज़ार का इनामी बदमाश तमिलनाडु से गिरफ़्तार

तमिलनाडु में मजदूरी कर फरारी काट रहा था आरोपी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की सुभाष नगर थाना पुलिस ने पोक्सो एक्ट के एक मामले में वांछित और एक दर्जन से ज्यादा मामलों में लिप्त दस हजार रुपये के ईनामी बदमाश युनुस मोहम्मद उर्फ बाबू को तमिलनाडू से गिरफ्तार कर लिया।

जिला पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू ने बताया कि सुभाषनगर थाने के पोक्सो एक्ट के एक मामले में वांछित दस के ईनामी अपराधी युनुस मोहम्मद उर्फ बाबु पुत्र फरीद मोहम्मद बिसायती लंबे समय से एक दर्जन से ज्यादा प्रकरणों में लिप्त होकर गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहा था। इस आरोपित पर पुलिस अधीक्षक ने दस हजार रुपये का ईनाम भी घोषित किया था। उसे दबोचने के लिए एएसपी चंचल मिश्रा व डीएसपी सदर योगेश शर्मा के निर्देशन में टीम गठित की गई।

टीम ने आसूचना संकलित की तो पता चला कि यह आरोपित तमिलनाडू में मजदूरी कर फरारी काट रहा है। करीब दो हजार किलोमीटर दूर संभावित स्थानों पर पहुंची टीम ने मजदूर के हुलिये में पड़ताल कर आरोपित का पता लगाते हुये उसे दबोच लिया। आरोपित युनूस मोहम्मद उर्फ बाबू बिसायती उस्मानिया मस्जिद के पास सुभाषनगर में रहता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपित युनूस उर्फ बाबू पर 2019 से 2022 तक भीलवाड़ा के विभिन्न थानों में 13 मामले दर्ज हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि इसके खिलाफ 2019 में पहला मामला सुभाषनगर थाने में चोरी का दर्ज हुआ था। इसके बाद मारपीट, चोरी, जानलेवा हमले, लूट व पोक्सो एक्ट के केस दर्ज हुये। इनमें से 9 मामले सुभाषनगर थाने में, जबकि शेष मामले कोतवाली, प्रताप नगर, करेड़ा और मांडल थाने में दर्ज हैं।

सुभाष नगर थाना पुलिस ने पोक्सो एक्ट व अन्य मामले में वांछित को गिरफ्तार किया।

- युनूस उर्फ बाबू पर 2019 से 2022 तक भीलवाड़ा के विभिन्न थानों में 13 मामले दर्ज हो चुके हैं

बदमाशों ने खनन व्यवसायी की आंखों में मिर्ची पाऊडर डालकर हत्या की

बिजौलियां थाना क्षेत्र में अपराधियों के हौंसले बुलंद, एक सप्ताह में हत्या की दूसरी वारदात

माण्डलगढ़, (निस) बिजौलिया के चांदजी की खेड़ी गांव में शुक्रवार सुबह खेत पर एक खनन व्यवसायी की पत्थरों से सिर कुचला हुआ शव मिला। इस घटना को लेकर इलाके में सनसनी फैल गई। बिजौलियां थाना क्षेत्र में एक सप्ताह में हत्या की दूसरी वारदात सामने आई हैं। युवक की हत्या को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर ग्रामीणों ने आक्रोश जताया और सड़क पर चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया। बिजौलियां पुलिस ने मामला दर्ज कर हत्यारों की तलाश शुरू की हैं।

- आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल, चक्काजाम कर किया विरोध प्रदर्शन
- डीएसपी ने धर्मराज की हत्या का तीन दिन में पर्दाफाश करने का आश्वासन दिया तब जाकर परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराया

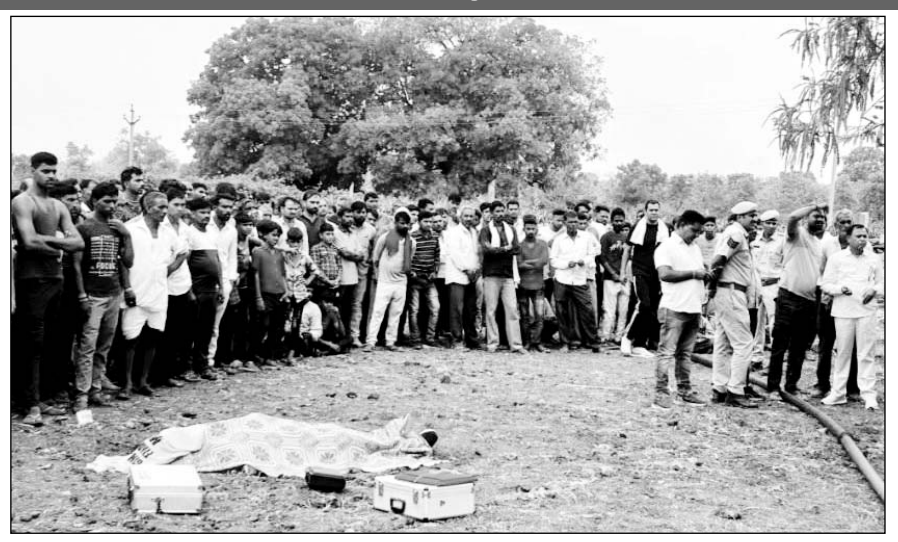

चाँदजी की खेड़ी में धर्मराज की हत्या के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की।

मृतक धर्मराज धाकड़।

बिजौलियां थाना प्रभारी उगमाराम बेनीवाल ने बताया कि चाँदजी की खेड़ी निवासी धर्मराज (27) पुत्र कन्हैयालाल घाकड़ की हत्या होने की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना स्थल का जायजा लिया और शव को बिजौलियां अस्पताल की मोर्चरी में लाकर पोस्टमार्टम कराया। घटना स्थल पर शव के पास ही मिर्ची पॉउडर भी बिखरा हुआ मिला। वारदात स्थल को सीज किया गया और उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया। बताया गया कि मृतक धर्मराज धाकड़ अपने एक रिश्तेदार को पांच मिनट में वापस आने की बात कहकर सलावटीया निकला था।

मृतक धर्मराज के चचेरे भाई भवानी धाकड़ ने बताया कि चांदजी की खेड़ी निवासी धर्मराज (27) पुत्र कन्हैयालाल घाकड़ गुरुवार शाम सात बजे सदा रामजी का खेड़ा गांव स्थित अपनी खान से सलावटिया पहुंचा। सलावटियां में अपने दोस्त अंशु धाकड़ की दुकान पर वो थोड़ी देर रुका। इसके बाद वो अपने दोस्त को पांच मिनट में खेत पर जाकर वापस आने और फिर खाना खाने की बात कहकर कार से निकल गया। मृतक धर्मराज का खेत सलावटीया से करीब 3 किलोमीटर दूर था। इसके बाद वो वापस नहीं लौटा तो दोस्त ने उसे फोन किया लेकिन धर्मराज ने फोन नहीं उठाया। इधर परिजनों ने भी जब फोन किया तो धर्मराज ने फोन नहीं उठाया। भवानी लाल धाकड़ ने बताया कि धर्मराज खान के काम से अक्सर देर रात तक बाहर रहता था तो परिजनों ने उसकी तलाश नहीं की।

शुक्रवार सुबह 6:30 बजे धर्मराज का छोटा भाई शुभम धाकड़ खेत पर गया तो उसे कार खेत के गेट पर खड़ी दिखी। पास ही मिर्ची पाउडर बिखरा हुआ था और धर्मराज का साफी (गले में पहनने वाला कपड़ा) मिला। जब वो खेत में गया था तो गेट से 60 फीट की दूरी पर उसे धर्मराज का खून से सना हुआ शव मिला। धर्मराज के सिर पर पत्थरों से वार करने के निशान थे। इसके बाद उसने परिजनों को मौके पर बुलाया। इस दौरान गांव वाले भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने बिजौलियां पुलिस थाने में सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया। गांव वालों का कहना है कि धर्मराज की जेब से नकदी और उसका मोबाइल सुरक्षित मिला है। परिजनों ने बताया कि अज्ञात लोगों ने धर्मराज की आंख में मिर्ची डालकर धोखे से उसकी हत्या की गई है। हालांकि पुलिस ने इस मामले में अभी कुछ नहीं कहा है।

माण्डलगढ़ डीएसपी कीर्ती सिंह ने बताया कि मर्डर की घटना को लेकर भीलवाड़ा से आई एफएसएल टीम ने घटना स्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। खनन व्यवसायी धर्मराज धाकड़ की हत्या को लेकर तथा एक सप्ताह में इलाके में हत्या की दूसरी वारदात होने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने सलावटीया-तिलस्वां सड़क मार्ग पर चक्काजाम कर दिया और पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। आक्रोशित ग्रामीणों ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराने पर अड़ गए।

मौक़े पर ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस का अतिरिक्त जाप्ता मौक़े पर तैनात किया गया। घटना के विरोध में सलावटीया ओर चाँदजी की खेड़ी के बाजार बंद रहे। माण्डलगढ़ पुलिस उप अधीक्षक कीर्ति सिंह और पुलिस के अन्य अधिकारियों की समझाइश पर आक्रोशित ग्रामीण शांत हुए। डीएसपी ने धर्मराज की हत्या का तीन दिन में पर्दाफाश करने का आश्वासन दिया। तब जाकर परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने हत्यारों की गिरफ्तारी को लेकर विशेष टीमें लगाई हैं।और साइबर तकनीक से भी हत्यारों का सुराग लगाने में पुलिस जुट गई हैं।

दूल्हा-दुल्हन की कार पुल की दीवार से टकराई, सात घायल

दो भाई अपनी दुल्हनों और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ कार से अहमदाबाद जा रहे थे

पाली, (निसं)। शादी के बाद दो भाई अपनी दुल्हनों और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ कार से अहमदाबाद जा रहे थे। ड्राइवर को नींद की झपकी आने से सुबह करीब चार बजे उनकी कार पुल की दीवार से टकरा गई। हादसे में दूल्हा-दुल्हन सहित परिवार के 7 लोग घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल भर्ती करवाया गया है।

- ड्राइवर को नींद की झपकी आने से कार पुलिया की दीवार से टकरा गई थी

शिवपुरा महेश गोयल ने बताया कि हादसा शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे पाली जिले के शिवपुरा थाना क्षेत्र के जाडन पूलिया पर हुआ। ड्राइवर को नींद की झपकी आने से कार पुलिया की दीवार से टकरा गई। हादसे में कार में सवार एक ही परिवार के 7 जने घायल हो गए। जिन्हें एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए जाडन चौकी के हेड कॉन्स्टेबल सुखलाल और कॉन्स्टेबल नाथूराम बांगड़ हॉस्पिटल ले गए। जहां उनका इलाज जारी है। क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की सहायता से जाडन चौकी में सुरक्षित रखवाया गया है

हादसे में दौसा जिले के प्यारा का नगला (महुआ) हाल अहमदाबाद चांदखेड़ा निवासी 22 साल के प्रदीप पुत्र चंद्रकांत मीणा, उनकी पत्नी 19 साल की लक्ष्मी मीणा, 25 साल के यतीश पुत्र चंद्रकांत मीणा, उनकी पत्नी 20 साल की वंदना मीणा, 19 साल की वनिता पुत्र चंद्रकांत मीणा, 50 साल की लीलावती पत्नी चंद्रकांत मीणा, 41 साल के ड्राइवर धर्म सिंह पुत्र रामसिंह घायल हो गए। जिनका इलाज पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में जारी है। हादसे की जानकारी मिलने पर ताराचंद मीणा सहित घायलों के परिचित बांगड़ हॉस्पिटल उनकी सार-संभाल कर रहे हैं।

साध्वी ऋतंभरा जोधपुर पहुंची

जोधपुर, (कासं)। अपनी बेबाकी के लिए पहचाने जाने वाली साध्वी ऋतंभरा आज सुबह जोधपुर पहुंची। वे निजी कार्य से यहां आई है। जोधपुर एयरपोर्ट पर उनके आगमन पर कई लोगों ने स्वागत सत्कार किया व माला पहनाकर साध्वी का आशीर्वाद लिया। उन्होंने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि भारतीय माता-पिता को अपने बच्चों में सनातनी बनने के संस्कार डालने चाहिए, जिससे कि वह अपने धर्म के प्रति आस्था रखें। राम मंदिर निर्माण पर उन्होंने कहा कि 500 साल से हमारे पूर्वज किसका इंतजार कर रहे थे। अब वह घड़ी आ गई है। 2024 में हमारा यह सपना पूरा हो रहा है, इसलिए आंखों में खुशी के आंसू है। वे आज जोधपुर में किसी शादी समारोह हिस्सा बनने आई है। बता दें कि गत दिनों इंदौर में साध्वी ऋतंभरा ने लव जिहाद को लेकर मंच से बड़ा बयान दिया था।

किशनगढ़ हवाई पट्टी से बड़े विमान भी भर सकेंगे उड़ान

किशनगढ़ हवाई पट्टी के विस्तार को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

अजमेर, (कासं)। जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने शुक्रवार को किशनगढ हवाई अड्डे की हवाई पट्टी विस्तार को लेकर नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारियों तथा अन्य विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। डॉ. भारती दीक्षित ने इसके विस्तार में आ रही समस्याओं के निकारण के बारे में चर्चा की।

उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे पर हवाई पट्टी के विस्तार से बडे विमानों का संचालन भी सुगम होगा। इसमें नागरिक उड्डयन निदेशालय के मानदण्डों के अनुरूप हवाई पट्टी विस्तार का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हवाई पट्टी विस्तार में एक तरफ पहाडी आने से तथा दूसरी तरफ प्रसार भारती का टावर आने से परेशानी आ रही है। इसके लिए वन विभाग, खनिज विभाग तथा प्रसार भारती को इस सम्बन्ध में कानून एवं नियमों की पालना करते हुए समन्वय कर रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे के विस्तार से अधिक विमानो का संचालन हो सकेगा। इससे नागरिकों की यात्रा सुलभ होने के साथ ही जिले की कनेक्टी भी बढ़ेगी।

घर में घुसकर मारपीट व तोड़फोड़ कर नाबालिग का अपहरण

चिड़ावा, (निसं)। चिड़ावा शहर के पास श्योपुरा गांव में गुरुवार रात साढ़े 11 बजे कुछ बदमाश एक घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गए और घर के लोगों से मारपीट कर एक नाबालिग का अपहरण कर ले गये। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस सक्रिय हुई।

डीएसपी शिवरतन गोदारा ने तुरंत मामले की गंभीरता को देखते हुए अलग-अलग टीमें गठित कर नाबालिग की तलाश शुरू कर दी है। अलग-अलग जगहों पर पुलिस दबिश दे रही है। वहीं आक्रोशित ग्रामीणों चिड़ावा थाने में एकत्र होकर प्रदर्शन किया। पुलिस थाने में दी गई नाबालिग के परिजन की ओर से दी गई रिपोर्ट में लिखा है कि नाबालिग श्योपुरा गांव में गुरुवार रात साढ़े 11 बजे वे अपने घर में सो रहे थे। तभी अचानक जोर का धमका हुआ और गेट टूटने की आवाज आई।

जिसके बाद नाबालिग के परिजन उठकर बाहर आए तो देखा कि एक गाड़ी में अंकित, दिनेश निवासी टीबा बसई हाल श्योपुरा, सुनील यादव निवासी लाखू, राजेंद्र, शिवा, योगी और करीब 15 जने आए और उनके साथ सरिए, रॉड आदि से नाबालिग के पिता, मां और भाई के साथ मारपीट की। इससे नाबालिग के भाई के सिर में गंभीर चोट आई और नाबालिग की मां भी घायल हो गई। जिसके बाद नाबालिग को एक गाड़ी में जबरन उठाकर अपने साथ ले गए। पीछा करते हुए परिवार के लोग भागे भी, लेकिन बदमाश गाड़ी चिड़ावा की ओर लेकर फरार हो गए।

इसके बाद घायलों को चिड़ावा के डीएसएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर विधायक जेपी चंदेलिया भी थाने पहुंचे और मामले में तुरंत कार्रवाई करने और नाबालिग को बरामद कर बदमाशों को गिरफ्तार करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इधर डीएसपी शिवरतन गोदारा ने कहा कि पुलिस की टीमें नाबालिग की तलाश में जुटी है। बदमाशों को पुलिस नहीं बख्शेगी।

ग्रामीणों ने दिया धरना :- चिड़ावा के श्योपुरा गांव की नाबालिग लड़की के अपहरण और उसके भाई व परिजनों से मारपीट की जाने के विरोध में पुलिस थाने के सामने पूर्व प्रधान शेर सिंह नेहरा, भाजपा जिला महामंत्री राजेश दहिया, आरएलपी नेता सुशील डांगी श्योपुरा के नेतृत्व में ग्रामीण धरना दिया। जिसमें ग्रामीण नाबालिग को दस्तयाब करने और आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि मांग पूरी होने तक धरना जारी रखा जाएगा। वहीं एएसपी तेजपाल सिंह, डीएसपी शिवरतन गोदारा की देखरेख में थानाधिकारी इंद्रप्रकाश यादव, पिलानी सीआई रणजीत सेवदा, डीएसटी प्रभारी कल्याण सिंह के नेतृत्व में पुलिस की टीम आरोपी की तलाश कर रही हैं।

- चिड़ावा के पास एक गांव में कुछ बदमाशों ने की वारदात
- पुलिस कर रही अपहरणकर्ताओं की तलाश

अपहरण और परिजनों से मारपीट के विरोध में ग्रामीणों ने धरना दिया।

जेवरात चुराने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)।शहर में निकली जगन्नाथ यात्रा के दौरान महिला के गले से जेवरात चुराने वाले को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 20 जून को शहर में निकली जगन्नाथ यात्रा के दौरान धानमण्डी थाना क्षेत्र तीज का चौक में ग्राउण्ड के पास भुपालपुरा निवासी प्रकाश पुत्र चन्द्रमोहन कुमावत की पत्नी विमला के गले से अज्ञात चोर सोने का मंगल सूत्र एवं चैन चुरा ले गया। इस दौरान विमला ने एक बदमाश को पकड लिया तथा पूछताछ करने पर उसने अपना नाम जयपुर निवासी सुरेश जाटव बताया। लेकिन बदमाश पूछताछ करने के दौरान ही चकमा देकर पीडिता से हाथ छुड़वा कर फरार हो गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक भूवन भूषण यादव के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर मंजीतसिंह, पुलिस उप अधीक्षक चांदमल के सुपरविजन में धानमण्डी थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में हेडकांस्टैबल राजेन्द्रसिंह मय टीम ने अनुसंधा में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी पलवन हरियाणा निवासी राजेश पुत्र रमेश जाटव को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपी के कब्जे से चोरी किए जेवरात बरामद कर पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक पूछताछ मे बताया कि अहमदाबाद से गांव लौटते समय ट्रक चालक सुखेर बाईपास छोड़ गया।

16 हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

16 हजार रूपये की राशि के साथ पटवारी को गिरफ्तार किया।

मालपुरा/टोंक, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टोंक की टीम ने कार्यवाही करते हुए एक पटवारी को 16 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पटवारी परिवादी से उसके खातेदारी भूमि का सीमा ज्ञान कर पत्थरगढ़ी करने की एवज में 20 हजार रूपये की रिश्वत की मांग कर परेशान कर रहा था।

भ्रष्टाचार निरोधक निरोधक ब्यूरो टोंक टीम ने परिवादी की शिकायत की पुष्टि होने पर कार्यवाही करते हुए टोडारायसिंह क्षेत्र की दाबडदूम्बा हल्का पटवारी को परिवादी से 16 हजार रूपये की रिश्वत राशि लेने पर रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

एसीबी टीम प्रभारी ने बताया कि परिवादी द्वारा एसीबी कार्यालय में की गई शिकायत में बताया कि हल्का पटवारी भैरूलाल जाट उसकी खातेदारी भूमि का सीमाज्ञान कर पत्थरगढ़ी करवाने की कार्यवाही की एवज में 20 हजार रूपये की रिश्वत राशि मांग उसे परेशान कर रहा है। परिवादी की शिकायत की पुष्टि होने पर शुक्रवार को एसीबी टीम ने जाल बिछा पटवारी को 16 हजार रूपये की रिश्वत राशि के रंगे हाथ ट्रैप की कार्यवाही की। एसीबी में मामला दर्ज कर महानिदेशक सवाईसिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपी पटवारी से पूछताछ की जा रही है। तथा भ्रष्टचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत अनुसंधान शुरू किया गया।

धार्मिक स्थल पर की गई कार्रवाई का विरोध

साधु संत पहुंचे कमिश्नर के पास, ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की

जोधपुर (कासं)। शहर के सिद्धनाथ रोड पर गत दिनों पुलिस और वन विभाग की तरफ से साधु-संतों की तपोभूमि पर की गई कार्रवाई को लेकर शुक्रवार को साधु संतों का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस आयुक्त से मिला और कार्रवाई के विरोध में ज्ञापन दिया और निष्पक्ष जांच की मांग की।

शहर के राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ रोड पर एक धार्मिक स्थल पर हुई प्रशासन की कार्रवाई को लेकर अब संत समाज विरोध में उतर आया है। संतों ने अपना धरना भी शुरू कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस और वन विभाग ने किसी के दबाव में आकर यहां कार्रवाई की है।

साधु संतों के प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि वन विभाग और पुलिस प्रशासन ने मिलकर यहां की मूर्तियों को तोड़ दिया जिससे संत समाज में रोष है। उन्होंने संत समाज की मांगे नहीं मानने पर देशभर के साधु संतों के साथ आंदोलन की चेतावनी दी।

औघड़नाथ महाराज ने बताया कि यहां पर हरिओम बाबा का 100 साल पुराना प्राचीन धूणा था। उन्होंने यहां पर तपस्या की थी। पिछले 12 साल से यहां संत रह रहे थे। इसके बाद यहां पूरा मंदिर तोड़ दिया, धूणा क्षतिग्रस्त कर दिया। मूर्तियां तोड़ कर पानी में डाल दी गई। शिवलिंग को खंडित कर दिया गया। साधु संतों की तपोभूमि को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके आलावा आश्रम में रखा सामान, सोने चांदी के छत्र, फ्रिज, बर्तन भी ले गए। इसलिए प्रशासन मामले में शामिल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

जानकारी के अनुसार इस स्थान पर कुछ दिन पहले वन विभाग और पुलिस ने लोगों की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। तलाशी के समय यहां नशीला पदार्थ गांजा और हथियार भी बरामद किया गया था। हत्या प्रयास का प्रकरण भी बनाया गया था। जिसमें एक व्यक्ति को गिरफ्तार जेल भिजवाया गया था।

जमीन विवाद में व्यक्ति की हत्या

उदयपुर, (निसं)। जिले के बैकरिया थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर तीन भाईयों व साथियों ने मिल कर व्यक्ति की हत्या कर दी। इस दौरान बचाव में आए दो लोग घायल हो गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार रात में आपसी रंजिश के चलते बैकरिया थाना क्षेत्र तुली का खेत गांव में जमीन विवाद को लेकर तुली का खेत निवासी काना पुत्र वीरमा, रामा, मना, किसना पुत्र सिंगा कुल्हाडी से हमला कर पड़ोसी भीमाराम गरासिया की हत्या कर फरार हो गए। इस दौरान बचाव में आए दो व्यक्ति भी घायल होगए। भीमा व आरोपियों के बीच जमीन को लेकर विवाद होकर रंजिश चल रही थी।

घटना वाली रात में खेत पर काम करते समय विवाद होकर पर आरोपी हमला कर फरार हो गए। दूसरे दिन घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने पीडिता चंपादेवी की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की।

मंदिर में मूर्तियां तोड़ी, लोगों में रोष

शाहपुरा, (निसं)। शहर के देवन रोड पर कांट कट के समीप शिव मंदिर में गुरुवार रात्रि को समाजकंटकों के द्वारा शिव जी मूर्तियों को खंडित कर दिया गया। पार्षद कृष्ण कुमार मीणा, रवि मीणा, सुरेश सैनी ने बताया कि यह मंदिर प्राचीन समय से है यह आस्था का केंद्र है। लोगों में इस वारदात को लेकर रोष व्याप्त है और अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की गई।

करोड़ों की ठगी कर फरार होने वाले के खिलाफ तीस से ज्यादा लोगों ने शिकायत दी

हरी ओम एंटरप्राइजेज द्वारा लक्की ड्रॉ निकाले जाने के नाम पर तीन हजार लोगों के साथ दस करोड़ रुपयों से ज्यादा की ठगी का मामला

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में संचालित हरी ओम एंटरप्राइजेज द्वारा लक्की ड्रॉ निकाले जाने के नाम पर तीन हजार लोगों के साथ दस करोड़ रुपयों से ज्यादा की ठगी किये जाने के बाद आज उन हजारो गरीब मजदूरों और पीड़ित परिवारों की आंखों में आंसू है जिनकी मेहनत की कमाई को गबन करके आरोपी संचालक गोपाल उदय रातों रात फरार हो गया। ठगी के शिकार हुए पीड़ित रामचन्द्र चौहान की रिपोर्ट पर पुष्कर पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं दूसरी और गोपाल उदय की ठगी के शिकार होकर अपनी मेहनत की कमाई गवां चुके हजारों मजदूरों की आंखों में आज आंसू निकल रहे हैं।

पुष्कर में चिटफंड कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन करते लोग।

खुलासा किये जाने के बाद से ही सैकड़ों मजदूरों एवं पीड़ित परिवारों ने फोन करके उनके साथ भी ठगी होने की जानकारी दी। पीड़ित लोगों का कहना रहा कि उन्होंने अपने खून पसीने की कमाई का हिस्सा निकालकर इस उम्मीद में गोपाल उदय की हरी ओम एंटरप्राइजेज में जमा करवाये थे कि बुरे वक्त में वह पैसे काम आएंगे। लेकिन लक्की ड्रॉ स्किम खत्म होने के साथ ही आरोपी गोपाल उदय अपने परिवार सहित पुष्कर से फरार हो गया। अब बीते तीन चार दिनों से ठगी के शिकार लोग हैरान परेशान होकर गोपाल उदय के ऑफिस और घर के चक्कर लगाकर उसका पता लगाने में जुटे है लेकिन अफसोस अभी तक उसका कही पता नही चल पा रहा है।

ठगी के शिकार अन्य कई युवक और मजदूर भी आरोपी गोपाल उदय के खिलाफ शुक्रवार को पुष्कर थाने में मुकदमा दर्ज करवाने गए। उन्हें उम्मीद है कि आज नहीं तो कल आरोपी उदय पुष्कर पुलिस की गिरफ्त में जरूर होगा।

जानकारी के अनुसार आपको बता दें कि आरोपी उदय ने साल 2020 में लक्की ड्रॉ खोले जाने की एक स्किम लांच कर तीन हजार लोगों को उसका मेम्बर बनाया था। जिनसे ढाई साल तक हर महीने 1-1 हजार रुपयों की वसूली की गई। इस दौरान उदय ने विश्वास हासिल करने के लिए कुछ लोगो को छोटे मोटे इनाम भी वितरित किए तो कई लोगों के साथ बहानेबाजी करके उन्हें धोखे में भी रखता रहा, लेकिन विगत 20 मई को आखिरी किश्त के पैसे वसूल करने के बाद से ही उदय अपने शौरूम पर ताला लगाकर फरार हो गया। खास बात यह है इस मामले में आरोपी उसकी पत्नी एवं भतीजों के फोन स्विच ऑफ है और वे भी फरार हैं। जिनकी पुष्कर पुलिस सरगर्मी से तलाश करने में जुटी है। लोगों ने स्थानीय न्यायालय के बाहर गोपाल के खिलाफ नारेबाजी की और आप बीती बताई। इसके बाद सभी एक साथ पुष्कर थाने गए।

संक्षिप्त

रथ यात्रा महोत्सव आज

श्रीमाधोपुर, (निसं)। श्रीमाधोपुर में शनिवार को भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव मनाया जाएगा। मंदिर श्री गोपीनाथजीका के महंत मनोहर शरण दास ने बताया कि गोपीनाथ जी के मंदिर में दोपहर 12 से श्री जगन्नाथ कथा का आयोजन किया जाएगा वहीं दोपहर 2 बजे से मंदिर गोपीनाथ जी के मंदिर से भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा प्रारंभ होगी। सायंकाल 7 बजे समापन व महा आरती का आयोजन किया जाएगा। मंदिर में सायंकाल 5:15 बजे से सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद का आयोजन रखा गया है। बताया गया है कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा जी विशाल 21 फीट ऊंचे रथ में विराजमान होकर नृत्य मय संकीर्तन व लवाजमे के साथ रथयात्रा निकाली जाएगी।

8 लाख 35 हजार वसूले

निवाई, (निसं)। विद्युत वितरण निगम द्वारा चलाए जा रहे राजस्व वसूली अभियान के तहत विद्युत उपभोक्ताओं के बकाया लाखों रूपये की वसूली की गई एवं 56 उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन काटे गए। विभाग के सहायक अभियंता कैलाशचन्द माली ने बताया कि राजस्व वसूली अभियान को लेकर कनिष्ठ अभियंता राघव अग्रवाल, लक्की गोठवाल एवं अभियांत्रिक पर्यवेक्षक मनोजलाल मीणा एवं राजेश शर्मा मय टीम के विद्युत उपभोक्ताओं की बकाया राशि 8 लाख 35 हजार रूपये की वसूली की गई एवं 56 उपभोक्ताओं के 1 लाख 65 हजार रूपये बकाया होने पर उनके विद्युत कनेक्शन काटे गए।

देशी शराब बेचता एक जना गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। थाना बरोनी थानाधिकारी हरिराम के सुपरविजन में का. गजेन्द्र सिंह मय जाप्ता द्वारा आबकारी अधिनियम में आरोपी चेतन कुमार कीर पुत्र प्रहलाद कीर निवासी मुण्डिया खुर्द तह. दूनी जिला टोंक को देशी शराब के ढोला मारू के 52 पव्वे बेचते गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय अति. न्यायिक मजिस्ट्रेट टोक के समक्ष पेश किया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी के नेतृत्व में सांसद-विधायकों ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

- प्रदेश में कानून व्यवस्था ठप्प, गूंगी बहरी कांग्रेस सरकार, महिलाओं पर बढ़ रहे हैं अत्याचार : सीपी जोशी
- मुख्यमंत्री की सरपरस्ती में चल रहा है भ्रष्टाचार का खुला खेल : राजेन्द्र राठौड़

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और नेता प्रतिपक्ष राजेंन्द्र राठौड़ के नेतृत्व में सांसदों व विधायकों ने राज्यपाल कलराज मिश्र को ज्ञापन दिया।

जयपुर। प्रदेश की गहलोत सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार, महिला एवं दलित उत्पीड़न, पेपर लीक और बदहाल कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा के सांसद और विधायकों की प्रदेश कार्यालय में बैठक आयोजित हुई। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और नेता प्रतिपक्ष राजेंन्द्र राठौड ने इन सभी मुद्दों पर सांसदों और विधायकों को संबोधित किया। उसके बाद भाजपा कार्यालय से पैदल मार्च करते हुए सभी नेता राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने राजभवन पहुंचे।

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भाजपा के सांसद और विधायकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार, बलात्कार, दलित उत्पीड़न, रीट भर्ती घोटाला, जलजीवन मिशन घोटाला सहित सैंकडों ऐसे घोटाले और जनविरोधी काम हैं जिनसे प्रदेश की प्रतिष्ठा धूमिल हो गई है। बीकानेर के खाजूवाला में दलित युवती से दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में गहलोत सरकार आरोपियों को गिरफ्तारी से बचा रही है। पुलिस के आला अधिकारी गिरफ्तारी के बजाय आरोपियों को दो दिन तक हिरासत में रखती है। जिस पुलिस पर रक्षा और सुरक्षा का जिम्मा है वह खुद रक्षक बनकर भक्षक का काम कर रही है।

कांग्रेस 2018 विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में किए सभी वादों से मुकर गई झूंठ और लूट की इस सरकार का खामियाजा जनता भुगत रही है। सीपी जोशी ने बिपरजॉय चक्रवात का हवाला देते हुए कहा कि मौसम विभाग की पूर्व चेतावनी के बावजूद प्रदेश की सरकार जनता को सुरक्षा साधन मुहैया नहीं करा पाई। गुजरात में जहां बिपरजॉय तूफान की गति सौ से डेढ किलोमीटर प्रति घंटा थी, वहीं राजस्थान में महज पचास से साठ किलोमीटर प्रति घंटा उसके बावजूद गुजरात में कोई जनहानि नहीं हुई जबकि राजस्थान में पन्द्रह से अधिक लोग मारे गये और कई रिहायशी क्षेत्र बाढ़ग्रस्त हो गये। उसके बाद भी सरकार पीडित परिवारों को धरातल पर राहत देने के बजाय हवाई सर्वे करके खानापूर्ति करती है।,

गहलोत सरकार पर आरोप लगाते हुए नेता प्रतिपक्ष राजेंन्द्र राठौड ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री की सरपरस्ती में भ्रष्टाचार का तांडव है, जिसमें आईटी घोटाला, खान घोटाला, जल जीवन मिशन घोटाला, पेपर लीक सहित अन्य घोटाले शामिल हैं। लम्पी वायरस के नाम पर सरकार 70 हजार से ज्यादा पीडित पशुपालकों को मुआवजा देने की घोषणा करती है, लेकिन मुआवजा देने के समय यह संख्या घटकर महज 42 हजार हो जाती है। खाजूवाला में पुलिसकर्मी दलित युवती से दुष्कर्म के बाद हत्या के आरोपी के रूप में नामजद होते हैं।

राजेंन्द्र राठौड ने विधायकों से कहा कि आगामी जुलाई माह के दूसरे सप्ताह में मानसून सत्र बुलाया जाएगा। यह सत्र महज सात से आठ दिन का होगा, जिसमें हमें एकजुट होकर भ्रष्टाचार और महिला एंव दलित उत्पीडन के मामलों को प्रमुखता से उठाना है। पूर्व मंत्री एंव विधायक मदन दिलावर के खिलाफ हत्या का फर्जी मामला दर्ज करने जैसी तमाम घटनाओं से भाजपा नेताओं के खिलाफ पक्षपात पूर्ण कार्यवाही करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री एवं सांसद दिया कुमारी, राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राजेन्द्र गहलोत, घनश्याम तिवाड़ी, किरोड़ी लाल मीणा, रामचरण बोहरा, निहालचंद मेघवाल, रंजीता कोली, बाबा बालकनाथ, सुमेधानंद सरस्वती, मनोज राजौरिया, सुखबीर सिह, जसकौर मीणा, मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा, कालीचरण सराफ, दिप्ती माहेश्वरी, शोभा चौहान, सुर्याकान्ता व्यास, मदन दिलावर, संजय शर्मा, मनजीत चौधरी और भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

करणसर में दिखा मैराथन का जुनून

जयपुर। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के आशुसिंह सूरपुरा की मुहिम रन फॉर झोटवाड़ा का जुनून करणसर ग्राम पंचायत वासियों के सिर चढ़कर बोला।

स्वच्छ झोटवाड़ा-स्वस्थ झोटवाड़ा की इस पहल को कामयाब बनाने के लिए करणसर के लोगों में ज़बरदस्त उत्साह देखने को मिला। गांव के रघुनाथ जी मंदिर से जनसेवक आशु सिंह सूरपुरा की अगुवाई में शुरू हुई दौड़ में सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासियों ने हिस्सा लिया। जोश और जुनून से लबरेज गांव के बच्चे, युवा और बुजुर्गों ने खक बाबा धाम तक दौड़ लगाकर स्वस्थ रहने का संकल्प लिया। मैराथन के खक बाबा धाम पहुंचने पर आशु सिंह ने खक बाबा के दर्शन कर समस्त क्षेत्रवासियों के अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। मैराथन के समापन के बाद गांव के तमाम मौजीज लोगों ने आशु सिंह सूरपुरा का पगड़ी पहनाकर और फूल मालाओं से ज़ोरदार स्वागत किया। इसके बाद करणसर ग्राम पंचायत में बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से ज़्यादा अंक हासिल करने वाले 95 प्रतिभावान विद्यार्थियों को सूरपुरा ने प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर उनका हौसला बढ़ाया। आशु सिंह ने सूरपुरा पेंशन योजना के तहत गांव के 11 ज़रूरतमंदों को तीन तीन महीने के पेंशन देकर सहायता प्रदान की। आपको बता दें कि आशु सिंह सूरपुरा द्वारा झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के हर ग्राम पंचायत में रन फॉर झोटवाड़ा और प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

प्रतिभाओं को सम्मानित किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। निकटवर्ती गांव मऊ में सर्व समाज के बैनर तले बोर्ड परीक्षाओं में अव्वल विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि युवाम के निदेशक मान सिंह शेखावत थे। अध्यक्षता डॉक्टर माधव सिंह ने की। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मान सिंह शेखावत ने कहा कि ग्रामीण अंचल में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। लेकिन उचित मार्गदर्शन व संसाधनों के अभाव में प्रतिभावान विद्यार्थी सही करियर का चयन नहीं कर पाते। समारोह में डॉक्टर मंगल यादव, श्याम चौधरी, प्रधानाचार्या ममता अग्रवाल, प्रधानाचार्य हनुमान सहाय, प्रोफेसर अर्जुन मावलिया, सहित अतिथियों ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया।

कोर कमेटी की बैठक संपन्न

- आगामी कार्यक्रमों पर हुई चर्चा
- पूर्व मुख्यमंत्री नहीं हुई शामिल

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में शुक्रवार को कोर कमेटी की बैठक आयोजित हुई।

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कोर कमेटी की बैठक में केन्द्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को लेकर यह माह महासम्पर्क अभियान से लेकर अनेकों योजनाओं को लेकर चर्चा हुई। अगले माह राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के प्रवास कार्यक्रम आयोजित होंगे। सीपी जोशी ने कहा कि पिछले साढे चार वर्षों में बदहाल कानून व्यवस्था, महिला एवं दलित उत्पीडन, भ्रष्टाचार, आपदा प्रबंधन के दावों की पोल खुलना, रीट एवं योजना आयोग में नकदी मिलना जैसे मुद्दों पर आगामी माह प्रदेश भाजपा गहलोत सरकार का घेराव करेगी। बैठक में उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पूनियां शामिल हुये, जिसमें मिशन 2023 एवं मिशन 2024 सहित प्रदेश के संगठनात्मक और जनहित के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रदेश भाजपा कोर कमेटी बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश सह प्रभारी विजया रहाटकर, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, वरिष्ठ नेता एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम प्रकाश माथुर, राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, सांसद राजेंद्र गहलोत इत्यादि मौजूद रहे।

सार-समाचार

यूनिफॉर्म सिविल कोड पर गोष्ठी

जयपुर। भारत के 22वें विधि आयोग (लो कमीशन) द्वारा समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) विषय पर आम नागरिकों से सुझाव व विचार आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में शुक्रवार को दी डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन जयपुर के सभागार में अधिवक्ताओं की एक गोष्ठी समान नागरिक संहिता पर विचार विमर्श हेतु रखी गई। कार्यक्रम की प्रस्तावना सुरेंद्र सिंह रुका एडवोकेट द्वारा रखे जाकर बताया कि 26 नवम्बर 1949 को संविधान बना, तब अनुच्छेद 44 में आम जन के लिए समान नागरिक संहिता का प्रावधान रखा लेकिन अभी तक लागू क्यों नहीं किये गये एवं लागू करने के लिए लो कमीशन को अधिवक्ताओं की ओर से दिए जाने हेतु सुझाव माँगे। मुख्य वक्ता पुनीत कर्नावट द्वारा बताया गया है कि अनुच्छेद 14, 15, 21 की मंशा समान नागरिक संहिता के लागू होने पर ही भावना अनुरूप विधि सम्मत रहेगी। सूर्य प्रताप सिंह, विवेक शर्मा बार अध्यक्ष व दुष्यंत सिंह ने भी अपने विचार रखे सतीश शर्मा द्वारा मंच संचालन किया गया है। सुरेश मानका का द्वारा अधिवक्ताओं को धन्यवाद देते हुए लो कमीशन को अधिवक्ताओं की ओर दिए सुझावों को एकत्रित किया। जिन्हें लो कमीशन को भेजे जाएंगे। संगोष्ठी में सैकडों की संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

धनकड़ के जन्मदिन पर कार्यक्रम होंगे

पावटा, (निसं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा और समर्पण अभियान से प्रेरित होकर भाजपा पूर्व प्रदेश महामंत्री कुलदीप धनकड़ का जन्मदिन सेवा सप्ताह के रूप में मनाया जायेगा। जिसके तहत विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। भाजपा पूर्व प्रदेश महामंत्री कुलदीप धनकड़ ने बताया कि 25 जून से 1 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान में गांव-गांव जाकर ग्रामीणों से संपर्क और संवाद करेंगे। इसके दौरान सेवा कार्यों की भी योजना बनाई गई है। जिसके दौरान 25 जून को शिव निकेतन पब्लिक स्कूल जयसिंहपुरा में सुबह 9 बजे से रक्तदान शिविर व श्री सीता राम मंदिर छितौली में 11 बजे शिल्पकार समान समारोह, 26 जून को मुख्य बाजार खेलना में वरिष्ठ नागरिक समान समारोह, 27 जून को सेवा सुशासन व गरीब कल्याण को समर्पित मोदी सरकार के 9 साल पूर्ण होने पर मुख्य बस स्टैंड मेड में दोपहर 3 बजे जन संवाद कार्यक्रम, 28 जून को राम लीला भवन त्रिवेणी धाम में सुबह 10 बजे संत समाज समान समारोह, 29 जून गुरुवार को पंसारी होटल एण्ड रिसोर्ट में सुबह 10 बजे रक्तदाता सम्मान समारोह , 30 जून को कुशल्या की ढाणी खेल मैदान बीलवाडी में सुबह 10 बजे से माटी कला कलाकार एवं भूत पूर्व सैनिक समान समारोह, सामुदायिक भवन के पास कुहाडा में शाम 4 बजे से श्रमिक सम्मान समारोह, 1 जुलाई को सुबह 7 बजे श्री कृष्ण गौशाला बडनगर में गौ सेवा, बाबा बजरंग दास महाराज मंदिर परिसर कारोली में सुबह 10 बजे वीरांगना सम्मान समारोह, सरकारी अस्पताल के सामने बडनगर में शाम 4 बजे प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा।

स्पेशल ट्रेन के ठहराव की मांग

खैरथल, (निसं)। विधायक दीपचंद खेरिया ने उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक को पत्र लिखकर इंदौर भिवानी इंदौर स्पेशल ट्रेन को खैरथल में ठहराव दिलाने की मांग की है। विधायक द्वारा महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे जवाहर सर्किल जयपुर को प्रेषित पत्र में कहा है कि स्पेशल गाड़ी संख्या 09325/26 को नवीन जिला खैरथल में ठहराव देने का आग्रह किया है।उन्होंने पत्र में कहा है कि इंदौर भिवानी इंदौर के बीच स्पेशल गाड़ी संख्या 09325/26 संचालित है। इस गाड़ी को नवीन जिला मुख्यालय खैरथल में ठहराव दिया जाए ताकि भीलवाड़ा चितौड़गढ़ इंदौर तक आने जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिल सके व रेल राजस्व में भी वृद्धि हो सके।

योजनाओं की जानकारी दी

टोंक, (निसं)। शुक्रवार को जिला प्रशासन व एक्शन एड के तत्वावधान में मिशन विमुक्तजन उन्नयन अंतर्गत घुमंतु समुदाय के लोगों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने व पात्र वंचित लोगों को योजनाओं से जोड़ने हेतु जागरूकता शिविर का आयोजन कलंदर बस्ती बहीर में किया गया। जिसमें घुमंतु समुदाय के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कैम्प में सरकार द्वारा चलाई जाने वाली विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही महंगाई राहत शिविरों के बारे में भी विस्तार से बताया। इसके अतिरिक्त बाल अधिकारिता विभाग, अल्पसंख्यक विभाग, चिकित्सा विभाग, श्रम विभाग व सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं के बारे में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों व एक्शनएड वोलन्टियर्स द्वारा जानकारी दी गई मौके पर ही समस्याओं का निस्तारण किया गया। एक्शनएड समन्वयक जहीर आलम ने बताया कि जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल द्वारा टोंक जिले में विमुक्त, घुमंतु, अर्धघुमंतु एवं अन्य वंचित जातियों को समाज की मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से मिशन विमुक्तजन उन्नयन शुरू किया गया है।

बिना स्वीकृत पद पर कर दिया तबादला, हाईकोर्ट ने लगाई रोक

जयपुर, (निसं)। राज्य सरकार ने राजकीय महाराजा पब्लिक लाइब्रेरी, जयपुर में कार्यरत कनिष्ठ सहायक का कोटपूतली लाइब्रेरी में तबादला कर दिया, लेकिन वहां कनिष्ठ सहायक का पद ही स्वीकृत नहीं है।

ऐसे में कनिष्ठ सहायक की ओर से हाईकोर्ट में राज्य सरकार के इस आदेश को चुनौती दी गई। जिस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कनिष्ठ सहायक के तबादले पर अंतरिम रोक लगाते हुए अतिरिक्त शिक्षा सचिव और भाषा एवं पुस्तकालय विभाग के निदेशक सहित अन्य से जवाब तलब किया है।

जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस अनिल उपमन की खंडपीठ ने यह आदेश शिव शंकर की अपील पर दिए। अपील में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता राजकीय महाराजा पब्लिक लाइब्रेरी में कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत है। राज्य सरकार ने गत जनवरी माह में उसका तबादल राजकीय पब्लिक जिला लाइब्रेरी कोटपुतली कर दिया। जबकि वहां पर कनिष्ठ सहायक का पद ही स्वीकृत नहीं है। ऐसे में याचिकाकर्ता का तबादला वहां नहीं किया जा सकता। यदि याचिकाकर्ता वहां जाएगा तो भी बिना स्वीकृत पद किसका पदभार ग्रहण करेगा। किसी भी कर्मचारी का तबादला उसी स्थान पर हो सकता है, जहां उस पद का स्वीकृत कैडर हो। याचिका में कहा गया कि पूर्व में इस मामले में उसने सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण में चुनौती दी थी। जिस पर सुनवाई करते हुए अधिकरण ने राज्य सरकार को याचिकाकर्ता का अभ्यावेदन तय करने को कहा था, लेकिन राज्य सरकार ने उसके अभ्यावेदन को खारिज कर दिया। इसलिए उसके तबादला आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई जानी चाहिए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने तबादला आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

कोटपा एक्ट में कार्रवाई की

लालसोट/रामगढ़ पचवारा, (निसं)। उपखंड मुख्यालयों पर शुक्रवार को राष्ट्रीय तंबाकू मुक्त नियंत्रण कार्यक्रम के तहत खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में गठित टीमों द्वारा नियमों के उल्लंघन करते पाए जाने पर करीब एक दर्जन जगहों पर से 540 लोगों पर कार्रवाई करते हुए 1861 रुपए की जुर्माना राशि वसूली गई। टोबेको फ्री यूथ कैपेंन 1 जून से 31 जुलाई तक राष्ट्रीय तम्बाकु मुक्त नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत ब्लॉक रामगढ पचवारा व ब्लॉक लालसोट के अधीनस्थ कार्यरत समस्त चिकित्सा संस्थानों पर कोटपा एक्ट अधिनियम की धारा 4,5,6,7 की पालना में डॉ. धीरज कुमार शर्मा बीसीएमओ लालसोट द्वारा शुक्रवार को प्रति चिकित्सा संस्थान पर 50 चालान काटने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। जिसकी पालना में गठित टीम द्वारा कार्रवाई की गई।

संभागीय आयुक्त ने महंगाई राहत शिविर में गारंटी कार्ड बांटे

संभागीय आयुक्त सीआर मीणा (बीच में) ने महंगाई राहत शिविर में गारन्टी कार्डों का वितरण किया।

मालपुरा, (निसं)। अजमेर संभागीय आयुक्त सीआर मीणा शुक्रवार को मालपुरा क्षेत्र के दौरे पर रहे।

संभागीय आयुक्त ने राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मालपुरा का औचक निरीक्षण कर मुख्यमंत्री चिंरजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, नि:शुल्क जांच व दवा योजना, जननी सुरक्षा योजना की जांच कर रोगी वार्डों में साफ-सफाई की व्यवस्थाएं देखी। वार्डों में फैली गंदगी व बिना रंगीन पॉलिथिन के अलग-अलग कचरा निस्तारण की व्यवस्थाएं नहीं होने पर नाराजगी जता व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिये। सीएचसी प्रभारी डॉ. अनिल मीणा से अस्पताल के चिकित्सक व नर्सिंग स्टाफ सहित अस्पताल में अतिआवश्यक सेवाओं की जानकारी जुटाई। जिस पर मौजूद नागरिकों व सीएचसी प्रभारी ने अस्पताल में नये वार्ड का निर्माण करवाने तथा 100 बैड की सुविधाऐं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ अस्पताल में सोनोग्राफी एवं ब्लड बैंक की स्वीकृति की बेहद आवश्यकता जताई। साथ ही ट्रॉमा सेन्टर की स्वीकृति के लिए राज्य सरकार को प्रोपजल की मांग की है। डिग्गी मे आंगनबाडी केन्द्र का निरक्षण कर उडान योजना, महिलाओं को नेपकिन वितरण व उसकी गुणवत्ता संबंधी व्यवस्थाऐं जांची। पंचायत समिति परिसर में लगे महंगाई राहत शिविर में लाभार्थियों को मुख्यमंत्री गारन्टी कार्डों का वितरण किया। इस दौरान एसडीएम महिपाल सिंह सहित एएसपी राकेश कुमार बैरवा, डीवाईएसपी सुशील मान,सहित प्रशासनिक अधिकारियो की बैठक ले अतिसंवेदनशील मालपुरा मे शांति व कानून व्यवस्था विशेष फोकस रखने के निर्देश दिये।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक (भारत सरकार का उपक्रम)

Punjab & Sind Bank Zonal Office

30-31 Mohan Tower, Prince Road, Vidhyut Nagar jaipur- 302021 Phone No. 0141-2358350,2358628

परिशिष्ट - IV क { नियम 8 (6) परन्तुक देखें} अचल संपत्तियों के विक्रय हेत ई - नीलामी विक्रय नोटिस

प्रतिभूत हित (प्रर्वतन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस आम लोगों को तथा विशेष रूप से ऋणीयों/जमानतदारो को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्तिया जो बैंक के पास गिरवी/प्रभारित है, का कब्जा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को ''जहाँ है, जैसी है और जो कुछ भी है'' के आधार दिनांक 26.07.2023 को बेचा जाएगा। ऋणीयों/जमानतदारो की सम्पत्तियों का विवरण, प्रत्याभूति- दाता आरक्षित मूल्य अग्रिम धनराशि व समय का विवरण निम्न तालिका अनुसार होगा ।

क्र. स.	ऋणीयों/सह-ऋणी/ जमानतदारो का नाम	ज्ञात ऋण भार सहित अचल सम्पत्तियो प्रत्याभूति - दाता का संक्षिप्त ब्यौरा	कुल बकाया राशि	आरक्षित मूल्य अग्रिम धनराशि बोली वृद्धि राशि	सम्पत्तियो के निरीक्षण की दिनाक एंव समय	अग्रिम धनराशि जमा करवाने की अन्तिम दिनांक एंव समय	ई - नीलामी की दिनाक एंव समय
1.	(1) श्रीमती नसीम पत्नी श्री जाकिर हुसैन (2) श्री जाकिर हुसैन पुत्र श्री मोहम्मद नूर खां समस्त निवासी पता-(i) 159, लुहारो का रास्ता, बम्बोर दरवाजा, वार्ड नं. 38, पुरानी टोंक , टोंक ,राजस्थान-304001 (ii) फ्लेट नं. जी 02, भूतल, प्लॉट नं. 575 के पीछे की तरफ (उत्तरी भाग का हिस्सा), मुहाना मण्डी के पास, गेट नं. 2, स्वर्ण विहार, मुहाना मण्डी, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान-302029 (3) श्री पवन कुमार गुप्ता पुत्र श्री मुरलीधर गुप्ता पता प्लॉट नं. 89ए, जे.एस. कॉलानी, रोड नं. 17, वी.के.आई सीकर राडे , आकेडा डगूंर, जयपुर, राजस्थान-302013	फ्लेट नं. जी 02, भूतल, प्लॉट नं. 575 के पीछे की तरफ (उत्तरी भाग का हिस्सा), मुहाना मण्डी के पास, गेट नं. 2, स्वर्ण विहार, मुहाना मण्डी, सांगानेर , जयपुर में स्थित है जो की श्रीमती नसीम पत्नी श्री जाकिर हुसैन के नाम सें है । जिसका क्षेत्रफल 1163 वर्गफीट (सुपर बिल्टअप ऐरिया) है। चतुर्थ सीमाएं :- उत्तर :-प्लॉट नं. 574, दक्षिण :-प्लॉट नं. 575ए का दक्षिणी शेष भाग, पूर्व :-खुली जगह व 40 फीट रोड पश्चिम:-सीडी व गलियारा व फ्लेट नं. जी-1	रूपये 30,74,293 (अक्षरे रूपये तीस लाख चौहत्तर हजार दो सौ तिरान्वे मात्र) दिनांक 31.05.2023 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	रु. 24,59,700/- रु. 2,45,970/- रु. 10,000/- प्रति बोली	24.07.2023 को प्रात: 11.00 से दोपहर 3.00 बजे तक	25.07.2023 को सायं 4.00 बजे तक केवाईसी डोक्यूमेंट्स के साथ शाखा :विवेक विहार,जगतपुरा, जयपुर नोडल अधिकारी श्री मनोज कुमार सांखला मो. 7986137790,9413849166	26.07.2023 को प्रात: 11.00 से दोपहर 1.00 बजे तक
2.	(1) श्री विष्णु कुमार गौतम पुत्र श्री कैलाश चंद गौतम, (2) श्रीमती नीलम शर्मा पत्नी श्री विष्णु कुमार गौतम पता (i) फ्लेट नं. एस 2, प्लॉट नं. 1, विनायक विहार, दादू दयाल नगर, इस्कॉन रोड, इस्कॉन मंदिर, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान-302020, पता (ii) 201, डीपी अपार्टमेन्ट, डीपी कॉलोनी, एन.एस. रोड, सोडाला, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान-302019, पता (iii) 26, तम्बोलियों का मोहल्ला, दर्जियों की गली, वार्ड नं. 05, उनियारा-डी, टोंक,राजस्थान-304024 पता(iv)एस-10, डीपी अपार्टमेंट, प्लॉट नं. 202, डीपी बस्ती, एन.एस. रोड, सोडाला, सांगानेर, जयपुर,राजस्थान-302019 (3) श्री राजू सिंह पुत्र श्री शकंर सिंह, पता (i) सेक्टर-26/40, प्रताप नगर, एनआरआई कॉलोनी के पास, जयपुर,राजस्थान-302029 पता (ii) गुर्जर पाडा, बयाना, सलाबाद, भरतपुर, राजस्थान-321401, पता(iii) फ्लेट नं. एस 2, प्लॉट नं. सीडी 229, श्रीदादू दयाल नगर, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान-302029	फ्लेट नं. एस 2, दितीय तल, प्लॉट नं. 1, विनायक विहार, दादू दयाल नगर, बड मोहनपुरा, मुहाना मंडी रोड, सांगनरे , जयपुर, में स्थित है जो की श्री विष्णु कुमार गौतम पुत्र श्री कैलाश चंद गौतम के नाम सें है जिसका क्षेत्रफल 1250 वर्गफीट (सुपरबिल्टअप एरिया) है।	रूपये 39,25,612 (अक्षरे रूपये उनचालीस लाख पच्चीस हजार छः सौ सतहत्तर एंव पैसे छियालीस मात्र) दिनांक 31.05.2023 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	रू 30,94,200/- रु. 3,09,420/- रु. 10,000/- प्रति बोली	24.07.2023 को प्रात: 11.00 से दोपहर 3.00 बजे तक	25.07.2023 को सायं 4.00 बजे तक केवाईसी डोक्यूमेंट्स के साथ शाखा :विवेक विहार,जगतपुरा, जयपुर नोडल अधिकारी श्री मनोज कुमार सांखला मो. 7986137790,9413849166	26.07.2023 को प्रात: 11.00 से दोपहर 1.00 बजे तक
3.	(1) मैसर्स इलेक्ट्रानिक्स हाउस जरिये प्रोपराईटर श्री विकास कुमार शर्मा, पंजीकृत कार्यालय- लक्ष्मी माकेट के पीछे, शेखपुरा मोहल्ला, सीकर, राजस्थान-332001, पत्राचार पता- जी-32 एंव जी-39, भूतल गोल्डन टाईमस्, विधाधर नगर, जयपुर, राजस्थान -302013, (2) श्री विकास कुमार शर्मा पुत्र श्री श्याम सुन्दर शर्मा, (3) श्रीमति नेहा शर्मा पत्नी श्री विकास कुमार शर्मा, पता- कायस्त कालोनी, वार्ड नं. 23, सीकर, राजस्थान-332001, (4) श्रीमति सरला चौधरी पत्नी श्री भवंर चौधरी, पता-फ्लेट नं. बी-19, केन्दीय विहार सेक्टर नं. 6, विधाधर नगर, जयपुर, राजस्थान -302013, (5) श्री विजय उप्पल पुत्र श्री राम सिंह उप्पल, पता- फ्लेट नं. 301, बिल्डिंग नं. 04, गोरव वुड, शुभम रेस्टोरेंट, मीरा रोड ईस्ट, बावरली पार्क थाने, महाराष्ट्र-401107,	प्लॉट नं.ए, स्कीम वेदांत सिटी, ग्राम बगरू कला, तहसील सांगानेर, जयपुर, राजस्थान स्थित है जो कि मैसर्स इलेक्ट्रानिक्स हाउस (प्रोपराईटर श्री विकास कुमार शर्मा) के नाम से है। क्षेत्रफल 420.99 वर्गगज है ।चतुर्थ सीमाएं :- उत्तर :- प्लॉट नं. 64 एंव प्लॉट नं. 17, दक्षिण :- 250 फीट चौडी रोड व अन्य भूमि, पूर्व :- 30 फीट चौडी रोड, पश्चिम :- 40 फीट चौडी रोड दुकान नं. जी-32 एंव जी-39, भूतल गोल्डन टाईमस् अपार्टमेन्ट, प्लॉट नं. ए-4, सेन्ट्रल स्पाईन, विधाधर नगर, जयपुर, राजस्थान स्थित है जो कि मैसर्स इलेक्ट्रानिक्स हाउस (प्रोपराईटर श्री विकास कुमार शर्मा), के नाम से है। क्षेत्रफल - 553.02 वर्ग फिट है। चतुर्थ सीमाएं :- उत्तर :- पेसीस, दक्षिण :- अन्य की सम्पत्ति, पूर्व :- दुकान नं. जी-20, पश्चिम :- दुकान नं. जी-40 एंव जी-31	रूपये 1,45,43,157.17/- (अक्षरे रूपये एक करोड पेतालिस लाख तयालिस हजार एक सौ सतावन एंव पैंसे सत्रह मात्र) दिनांक 31.05.2023 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	रु. 31,68,000/- रु. 3,16,800/- रु. 10,000/- प्रति बोली रु. 88,51,000/- रु. 8,85,100/- रु. 10,000/- प्रति बोली	21.07.2023 को प्रात: 11.00 से दोपहर 3.00 बजे तक 21.07.2023 को प्रात: 11.00 से दोपहर 3.00 बजे तक	25.07.2023 को सायं 4.00 बजे तक केवाईसी डोक्यूमेंट्स के साथ 25.07.2023 को सायं 4.00 बजे तक केवाईसी डोक्यूमेंट्स के साथ शाखा :स्टेशन रोड, जयपुर नोडल अधिकारी श्री विनीत सिंह मो. 9646742449	26.07.2023 को प्रात: 11.00 से दोपहर 1.00 बजे तक 26.07.2023 को प्रात: 11.00 से दोपहर 1.00 बजे तक
4.	(1) मैसर्स पावर कॉर्पोरेशन जरिये पार्टनर 1. श्री विजय उप्पल, 2. श्रीमती सरला चौधरी पंजीकृत कार्यालय- 306, तीसरी मंजिल, सिटी सेंटर, संसार चंद रोड, जयपुर, राजस्थान -302001, (2) श्रीमती सरला चौधरी पत्नी श्री भवंर चौधरी, पता-फ्लेट नं. बी-19, केन्द्रीय विहार सेक्टर नं. 6, विद्याधर नगर, जयपुर, राजस्थान -302039, (3) श्री विजय उप्पल पुत्र श्री राम सिंह उप्पल, पता-फ्लेट नं. 301, बिल्डिंग नं. 04, गौरव वुड, शुभम रेस्टोरेंट, मीरा रोड ईस्ट, बावरली पार्क थाने, महाराष्ट्र-401107,	प्लॉट नं. बी, स्कीम वेदांत सिटी, ग्राम बगरू कला, तहसील सांगानेर, जयपुर, राजस्थान स्थित है जो कि मैसर्स पावर कॉर्पोरेशन (पार्टनर श्री विजय उप्पल), के नाम से है। क्षेत्रफल 3061.79 वर्गमीटर है। चतुर्थ सीमाएं :- उत्तर :- अन्य भूमि दक्षिण :- रोड पूर्व :- रोड पश्चिम :- रोड	रूपये 2,78,25,845.56 (अक्षरे रूपये दो करोड अठहत्तर लाख पच्चीस हजार आठ सौ पेंतालिस एंव पैंसे छ्यपन मात्र) दिनांक 31.05.2023 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	रु. 2,32,00,000/- रु. 23,20,000/- रु. 10,000/- प्रति बोली	21.07.2023 को प्रात: 11.00 से दोपहर 3.00 बजे तक	25.07.2023 को सायं 4.00 बजे तक केवाईसी डोक्यूमेंट्स के साथ शाखा :स्टेशन रोड, जयपुर नोडल अधिकारी श्री विनीत सिंह मो. 9646742449	26.07.2023 को प्रात: 11.00 से दोपहर 1.00 बजे तक
5.	(1) श्रीमती ज्योति पत्नी श्री प्रकाश चंद जसवानी, (2) श्री प्रकाश चंद जसवानी पुत्र श्री नाथू मल, पता (i) - 13/530, मालवीय नगर, जयपुर पता (ii) -प्लॉट नं. 137 ए, (प्लॉट नं. 137 का पूवी भाग) प्रथम मंजिल, स्वर्ण विहार, मुहाना मंडी, सांगानेर, जयपुर,	फ्लेट नं. एफ 2, प्रथम तल, प्लॉट नं. 137ए, (प्लॉट नं. 137 का पूवी भाग) स्वर्ण विहार स्कीम, मुहाना मण्डी के पास, सागानेर, जयपुर, राजस्थान में स्थित है जो कि श्रीमती ज्योती जसवानी पत्नी श्री प्रकाश जसवानी, के नाम से है। जिसका क्षेत्रफल 1182 वर्ग फिट है। चतुर्थ सीमाएं - पूर्व - प्लॉट नं. 138, पश्चिम - प्लॉट नं. 137, उत्तर - रोड, दक्षिण - प्लॉट नं. 148	रूपये 24,03,082.65/- (अक्षरे रूपये चौबीस लाख तीन हजार बयासी एंव पैसे पैसठ मात्र) दिनांक 31.05.2023 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	रु. 31,43,000/- रु. 3,14,300 /- रु. 10,000/- प्रति बोली	25.07.2023 को प्रात: 11.00 से दोपहर 3.00 बजे तक	25.07.2023 को सायं 4.00 बजे तक केवाईसी डोक्यूमेंट्स के साथ शाखा :वैशाली नगर, जयपुर नोडल अधिकारी श्री सुनिल चोरडिया, मो. नं. 9460684870	26.07.2023 को प्रात: 11.00 से दोपहर 1.00 बजे तक
6.	मैसर्स लाल चंद एंड ब्रदर्स (ऋणी), श्री हरीश कुमार मदान पुत्र श्री लाल चंद मदान (पार्टनर व गारन्टर), श्रीमती सरोज मदान पत्नी श्री हरीश कुमार मदान (पार्टनर व गारन्टर), श्रीमती प्रिया मदान पत्नी श्री रोमिल मदान (पार्टनर व गारन्टर), मैसर्स लाल चन्द एण्ड कम्पनी से पंजाब एण्ड सिंध बैंक, शाखा -राजा पार्क, जयपुर,(राज.),	मैसर्स लाल चन्द एण्ड कम्पनी की व्यवसायी सम्पति, दुकान न. बी.बी.-1 (दुकान, गोदान सह प्लेटफॉर्म) बी-ब्लॉक नयी अनाज मण्डी, कृषि उपज मण्डी समिति, खैरथल, तहसील- खैरथल , जिला अलवर (राज.), स्थित सम्पत्ति (बैंक में उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार क्षेत्रफल 133.33 वर्ग गज) सीमाए :-पूर्व में दुकान न. बी.बी.-02, पश्चिम में रोड,उत्तर में रोड, दक्षिण में रोड,	रूपये 1,34,69,198.04/- (अक्षरे रूपये एक करोड चोतिस लाख उनहत्तर हजार एक सौ अठयानवे और चार पैसे) दिनांक 29.03.2023 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	रू 78,45,000/- रु. 7,84,500/- रु. 25,000/- प्रति बोली	24.07.2023 को प्रात: 11.00 से दोपहर 3.00 बजे तक	25.07.2023 को सायं 4.00 बजे तक केवाईसी डोक्यूमेंट्स के साथ शाखा -राजा पार्क, जयपुर,(राज.), नोडल अधिकारी श्री मनोज कुमार मो. 9414709319	26.07.2023 को प्रात: 11.00 से दोपहर 1.00 बजे तक

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए पंजाब एण्ड सिंध बैंक की वेबसाईट बोली जमा करने व ई-बोली प्रक्रिया के प्रशिक्षण हेतु मैसर्स सी-1, इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, उद्योग विहार, फेज-2, गल्फ पेट्रोकेम बिल्डिंग नं. 301, गुड़गांव, हरियाणा-122015 श्री भाविक पान्डेयमो. नं. 08866682937,7291981124/25/26 फोन नं. 0124-4302020/21/22/23/24, ई-मेल:-gujarat@c1india.com.

दिनांक:24.06.2023 स्थान :-राजस्थान

प्राधिकृत अधिकारी (पंजाब एण्ड सिंध बैंक)

अगर सारी पिचें इसी तरह की होंगी तो मैं एशेज श्रृंखला में ज्यादा कुछ नहीं कर पाऊंगा। पिच मेरे लिये 'क्रिप्टोनाइट' की तरह थी जिस पर कोई स्विंग नहीं थी, रिवर्स स्विंग नहीं थी, कोई सीम मूवमेंट नहीं था, कोई उछाल नहीं था और कोई तेजी नहीं थी। **– जेम्स एंडरसन**

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज, पहले टेस्ट की पिच की आलोचना करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के तौर पर 16 साल पूरे किये जिसकी शुरुआत मुंबई के इस धुरंधर ने 20 साल की उम्र से की थी। रोहित ने 23 जून 2007 को मौजूदा मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की कप्तानी में आयरलैंड में वनडे मैच में पदार्पण किया था जिसमें भारत ने आसानी से जीत हासिल की थी। छत्तीस साल का यह खिलाड़ी 441 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुका है जिसमें उनके नाम 43 अंतरराष्ट्रीय शतक और 17,115 रन हैं। और अब वह अपने इस चमकदार करियर के सबसे महत्वपूर्ण दौर में हैं जिसमें वह आईसीसी ट्रॉफी का 10 साल का सूखा खत्म करना चाहते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद सामी ने एक ओवर में 17 गेंदें फेंककर एक ओवर में सर्वाधिक गेंद फेंकने वाले पाकिस्तान खिलाड़ी बने।

नेपाल को हल्के में लेने की गलती नहीं करें : भारतीय मिडफील्डर सहल

बेंगलुरु, 23 जून। भारतीय मिडफील्डर सहल अब्दुल समाद ने शुक्रवार को कहा कि उनकी टीम को शनिवार को यहां सैफ चैम्पियनशिप के ग्रुप ए मैच में नेपाल के खिलाफ सतर्क रहना होगा। केरल के 26 वर्षीय फुटबॉलर सहल ने मैच से पूर्व मीडिया कांफ्रेंस में कहा, ''हम उनसे पहले भी खेल चुके हैं। हमने उनकी वीडियो भी देखी। उनकी टीम काफी अच्छी है और वे निडर होकर खेलते हैं। भारतीय कोच इगोर स्टिमक ने भी यही बात कही। स्टिमक ने कहा, ''नेपाल ने कुछ महीनों पहले अपना कोच बदला था। वह (विसेंजो अल्बर्टो एनेसे) उनके खेल में नयी चीजें लाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हम उनके बारे में नहीं सोच रहे हैं। हम अब अपने बारे में सोच रहे हैं कि हम कहां सुधार कर सकते हैं। हमें अच्छी लय जारी रखनी होगी। हालांकि स्टिमक नेपाल के खिलाफ मैच में डगआउट में नहीं होंगे क्योंकि पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में उन्हें लाल कार्ड दिखाया गया था जिसमें भारत ने 4-0 से जीत हासिल की थी। स्टिमक को पाकिस्तान के एक खिलाड़ी को जानबूझकर खेल से रोकने के लिए लाल कार्ड दिखाया गया था। हालांकि स्टिमक को इस पर कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैंने जो भी फैसला किया, वो गर्मजोशी में नहीं किया था बल्कि मैं शांत था और जानता था कि इसके लिये सजा मिलेगी। मैं अपने खिलाड़ियों और टीम की रक्षा के लिए मैदान में था। बेहतर यही है कि उनके बजाय मुझे कार्ड मिल जाये। ''

मनिका और साथियान की जोड़ी डब्ल्यूटीटी कंटेंडर के सेमीफाइनल में पहुंची

नयी दिल्ली, 23 जून। मनिका बत्रा और जी साथियान की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने ट्यूनिस में खेले जा रहे डब्ल्यूटीटी (विश्व टेबल टेनिस) कंटेंडर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को जर्मनी के सेड्रिक मीस्नर और युआन वान की जोड़ी को शिकस्त दी। भारतीय जोड़ी में 21 मिनट तक चले मुकाबले को 3-0 (11-8 11-3 11-8) से अपने नाम किया। फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना शिन युबिन और लिम जोंगहून की कोरियाई जोड़ी से होगा। मनिका और साथियान क्रमश: महिला और पुरुष एकल के पहले दौर में ही बाहर हो गए थे। पुरुष एकल में हरमीत देसाई को शुक्रवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में चीन के लियांग यानिंग के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। लगभग 20 मिनट तक चले मैच में देसाई 5-11, 6-11, 5-11 से हार गए। उनकी हार से पुरुष एकल में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। महिला एकल में भी भारत का अभियान अयहिका मुखर्जी की हार के साथ खत्म हो गया। अयहिका को प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की मियू नागासाकी से 0-3 (5-11 9-11 10-12) से हार का सामना करना पड़ा।

हॉकी मध्यप्रदेश ने जीता जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का खिताब

राउरकेला, 23 जून। हॉकी मध्य प्रदेश ने गुरुवार को हॉकी चंडीगढ़ को 4-2 से हराकर 13वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2023 का खिताब अपने नाम कर लिया है। हॉकी मध्य प्रदेश की ओर से सर्वाधिक दो गोल श्रेयस धूपे ने 17वें और 46वें मिनट पर दागे जबकि मोहम्मद कोनैन डैड 25वें और अली अहमद 52वें मिनट पर शानदार गोल कर जीत की पटकथा लिख दी। हॉकी चंडीगढ़ के लिए सुमित ने नौवें और सुरिंदर सिंह 31वे मिनट पर गोल किए। हॉकी मध्य प्रदेश के कोच मंगल वैद ने कहा हमारा मकसद गेंद पर कब्जा बनाये रखना और काउंटर की तलाश करके राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करना था। राउरकेला पहुंचने से पहले हमारे खिलाड़ियों ने तालमेल बैठाने और विरोधियों पर दबाव बनाने की दिशा में काम किया। मुझे लगता है कि इससे हमें बहुत मदद मिली। भाग लेने वाली सभी टीमों में कुछ बहुत ही प्रतिभाशाली खिलाड़ी थे, और मुझे लगता है कि खिताब का फैसला उस दिन प्रत्येक टीम के प्रदर्शन और भाग्य के आधार पर किया गया था। हाकी चंडीगढ़ के कोच गुरमिंदर सिंह ने कहा टीम ने पूरी चैंपियनशिप में बहुत अच्छा खेला, हमने राउरकेला आने से पहले अपने सेट-अप और पेनल्टी कॉर्नर पर काम किया और यह हमारे लिए अच्छा रहा कि अंत में हम यहां तक पहुंच गए। हमने जिन भी टीमों के खिलाफ खेला वे अच्छी थीं, लड़कों के लिए यह सीखने का एक शानदार अनुभव रहा।

मोहन बागान ने भारतीय मिडफील्डर थापा के साथ पांच साल का करार किया

कोलकाता, 23 जून। भारतीय मिडफील्डर अनिरुद्ध थापा के साथ इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम मोहन बागान सुपर जायंट्स ने पांच साल का करार किया है। पच्चीस साल का यह फुटबॉल खिलाड़ी इससे पहले सात साल तक दो बार की आईएसएल चैम्पियन चेन्नइयिन एफसी की टीम का अहम सदस्य था। क्लब ने ट्रांसफर शुल्क का खुलासा किए बिना कहा, '' भारतीय टीम के प्रमुख मिडफील्डरों में से एक अनिरुद्ध थापा अब मोहन बागान सुपर जायंट्स की जर्सी में नजर आएंगे। क्लब ने इस खिलाड़ी के साथ पांच साल का अनुबंध किया है।'' माना जा रहा है कि यह करार लगभग तीन करोड़ रुपये का है जो किसी भारतीय खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी रकम का करार है। क्लब ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर थापा का एक वीडियो भी जारी किया जिसमें वह सात नंबर के साथ टीम की जर्सी पहने हुए है। थापा ने 2017 में भारत के लिए पदार्पण किया था और वह तभी से राष्ट्रीय टीम के अहम सदस्य है।

पुजारा बाहर, यशस्वी की तपस्या सफल

वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैच और तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के यि भारतीय टीम का ऐलान

मुबंई 23 जून। वेस्टइंडीज़ के खिलाफ जुलाई में होने वाली दो टेस्ट मैच और तीन एक दिवसीय मैचों की श्रृखंला के लिये भारतीय टीम का ऐलान शुक्रवार को कर दिया गया। बीसीसीआई के मानद सचिव जय शाह के अनुसार रोहित शर्मा वेस्टइंडीज दौरे में टेस्ट और वनडे सीरीज की कमान संभालेंगे। टेस्ट मैच में अनुभवी चेतेश्वर पुजारा को जगह नहीं मिली है वहीं आंजिक्य रहाणे एक बार फिर उप कप्तान की भूमिका में नजर आयेंगे। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फ़ाइनल में 14 और 27 रन बनाने वाले 35 वर्षीय पुजारा की जगह जून में नंबर तीन पर नया बल्लेबाज़ दिखेगा। 2023-25 की डब्ल्यूटीसी चक्र में यह स्थान जायसवाल या गायकवाड़ ले सकते हैं।

पिछले एक साल से लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे यशस्वी जायसवाल की तपस्या सफल हो गयी है। उन्हे इस सीरीज में टेस्ट में पदार्पण करने का मौका मिला है वहीं मुकेश कुमार भी पहली बार टीम में चुने गये हैं। उमेश यादव भी टीम में जगह बनाने में असफल रहे हैं हालांकि केएस भरत बतौर विकेटकीपर बरकरार रहेंगे। वहीं टेस्ट और वनडे दौरे के लिये अनुभवी मोहम्मद शमी को आराम देने की खातिर बाहर रखा गया है। केएल राहुल के चोटिल होने के कारण उनके स्थान पर संजू सैमसन को एक बार फिर वनडे सीरीज़ में मौका मिला है। इस फैसले से भारतीय टीम को विकेटकीपर के तौर पर दो विकल्प मिल गये है क्योंकि इशान किशन भी टीम में शामिल है। पिछले साल अक्तूबर में साउथ अफ्रीका के ख़िलाफ़ एकमात्र वनडे खेलने वाले ऋतुराज गायकवाड़ को भी टीम में चुना गया है। वहीं यशस्वी जायसवाल ने मुंबई के लिए खेलते हुए 26 प्रथम श्रेणी मैचों में 80.21 की औसत से रन बनाए हैं। अपने पिछले प्रथम श्रेणी मैच ईरानी कप में उन्होंने शेष एकादश के लिए खेलते हुए मध्य प्रदेश के ख़िलाफ़ दो पारियों में 213 और 144 रन बनाए थे। दोनों पारियों का यह कुल स्कोर ईरानी कप में किसी बल्लेबाज़ द्वारा बनाया गया सबसे अधिक स्कोर है।

मुकेश कुमार बंगाल के लिए खेलते हैं और 30 वर्ष के तेज़ गेंदबाज़ को उनकी लाइन और लेंथ के लिए जाना जाता है। बंगाल की टीम जो पिछले तीन में से दो रणजी ट्रॉफ़ी फ़ाइनल खेली है उसमें मुकेश का अहम योगदान रहा है। वह टेस्ट रडार पर थे और पिछले दो सीज़न में हर भारत ए के दौरे की टीम में शामिल थे। उनक नाम 39 प्रथम श्रेणी मैचों में 149 विकेट हैं। पिछली बार ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ वनडे टीम का हिस्सा रहे राहुल और शमी के अलावा वॉशिंगटन सुंदर भी इस टीम का हिस्सा नहीं हैं। गायकवाड़, रोहित शर्मा और शुभमन गिल के बाद रिज़र्व ओपनर के तौर पर चुने गए हैं। विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या (उप कप्तान) टीम के मध्य क्रम के बल्लेबाज़ होंगे जबकि मोहम्मद सिराज के साथ तेज़ गेंदबाज़ी की कमान जयदेव उनादकट, मुकेश और उमरान मलिक निभाएंगे।

भारत को वेस्टइंडीज़ के दौरे पर अपना पहला टेस्ट डोमिनिका में 12 जुलाई से खेलना है। इसके बाद 20 जुलाई से पोर्ट ऑफ़ स्पेन में दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। भारत ने 2019 में अपनी इस दौरे पर पिछली टेस्ट सीरीज़ 2-0 से जीती थी।भारतीय टीम मौजूदा दौरे में अपना पहला एक दिवसीय मैच 27 जुलाई से केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में खेलेगी जबकि दूसरा वन डे केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस और तीसरा वनडे एक अगस्त को ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, त्रिनिदाद में खेला जायेगा।

टीम इस प्रकार है

वनडे के लिये : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शार्दुल ठाकुर, रवींद्र जाडेजा, अक्षर पटेल, युज़वेंद्र चहल, कुलदीप यादव, जयदेव उनादकट, मोहम्मद सिराज, उमरान मलिक, मुकेश कुमार।

टेस्ट टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे (उप कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, यशस्वी जायसवाल, केएस भरत (विकेटकीपर), आर अश्विन, रवींद्र जाडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जयदेव उनादकट, इशान किशन (विकेटकीपर), नवदीप सैनी।

एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम तैयार

स्पोर्ट्सलैण्ड सुगो 23 जून। एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप (एआरआरसी) के दूसरे राउण्ड में दमदार प्रदर्शन करने के बाद आईडेमिट्सु होण्डा रेसिंग इंडिया टीम इस सप्ताह के अन्त में तीसरे राउण्ड में स्पोर्ट्सलेण्ड सुगो इंटरनेशनल सर्किट (जापान) पर शानदार परफोर्मेन्स के लिए तैयार है। सीज़न के बीच, होण्डा रेसिंग इंडिया ने दूसरे राउण्ड के समापन के साथ अब तक 2023 एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप (एआरआरसी) में कुल 11 पॉइन्ट्स स्कोर किए हैं और एशिया प्रोडक्शन 250 सीसी (एपी250सीसी) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए तैयार है।

आगामी राउण्ड के बारे में बात करते हुए योगेश माथुर, डायरेक्टर सेल्स एण्ड मार्केटिंग, होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने कहा, ''हम जापान में एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप के आगामी तीसरे राउण्ड के लिए तैयार हैं, मुझे विश्वास है कि हमारी आईडेमिट्सु होण्डा रेसिंग इंडिया टीम इस राउण्ड में सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हुए अपनी पॉज़िशन में सुधार लेकर आएगी। हालांकि स्पोर्ट्सलैण्ड सुगो इंटरनेशनल सर्किट हमारे राइडरों के लिए नया है, लेकिन टीम के अथक प्रयास निश्चित रूप से हमें अच्छे परिणाम देंगे। इसके अलावा हम अपने राइडरों को पूरा सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे उत्कृष्ट परफोर्मेन्स दे सकें और इस प्रतिष्ठित चैम्पियनशिप में अपनी विशेष छाप छोड़ सकें। हमें उम्मीद है कि इस सप्ताहान्त जापान में उनका पावर-पैक्ड परफोर्मेन्स देखने को मिलेगा।''

स्टिमक एक मैच के प्रतिबंध के बाद कुवैत के खिलाफ वापसी करेंगे

बेंगलुरु, 23 जून। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक सैफ चैम्पियनशिप में एक मैच के प्रतिबंध के बाद मंगलवार को कुवैत के खिलाफ मैच में 'डगआउट' में दिखायी देंगे। सैफ चैम्पियनशिप के शुरुआती मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ मैच में स्टिमक को लाल कार्ड दिखाया गया था जिससे उन पर एक मैच का प्रतिबंध लगा था।

दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (सैफ) के महासचिव अनवारुल हक ने कहा कि स्टिमक का अपराध इतना गंभीर नहीं था कि उन पर एक मैच से ज्यादा का प्रतिबंध लगे और इसे आगे की कार्रवाई के लिए सैफ की अनुशासनात्मक समिति को नहीं भेजा जायेगा। उन्होंने गुरुवार को ढाका से कहा, '' उन पर (स्टिमक) एक मैच का प्रतिबंध लगेगा, इससे ज्यादा नहीं।''

उन्होंने कहा कि रैफरी और मैच आयुक्त की रिपोर्ट में मैच के दौरान हुई इस घटना का जिक्र किया था जिसमें स्टिमक को खेल के मैदान से बाहर कर दिया गया था लेकिन इसे सैफ अनुशासनात्मक समिति के पास नहीं भेजा जायेगा। हक ने कहा, ''यह (उल्लंघन) इतना गंभीर नहीं था कि इसे अनुशासनात्मक समिति को (कड़ी सजा के लिए) भेजा जाये। किसी खिलाड़ी या कोच को लाल कार्ड दिखाने से आमतौर पर एक मैच का प्रतिबंध लगाता है लेकिन उल्लंघन गंभीर हो तो इसमें सजा चार मैच के निलंबन तक पहुंच सकती है।

जूनियर महिला हॉकी विश्व कप : भारत की पहले मैच में कनाडा से भिड़ंत

नई दिल्ली, 23 जून। भारत की जूनियर महिला हाकी टीम 29 नवंबर से शुरू होने वाले एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप 2023 में कनाडा के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। आयोजन समिति ने गुरुवार रात को चिली के सैंटियागो में 29 नवंबर से 10 दिसंबर के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट के लिए पूल और कार्यक्रम की घोषणा की।

प्रतिष्ठित आयोजन से पहले एफआईएच ने नई जूनियर महिला विश्व रैंकिंग का भी खुलासा किया, जिसके अनुसार भारत छठे स्थान पर है, जबकि नीदरलैंड पहले स्थान पर है। इस बीच, अर्जेंटीना, जर्मनी, इंग्लैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका क्रमश: दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। गौरतलब है कि कॉन्टिनेंटल रैंकिंग में भारत शीर्ष रैंकिंग वाली टीम है। भारतीय टीम को बेल्जियम, कनाडा और जर्मनी के साथ पूल सी में रखा गया है। भारत एक दिसंबर को जर्मनी से भिड़ने से पहले 29 नवंबर को कनाडा के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। अपने तीसरे और आखिरी पूल गेम में भारतीय टीम दो दिसंबर को बेल्जियम से भिड़ेगी।

हाल ही में जापान में महिला जूनियर एशिया कप 2023 जीतने के बाद, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम आत्मविश्वास के साथ एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप 2023 में प्रवेश करेगी और टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार ट्रॉफी हासिल करने का लक्ष्य रखेगी। ज्ञातव्य है कि एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप के पिछले संस्करण में भारत भारत कांस्य पदक जीतने के करीब पहुंच गया था, लेकिन तीसरे स्थान के मैच में इंग्लैंड से 2(0)-2(3) से हार गया।

पूल्स के खुलासे पर बोलते हुए, महिला जूनियर एशिया कप 2023 की विजेता कप्तान प्रीति ने कहा, हम विश्व कप के लिए पूल्स का अनावरण देखकर रोमांचित हैं। यह हमारी टीम के लिए एक रोमांचक क्षण है क्योंकि हम कुछ सर्वश्रेष्ठ जूनियर टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। हम जानते हैं कि प्रत्येक पूल में हमें एक नयी प्रतिभाशाली चुनौती कस सामना करना पड़ेगा, लेकिन हम इसे वैश्विक मंच पर अपने कौशल, दृढ़ संकल्प और टीम वर्क को प्रदर्शित करने के अवसर के रूप में देखते हैं। हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है और हम हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।

इस बीच, भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच जेनेके शोपमैन ने कहा, एशिया कप जीतने के बाद टीम आत्मविश्वास से लबरेज है। विश्व कप कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि हमें दुनिया भर की मजबूत टीमों का सामना करना पड़ेगा। टूर्नामेंट का प्रत्येक मैच हमारे कौशल, टीम वर्क और लचीलेपन की परीक्षा लेगा।

भारतीय टीम में वापसी के बाद सैनी के लिए वॉर्सेस्टशर का प्रतिनिधित्व करना मुश्किल होगा

लंदन, 23 जून। भारतीय टेस्ट टीम में वापसी करने वाले नवदीप सैनी जुलाई महीने में अपनी इंग्लिश काउंटी टीम वॉर्सेस्टरशर के लिए तीन मैचों में नहीं खेलेंगे क्योंकि यह वेस्टइंडीज में टेस्ट श्रृंखला की तारीखों से टकरा रहा है। भारत 12 से 16 जुलाई तक डोमिनिका में अपना पहला टेस्ट मैच खेलेगा जबकि दूसरा और अंतिम मैच 20 से 24 जुलाई तक जमैका में होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, '' काउंटी क्रिकेट में किसी भी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के लिए हमेशा एक शर्त होती है कि राष्ट्रीय टीम में चयन होने पर काउंटी टीम को उसे रिलीज करना पड़ता है। ऐसे में वॉर्सेस्टरशर उस समय के दौरान सैनी की सेवाओं का लाभ नहीं उठा पाएगा।''

वॉर्सेस्टरशर ने शुक्रवार को ही सैनी के साथ करार की घोषणा करते हुए कहा था कि वह जुलाई के आखिर तक टीम के साथ रहेंगे और वह उनके दूसरे विदेशी खिलाड़ी होंगे। तीस साल के सैनी रविवार को डर्बीशर के खिलाफ होने वाले मुकाबले में वॉर्सेस्टरशर के प्रतिनिधित्व के लिए तैयार हैं। क्लब से जारी बयान के मुताबिक, वॉर्सेस्टरशर ने जुलाई के अंत तक चार मैचों के लिए 'एलवी इंश्योरेंस काउंटी चैम्पियनशिप' में अपने दूसरे विदेशी खिलाड़ी के रूप में भारतीय तेज गेंदबाज नवदीप सैनी के साथ करार किया है।'' भारतीय टीम में वापसी के बाद सैनी वॉर्सेस्टरशर के लिए 10 से 13 जुलाई तक यॉर्कशर, 19 से 22 जुलाई तक लीसेस्टरशर और 26 से 29 जुलाई तक ग्लॉस्टरशर के खिलाफ मुकाबलों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। उन्होंने तब चैम्पियनशिप के दो मैचों में 11 विकेट लिये थे।

विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के लिए टीम में जगह बनाने पर लगी शीर्ष निशानेबाजों की निगाहें

नयी दिल्ली, 23 जून। देश के 400 से ज्यादा शीर्ष राइफल और पिस्टल निशानेबाज 24 से 30 जून तक ग्रुप ए राष्ट्रीय चयन ट्रायल पांच एवं छह में हिस्सा लेंगे जो आगामी विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के लिए टीम चयन से पहले अंतिम टूर्नामेंट होगा। रविवार को प्रतिस्पर्धा शुरू होगी जबकि शनिवार को निशानेबाज अभ्यास करेंगे। सीनियर और जूनियर वर्गों में छह छह फाइनल होंगे।

शीर्ष भारतीय निशानेबाजों में राही सरनोबत, अंजुम मौदगिल, मनु भाकर, रूद्रांक्ष पाटिल, ऐश्वर्य तोमर, दिव्यांश पंवार, ह्रदय हजारिका, मेहुली घोष, इलावेनिल वलारिवान, ईशा सिंह, सरबजोत सिंह, रिदम सांगवान और दिव्या टी एस सहित अन्य निशानेबाजों के डा कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने की उम्मीद है।

अगस्त में बाकू विश्व चैम्पियनशिप में 2024 ओलंपिक के लिए 48 कोटा स्थान दाव पर होंगे। एशियाई खेलों (23 सितंबर से आठ अक्टूबर) के बाद कोरिया के चांगवोन में अक्टूबर में एशियाई चैम्पियनशिप भी होनी है जिसमें 24 ओलंपिक कोटा स्थान दिये जायेंगे। भारत ने अभी तक तीन पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल कर लिये हैं जो भोवनीश मेंदीरत्त (पुरुष ट्रैप), रूद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल (10 मीटर एयर राइफल पुरुष) और स्वप्निल कुसाले (50 मीटर राइफल थ्री पाजिशंस पुरुष) ने पिछले साल कैरो में हुई विश्व चैम्पियनशिप में जीते थे।

मैकुलम से पहले इंग्लैंड के कोच पद के लिए मुझसे संपर्क किया गया था : रिकी पोंटिंग

लंदन, 23 जून। ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप विजेता कप्तान रिकी पोंटिंग ने खुलासा किया है कि पिछले साल ब्रैंडन मैकुलम के पदभार संभालने से पहले इंग्लैंड टेस्ट टीम के साथ कोच की भूमिका के लिए उनसे संपर्क किया गया था। पिछले साल एशेज में 0-4 की शर्मनाक हार के बाद इंग्लैंड की पुरुष टीम की संरचना में बड़े पैमाने पर बदलाव किया गया था। क्रिस सिल्वरवुड की जगह मैकुलम और मैथ्यू मॉट को क्रमश: टेस्ट और सीमित ओवरों की टीम का कोच बनाया गया।

इस हार के बाद टेस्ट कप्तान जो रूट ने भी कप्तानी छोड़ दी, जबकि बल्लेबाजी सलाहकार ग्राहम थोर्प और टीम के प्रबंध निदेशक एशले जाइल्स को भी अपनी नौकरी गंवानी पड़ी। पोंटिंग ने कहा कि उनसे रॉबर्ट की ने संपर्क किया था। रॉबर्ट को तब इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के पुरुष क्रिकेट के नए निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था।

पोंटिंग ने 'गुरिल्ला क्रिकेट पॉडकास्ट' को बताया, '' मैकुलम के कार्यभार संभालने से पहले मुझसे वास्तव में पूछा गया था। रॉबर्ट ने अपना कार्यभार संभालने के बाद मुझे फोन कॉल किया था।'' पोंटिंग इंडियन प्रीमियर लीग की टीम दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हैं। उन्होंने उस समय पूर्णकालिक कोच बनने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था क्योंकि वह अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहते हैं।

पोंटिंग ने कहा, '' मैं अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ पूर्णकालिक कोच की भूमिका निभाने के लिए तैयार नहीं हूं। मेरे बच्चे अभी छोटे है और मैं उनसे ज्यादा समय तक दूर नहीं रहना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा, '' ब्रैंडन (मैकुलम) की बात करें तो उनका परिवार आज ही आ रहा है। जब आपके बच्चे स्कूल में हों तो आप ज्यादा यात्रा नहीं कर सकते।''

प्रणय ताइपे ओपन के क्वार्टरफाइनल में हारे

ताइपे, 23 जून। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय को शुक्रवार को यहां क्वार्टरफाइनल में हांगकांग के निग का लोंग एंगस से सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा जिससे ताइपे ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट में देश का अभियान भी समाप्त हो गया।

इंग्लैंड ने दूसरे एशेज टेस्ट के लिए युवा स्पिनर रेहान अहमद को टीम में शामिल किया

लंदन, 23 जून। इंग्लैंड ने शुक्रवार को 18 वर्षीय लेग स्पिनर रेहान अहमद को एशेज श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया क्योंकि मोईन अली की चोटिल ऊंगली को लेकर चिंता बनी हुई है। आस्ट्रेलिया मंगलवार को एजबेस्टन में पहले टेस्ट में दो विकेट की जीत के बाद पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है। दूसरा टेस्ट बुधवार से लार्ड्स में शुरु होगा। हालांकि 36 वर्षीय अली के समय पर उबरने की उम्मीद है।

भारत की नजरें नेपाल को हराकर सैफ चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचने पर

बेंगलुरु, 23 जून। पाकिस्तान को 4-0 की करारी शिकस्त देकर सैफ चैम्पियनशिप फुटबॉल में शानदार शुरुआत करने वाली भारतीय टीम शनिवार को यहां जब नेपाल के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी नजरें जीत के साथ सेमीफाइनल का टिकट पक्का करने पर होगी।

कागजों पर भारतीय टीम नेपाल से मजबूत नजर आती है और दोनो टीमों के बीच अब तक खेले गये 23 मैचों में भारत ने 16 में जीत दर्ज की है। नेपाल महज दो मुकाबले जीतने में सफल रहा है जबकि पांच मैच बराबरी पर छूटे है। दोनों टीमों के बीच पिछला मुकाबला 2021 सैफ चैम्पियनशिप में खेला गया था जिसे भारतीय टीम ने 3-0 से जीता था। इस टूर्नामेंट में दोनों टीमों के नौ मैचों में भारत ने छह जबकि नेपाल ने दो मैच जीते है। इंटरकांटिनेंटल कप के फाइनल में लेबनान पर 2-0 की जीत के साथ पहुंचे भारतीय टीम के लिए कप्तान सुनील छेत्री का लय में होना शानदार है।

ईशान पंडिता चोट के कारण टीम के साथ नहीं है और अठिम पंक्ति की इस खिलाड़ी की गैरमौजूदगी को छेत्री ने महसूस नहीं होने दिया है। भारत को मुख्य कोच इगोर स्टिमक की सेवाएं नहीं मिलेंगी। पाकिस्तान पर भारत की 4-0 की जीत के दौरान उन्हें लाल कार्ड दिखाया गया था। ऐसे में सहायक कोच महेश गवली डग आउट में टीम की कमान संभालेंगे। नेपाल अपने शुरुआती मैच में कुवैत से 1-3 से हार गया और उसे टूर्नामेंट में बने रहने के लिए भारत के खिलाफ सकारात्मक परिणाम की जरूरत होगी। भारतीय टीम को नेपाल के मिडफील्डर रोहित चंद और अठिम पंक्ति के खिलाफ अंजन बिस्टा से सतर्क रहना होगा।

चंद इंडोनेशिया में क्लब स्तर का फुटबॉल खेलते है। नेपाल के कोच विनसेंजा अल्बर्ट एनेसी भारतीय फुटबॉल से परिचित हैं क्योंकि उन्होंने आई-लीग विजेता टीम गोकुलम केरला एफसी के प्रबंधक के रूप में काम किया है। भारतीय खेमा नेपाल की ताकत से परिचित है और सहायक कोच गवली ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद कहा था, '' वे (नेपाल) एक अच्छी टीम है और उन्होंने कुवैत के खिलाफ बहुत अच्छा खेल खेला। यह हमारे लिए बहुत कठिन मैच होगा।'' ग्रुप के एक अन्य मुकाबले में पाकिस्तान का सामना कुवैत से होगा। सैफ चैम्पियनशिप में शनिवार के मैच पाकिस्तान बनाम कुवैत : शाम 03:30 बजे से भारत बनाम नेपाल : शाम 07:30 बजे से।

कई पहलवानों के कोच और अभिभावकों ने छह पहलवानों को दी गयी छूट वापस लेने की मांग

नयी दिल्ली, 23 जून। कई स्थापित और उभरते हुए पहलवानों के कोच और उनके माता-पिता ने विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया और तीन अन्य पहलवानों को एशियाई खेलों और विश्व चैम्पियनशिप के लिए होने वाले ट्रायल से दी गई छूट वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि इन महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के लिए पहलवानों का चयन निष्पक्ष होना चाहिए। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) तदर्थ समिति इन छह पहलवानों को फायदा पहुंचाने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है जिसमें बजरंग की पत्नी संगीता फोगाट, साक्षी के पति सत्यव्रत कादियान और जितेंद्र किन्हा भी शामिल हैं। ये छह पहलवान भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर कई महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ धरने पर बैठे थे। उभरते पहलवान सुजीत के कोच दयानंद कलकल, युवा अंशु मलिक और सोनम मलिक के पिता तथा अंडर -20 विश्व चैम्पियन महिला पहलवान अंतिम पंघाल के कोच विकास भारद्वाज ने आईओए पैनल के फैसले की निंदा की। सुजीत 65 किग्रा में बजरंग के प्रतिद्वंद्वी के रूप में दिखायी दे रहे हैं। कलकल ने कहा, ''मैंने भूपेंदर सिंह बाजवा (डब्ल्यूएफआई तदर्थ पैनल के प्रमुख) से बात की और उन्हें बताया कि यह एक सही फैसला नहीं है। ट्रायल्स निष्पक्ष और बिना किसी पक्षपात के होने चाहिए। उन्होंने मेरी बात सुनी और आश्वासन दिया कि वे इसे वापस ले लेंगे। '' उन्होंने कहा, '' उन्होंने यह भी कहा कि ट्रायल्स 11 जुलाई के चुनाव के बाद नए महासंघ द्वारा आयोजित किए जायेंगे। देखते हैं क्या होता है। '' हालांकि विनेश और बजरंग ने अपने प्रदर्शन से अपनी काबिलियत साबित की है लेकिन कुश्ती जगत को किन्हा, संगीता, साक्षी और उनके पति सत्यव्रत को दी गई छूट से परेशानी हो रही है। महाराष्ट्र के एक पहलवान ने गोपनीयता की शर्त पर पूछा, ''जितेंद्र ने पिछले दो वर्षों में एक भी ट्रायल नहीं जीता है। आप उसे सीधे फाइनल में कैसे डाल सकते हो? '' साक्षी को हाल के दिनों में 62 किग्रा के कई ट्रायल में सोनम मलिक को हराने के लिए संघर्ष करना पड़ा है जबकि किन्हा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारतीय टीम में नियमित रूप से शामिल भी नहीं रहे हैं। विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता अंशु के पिता धर्मेंद्र मलिक ने कहा, ''एशियाई खेल चार साल बाद आते हैं। विश्व चैम्पियनशिप भी ओलंपिक क्वालीफिकेशन के साथ चार साल बाद आती है। ये कोई सामान्य ट्रायल्स नहीं हैं। इन पहलवानों को ट्रायल से छूट देना पूरी तरह गलत है।'' उन्होंने कहा, ''विरोध प्रदर्शन सिर्फ न्याय पाने के लिए था और अब वे खुद ही दूसरे पहलवानों पर अन्याय कर रहे हैं। धर्मेंद्र मलिक ने कहा, ''सभी को पूरे ड्रा में स्पर्धा करनी चाहिए। सभी पहलवान बराबर हैं। और यदि कोई कमजोर पहलवान है, तो वह मजबूत पहलवानों से भिड़ने के बाद ही मजबूत बनेगा। क्या ऐसा नहीं है। तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली सोनम मलिक के पिता राजेंद्र मलिक ने कहा, ''पहले ट्रायल्स में चार मुकाबले जीतने का पुरस्कार क्या है? अगर उन्हें (आईओए) छह पहलवानों को अतिरिक्त समय देना है तो वे दे सकते हैं, लेकिन जो भी पहलवान पहला ट्रायल जीत रहा है, तो उसे आश्वासन देना चाहिए कि वह एशियाई खेलों में जाएगा। बाद में अगर वह दूसरा ट्रायल जीत जाता है, तो उसे विश्व चैम्पियनशिप के लिए भी जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''क्या यह ठीक नहीं होगा? आप ही बताईये। वहीं अंतिम के कोच भारद्वाज ने भी आंदोलनकारी पहलवानों को छूट देने के लिए आईओए पैनल की आलोचना की। भारद्वाज ने कहा, ''यह गलत है। हम इसका विरोध करेंगे। यह स्वीकार्य नहीं है। ''

फ्रांस अब अमेरिका के प्रभुत्व से अलग होकर ब्रिक्स गठबंधन में शामिल होना चाहता है?

फ्रांस ने खुद आगे बढ़कर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का आग्रह किया

- **इससे पता चलता है कि, जी-7 और अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन में दरार है और फ्रांस व जर्मनी सहित, कई राष्ट्र वहां से निकलना चाहते हैं।**
- **जैसा कि विदित है कि, तेजी से बदलती दुनिया में, ब्रिक्स (ब्राज़ील, इंडिया, चीन और साउथ अफ्रीका) संगठन वैश्विक स्तर पर बहुत महत्वपूर्ण होता जा रहा है, इसमें वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत से ज्यादा और दुनिया की आबादी का आधे से ज्यादा हिस्सा शामिल है।**

जोहान्सबर्ग, 23 जून। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की ओर से ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए निमंत्रण के अनुरोध से अमेरिकी नेतृत्व वाले जी-7 में दरार का संकेत मिल रहा है।

जोहान्सबर्ग विश्वविद्यालय के अफ्रीका-चीन अध्यन केंद्र में एक वरिष्ठ शोधार्थी कोफी कौआकोउ ने मीडिया से यह बात कही।

मैक्रों की शीर्ष राजनयिक कैथरीन कोलोना ने मंगलवार को कहा था कि राष्ट्रपति अगस्त में ब्रिक्स की बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल होने के लिए जोहान्सबर्ग जाने के लिए इच्छुक हैं।

कौआकोउ ने कहा, इससे पता चलता है कि जी-7 और पश्चिमी देशों के नेतृत्व वाले गठबंधन में दरार है और फ्रांस, जर्मनी समेत कई राष्ट्र वहां से निकलना चाहते हैं। फिर भी किसी भी स्थिति में, अगर फ्रांस ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने का अनुरोध कर रहा है तो यह बहुत महत्वपूर्ण है।

कौआकोउ ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में, ब्रिक्स वैश्विक स्तर पर बहुत महत्वपूर्ण होता जा रहा है, इसमें वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत से ज्यादा और दुनिया की आबादी का आधा से ज्यादा हिस्सा शामिल है। उन्होंने कहा कि इस समूह में शामिल होने के लिए अरब जगत और ग्लोबल साउथ का प्रतिनिधित्व करने वाले कम से कम एक दर्जन क्षेत्रीय दिग्गजों ने शामिल होने के लिए अपनी दावेदारी पेश की है जो कि अमेरिका के नियम आधारित व्यवस्था के विपरीत बहुध्रुवीय वैश्विक दृष्टिकोण है।

विशेषज्ञ ने कहा कि फ्रांस खुद ब्रिक्स का अवलोकन करना चाहता है, लेकिन पेरिस के लिए वाशिंगटन के प्रभुत्व से मुक्त होना मुश्किल होगा। मैक्रों ने अपने वक्तव्य से अमेरिका में हलचल मचा दिया था जब अप्रैल में बीजिंग की यात्रा के दौरान कहा था कि चीन-अमेरिका गतिरोध में यूरोप को अमेरिका का 'माहतर' बनना चाहिए और कहा कई यूरोपीय लोग रणनीतिक स्वायत्तता की आवश्यकता महसूस करते हैं। मैक्रों के प्रस्ताव को ब्रिक्स से मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली है।

मणिपुर मसले पर 24 जून को सर्वदलीय बैठक

नयी दिल्ली 22 जून। कांग्रेस ने कहा है कि मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर केंद्र सरकार का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गैरमौजूदगी में सर्वदलीय बैठक बुलाने का कोई मतलब है और इससे समस्या का समाधान निकलेगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की गैरमौजूदगी में हो रही बैठक को लेकर मोदी पर हमला करते हुए कहा मणिपुर 50 दिनों से जल रहा है, मगर प्रधानमंत्री

- **कांग्रेस ने कहा है कि, प्र.मंत्री की अनुपस्थिति में इस तरह सर्वदलीय बैठक बुलाने का कोई मतलब नहीं समझ में आ रहा।**

मौन रहे। सर्वदलीय बैठक तब बुलाई जब प्रधानमंत्री खुद देश में हैं। साफ है, प्रधानमंत्री के लिए ये बैठक महत्वपूर्ण है। इस बीच कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि 50 दिन से मणिपुर जल रहा है और प्रधानमंत्री जब विदेश यात्रा पर हैं तो मणिपुर हिंसा को लेकर उन गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में बैठक बुलाई जा रही है।

कश्मीर में शुक्रवार को घुसपैठ करते चार आतंकी मारे गये

श्रीनगर , 23 जून। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा पर तैनात सतर्क जवानों ने गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया और इस दौरान चार अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया।

पुलिस ने आज बताया कि घुसपैठ की यह कोशिश उस दिन विफल की गयी है, जब केंद्रीय गृह मंत्री दो दिवसीय दौरे पर केंद्र शासित प्रदेश में आए हुए हैं। पुलिस ने कहा कि घुसपैठ की यह कोशिश माछिल सेक्टर के काला जंगल में विफल की गयी।

- **सुरक्षाबलों ने सतर्कता बरतते हुये एल.ओ.सी. पार करके भारतीय क्षेत्र में घुसने जा रहे चार आतंकियों को मुठभेड़ में मौके पर ही मार दिया।**

पुलिस ने ट्वीट करके कहा, सेना और पुलिस के संयुक्त अभियान में कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर में काला जंगल में चार आतंकवादी मारे गए। इस घटना से समय आतंकवादी सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे।

'टाईटैनिक की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महासागर में गए थे वहां उनकी पनडुब्बी तक डूबे हुए जहाज के प्रापैलट में फंस गई थी। उन्होंने सी.एस.एन. को बताया कि तब उन्हें ऐसा लगा मानो इस अर्थाह जल राशि में जीवित ही दफन हो जाएंगे।

उन्होंने कहा कि यह ऐसा अनुभव था जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है। ऐसा लग रहा था कि में अनन्त जल में फंस गया हूँ। रैस्क्यू टीम को बुलाना संभव नहीं था। संयोगवश उनके ड्राइवर पनडुब्बी को प्रोपैलर से निकाल लिया और वे बच गए। यू.एस. कोस्टगार्ड के अनुसार उन्होंने कुछ आवाज़ें सुनी थी, पर विस्फोट की पुस्टि तब ही कि जब रोबोट ने समुद्र की तलहटी में पनडुब्बी के बिखरे कल पुर्जों का पता लगाया। अभी पनडुब्बी में सवार 5 यात्रियों के अवशेष व अन्य सामान ढूंढने की कोशिशे चल रही हैं। टाइटैनिक कोशिशे चल रही है। टाइटैनिक खोजी वाहन सुबह 9 बजे समुद्र में अंदर की यात्रा पर रवाना हुआ था, उनसे आखिरी बार 11.47 पर सम्पर्क हुआ था। वाहन के शाम 6.10 तक वापस आने की उम्मीद थी जब 6.35 तक वापसी नहीं हुई तो उसके बाद तलाशी अभियान शुरु हुआ। अगला दिन होने पर इस तरह डाइव के अनुभवी लोग जैसे कैमरून आदि को अडंगा हो गया था कि कोई हादसा हो गया है पर वे भगवान से प्रार्थना कर रहे थे कि काश वे गलत हो।

'अध्यादेश का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हम केन्द्र के अध्यादेश के विरूद्ध आप को समर्थन देने के बारे में निर्णय लेंगे।" तथापि, आप प्रवक्ता, प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि, उनके पास यह जानकारी है कि राहुल गांधी व भाजपा ने एक समझौता किया है। उन्होंने कांग्रेस से कहा कि, वो इस असंवैधानिक अध्यादेश के विरूद्ध अपना रूख स्पष्ट करे।

आदिपुरूष...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धार्मिक भावनाओं पर आघात पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। याचिका में केंद्र और राज्य सरकार को पक्षकार बनाते हुए कहा गया है कि केन्द्र सरकार को सिनेमेटोग्राफी एक्ट के तहत फिल्म के प्रमाण पत्र को सस्पेंड करने के निर्देश दिए जाए।

वहीं राज्य सरकार को प्रदेश में निर्देश दिए जाए कि वह फिल्म का प्रदेश में प्रदर्शन बैन करे। इसके साथ ही हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आघात पहुंचाने वाले फिल्म के निर्माता व लेखक पर पेनल्टी लगाई जाए। गौरतलब है कि आदिपुरुष फिल्म रिलीज होते ही विवादों में पड़ गई है, इस वजह से उसकी दैनिक कमाई भी काफी कम हो गई है। हाल ही में फिल्म के कई विवादित डायलॉग में संशोधन किया गया है।

काफी रोचक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसने कई छोटी-मोटी पार्टियों से, खासतौर हिन्दी भाषी उत्तर प्रदेश और बिहार में, बातचीत शुरु कर दी है।

अभी-अभी एच.ए.एम. नेता जीतन राम माँझी ने गृह मंत्री अमित शाह के साथ मीटिंग की तथा फिर से एन.डी.ए. में शामिल होने के अपने निर्णय की घोषणा कर दी। भाजपा सूत्रों ने कहा, "अगले साल होने वाले आम चुनावों से पहले के महीनों में एन.डी.ए. को मजबूत करने के प्रयास किये जा रहे हैं।"

पटना की मीटिंग ने भाजपा को विपक्ष के खिलाफ पूरे जोर-शोर से पब्लिसिटी वॉर शुरु करने की स्थिति में ला दिया है। एक पोस्टर में नीतीश कुमार को यह कहते हुये उद्धृत किया गया है कि "वे स्वयं को मिट्टा में मिला देंगे, लेकिन लालू यादव के साथ नहीं रहेंगे।" एक अन्य पोस्टर में, लालू यादव के साथ नहीं रहेंगे।" एक अन्य पोस्टर में, लालू प्रसाद नीतीश कुमार से यह कहते हुये उद्धृत किये गये हैं: "आओ, मेरी गोद में बैठ जाओ।" एक अन्य पोस्टर में, एक घोड़े की पीठ पर एक कुर्सी रखी हुई है तथा उस पर लिखा हुआ है "2024 के प्रधानमंत्री की कुर्सी।" नीतीश और लालू दोनों ही उसकी तरफ बढ़ते दिखाये गये हैं तथा पृष्ठभूमि में विपक्षी नेताओं की भीड़ दिखाई गई है। इस बीच, वह घोड़ा कह रहा है, "दुल्हन का नामो-निशान तक नहीं, और दौड़ में इतने सारे दूल्हे।" एक पोस्टर में, राहुल गांधी सचमुच के देवदास के रूप में दिखाये गये है, जिन्होंने पश्चिम बंगाल ममता बनर्जी को दे दिया, दिल्ली और पंजाब अरविन्द केजरीवाल को दे दिये, बिहार लालू और नीतीश को दे दिया, उत्तर प्रदेश अखिलेश यादव को तथा तमिलनाडु एम.के. स्टालिन को दे दिया।" अब ये सब राहुल से पूरी तरह से राजनीति छोड़ने के लिए कह देंगे।"

17 गैर एन.डी.ए. पार्टियों ने लोकसभा चुनाव "एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा को खदेड़ देने का फैसला कर लिया तथा हम अगली सरकार बनाने के बारे में पूरी तरह आश्वस्त हैं।"

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकतांत्रिक संस्थाओं पर कथित हमले का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, "यह विचारधाराओं की लड़ाई है। हमारे बीच कुछ मतभेद हो सकते हैं लेकिन हमने अपनी विचारधारा की सुरक्षा के लिये, लचीला रूख अपनाते हुए मिलकर लड़ने का निर्णय ले लिया है। यह एक प्रक्रिया है और हम इसे जारी रखेंगे।"

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री तथा तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भी दृढ़तापूर्वक कहा कि आज की मीटिंग में उपस्थित हुई पार्टियाँ एक होकर चुनाव लड़ेंगी।

बनर्जी ने कहा, "जो पटना से शुरू होता है, जन आंदोलन बन जाता है।" उन्होंने यह बात आपातकाल के दौरान हुये ऐतिहासिक जे.पी. आंदोलन की ओर संकेत करते हुये कही।

सूत्रों का कहना है कि मीटिंग के दौरान, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच कहा-सुनी हुई। आप प्रमुख अरविन्द केजरीवाल ने अध्यादेश के मुद्दे पर कांग्रेस को अपना रूख स्पष्ट कर देने के लिये कहा।

मीटिंग शुरू होने से पहले ही, कांग्रेस पर अतिरिक्त नैतिक दबाव बनाने के उद्देश्य से आप ने एक और चली थी। आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस, भाजपा के साथ हुई किसी डील के कारण, अपना रूख स्पष्ट नहीं कर रही है। कक्कड़ ने मीटिंग से कुछ ही मिनट पहले एक टी.वी. समाचार चैनल को बताया कि उन्हें विश्वसनीय सूत्रों से यह जानकारी मिली है कि कांग्रेस और भाजपा के बीच कोई सामंजस्य है" तथा इसीलिये कांग्रेस इस अध्यादेश का विरोध नहीं कर रही है।

- **पर, केजरीवाल, मुद्दे को सार्वजनिक तौर पर जीवित रखना चाहते हैं, जिससे यह छवि बने कि वो ही भाजपा से लड़ने के लिये सबसे गंभीर हैं।**
- **केजरीवाल ने यह धमकी भी दी कि, अगर कांग्रेस ने अपना "स्टैण्ड" स्पष्ट नहीं किया तो, आप के लिये उनके साथ मंच साझा करना मुश्किल होगा।**

मल्लिकार्जुन खड़गे ने आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ के इस आरोप को मीटिंग में उठाया कि कांग्रेस, भाजपा के साथ हुई किसी डील के कारण, इस मामले में अपना रूख स्पष्ट नहीं कर रही है। पटना में हुई 17 पार्टियों की इस मीटिंग के बाद, जहां विपक्षी दलों की प्रैस कॉन्फ्रैंस जहां विपक्षी एकता की बात कर रही थी, वहीं आम आदमी पार्टी कांग्रेस पर दबाव बनाने में लगी हुई थी। आप ने कहा कि अगर कांग्रेस दिल्ली के प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण के लिये लाये गये केन्द्र के विवादास्पद अध्यादेश का सार्वजनिक रूप से विरोध नहीं करेगी, तो वह (आप) विपक्ष की किसी भी आगामी मीटिंग का हिस्सा नहीं बनेगी।

आप प्रमुख केजरीवाल इस मुद्दे को जनता के सामने लाने के लिये बहुत उद्यत बताये जाते हैं क्योंकि वे जनता में अपनी ऐसी छवि बनाना चाहते हैं कि वे भाजपा से लड़ रहे हैं।

सूत्रों ने कहा कि प्रैस कॉन्फ्रैंस में हुई घोषणा से पहले, बिहार की राजधानी पटना में हुई इस मीटिंग में कांग्रेस और आप में तीखी बहस हो गई थी। आप प्रमुख केजरीवाल ने कांग्रेस से कहा कि वह अध्यादेश पर अपना रूख स्पष्ट करे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ के इस आरोप को मुद्दे के रूप में उठाया कि कांग्रेस, भाजपा के साथ हुई किसी डील के कारण, अपना रूख स्पष्ट नहीं कर रही है।

कांग्रेस ने बार-बार कहा कि इस प्रकार की बड़ी मीटिंग इस प्रकार के मुद्दों के लिये उचित अवसर नहीं है तथा कांग्रेस इस प्रकार के मुद्दों पर निर्णय संसद के सत्रों से पहले लिया करती है।

खड़गे ने पटना पहुंचकर कहा था, "इसका विरोध करने या इसका समर्थन करने का काम बाहर नहीं होता, संसद में होता है। संसद शुरू होने से पहले, सभी पार्टियाँ निर्णय लेती हैं कि उन्हें किन मुद्दों पर मिलकर काम करना है। वे (आप) इस बात को जानते हैं तथा उनके नेता हमारी सर्वदलीय मीटिंगों में आते हैं। मैं नहीं समझ पा रहा कि इस बारे में (संसद के) बाहर इतनी पब्लिसिटी क्यों की जा रही है।"

जैसी अपेक्षा थी, विपक्ष की इस पहली मीटिंग में "साझा न्यूनतम कार्यक्रम" (कॉमन मिनिमम प्रोग्राम) पर संक्षेप में चर्चा हुई। इसके साथ ही, मीटिंग में सामाजिक न्याय, केन्द्र द्वारा जांच एजेंसियों के कथित दुरूपयोग, मणिपुर-हिंसा, पहलवान आंदोलन तथा दिल्ली अध्यादेश से संबंधित मुद्दे भी उठाये गये। भाजपा के खिलाफ संयुक्त विपक्ष के किसी एक चेहरे पर चर्चा से जानबूझ कर बचा गया।

9 साल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ उनकी सरकार के व्यवहार को लेकर जताई गई चिंताओं को नज़रअंदाज़ करते हुए कहा, "पक्षपात का कोई प्रश्न ही नहीं उठता" और यह भी कि, "प्रजातंत्र हमारे डी.एन.ए में है।" मोदी की टिप्पणियाँ वैसी ही थीं जैसी हमेशा उनकी सरकार की होती हैं, आलोचना का सामन करते समय। उनकी सरकार ने विरोधियों को इस तरह से डराया/धमकाया है, जिससे भारत में तानाशाही का भय पैदा हो गया है। लेकिन, लाइव न्यूज़ कॉन्फ्रैंस में प्रश्नों के सीधे जवाब देना मोदी के लिए एक असामान्य बात है।

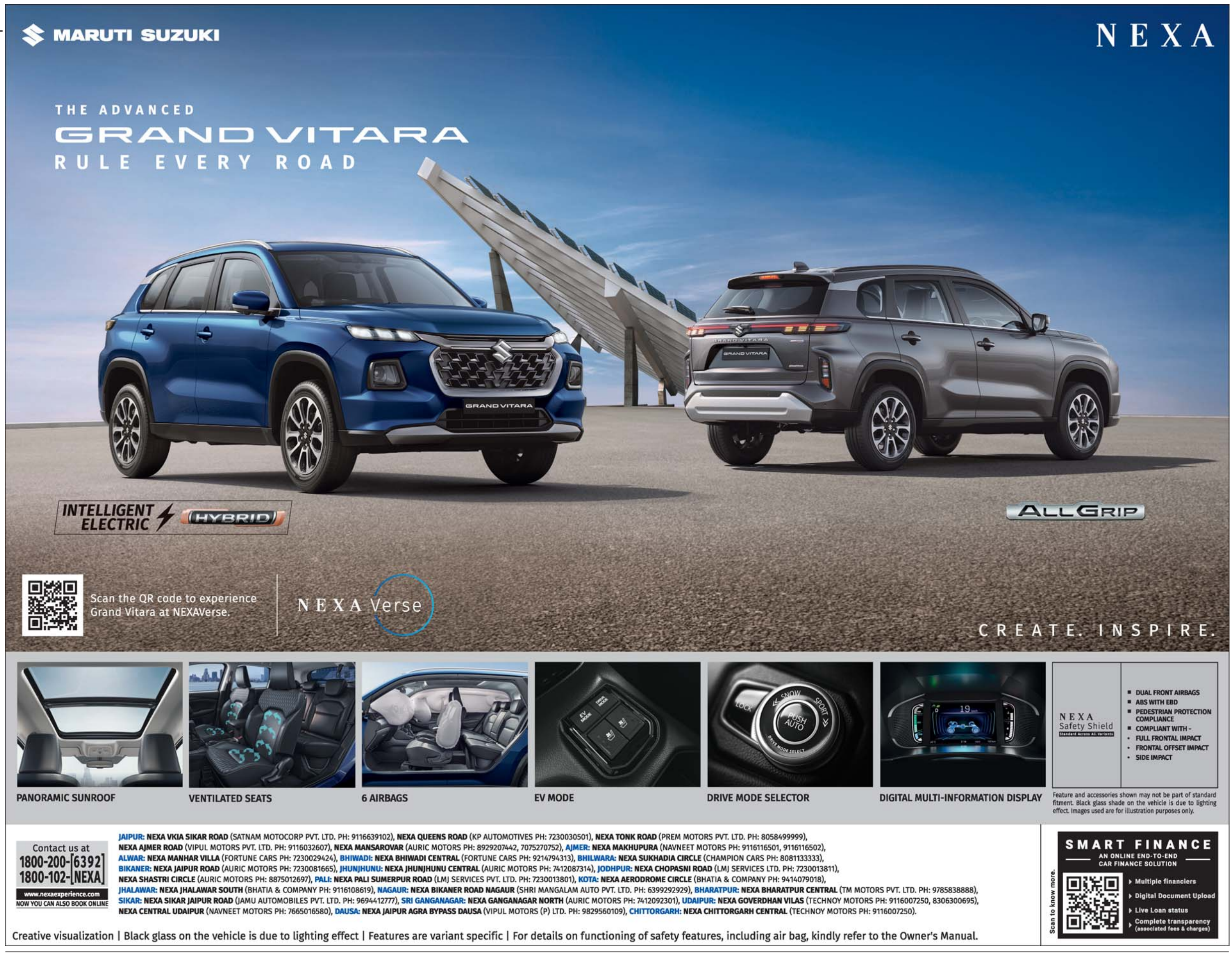

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908